विश्व संगीत दिवस आज

हरिभूमि

छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

haribhoomi.com

रायपुर, रविवार 21 जून 2026

मिट्टी में संगीत, सांसों में संस्कृति...

पूर्वजों द्वारा स्थापित जय अंबे छत्तीसगढ़ी नाचा मंडली आज भी बनी हुई है गांव की सांस्कृतिक धड़कन

चार पीढ़ियों से कला की अलख जगा रहा निचेकोहड़ा, हर घर में बसते हैं कलाकार

कुछ गांव अपनी पहचान खेतों, जंगलों या बाजारों से बनाते हैं, लेकिन मोहला-मानपुर-अंबागढ़ चौकी जिले का आदिवासी बहुल गांव निचेकोहड़ा अपनी पहचान सुरों और संस्कृति से गढ़ता है। लगभग एक हजार की आबादी वाले इस गांव में शायद ही कोई ऐसा घर हो, जहां बच्चों से लेकर बुजुर्गों तक कोई न कोई कला से जुड़ा न हो। कोई नाचा का कलाकार है, कोई रामधुनी का गायक, कोई वादक तो कोई मंच संचालक। रोजी-रोटी के लिए मजदूरी करने वाले इस गांव के लोगों ने चार पीढ़ियों से अपनी लोक संस्कृति और कलाओं को जीवित रखा है। यही वजह है कि निचेकोहड़ा आज केवल एक गांव नहीं, बल्कि लोककला और संगीत की जीवंत पाठशाला बन चुका है।

एनिश पुरी गोस्वामी ▶▶| मोहला

छत्तीसगढ़ के राजनांदगांव के अविभाजित क्षेत्र और वर्तमान मोहला-मानपुर-अंबागढ़ चौकी जिले में स्थित निचेकोहड़ा को कला ग्राम के नाम से जाना जाता है। इस गांव की मिट्टी ने अनेक ऐसे कलाकारों को जन्म दिया, जिन्होंने अपनी कला के दम पर प्रदेश ही नहीं, देश के विभिन्न हिस्सों में पहचान बनाई। पूर्वजों द्वारा स्थापित जय अंबे छत्तीसगढ़ी नाचा मंडली आज भी गांव की सांस्कृतिक धड़कन बनी हुई है। इस मंडली से जुड़े रहे स्वर्गीय भगवानी राम गंधर्व नाचा विधा के प्रसिद्ध कलाकार, आकाशवाणी और राष्ट्रपति सम्मान से अलंकृत कलाकार तथा रामायण के प्रभावशाली कथावाचक रहे। वहीं स्वर्गीय खेदूराम चंद्रवंशी, रामलाल चंद्रवंशी, जोहरीराम चंद्रवंशी और ▶▶| शेष पेज 5 पर

पढ़े नहीं पर संगीत में पारंगत

जय माँ सरस्वती रामधुनी मंडली-निचेकोहडा इसके गायक खिलावन भरतद्वाज हैं, शिक्षा अर्जित नहीं की है, लेकिन संगीत में पारंगत हैं। 24 सदस्यों के अपनी मंडली को संचालित है साथ ही जय माँ सरस्वती मानस मंडली के गायक हैं । इसी तरह त्रेतानाथ चंद्रवंशी की मंडली लगभग 9 सदस्यों से संचालित है, ग्राम में घोरदा रोड में राधा कृष्ण मंदिर के सामने नंदी भगवान का स्थापना की गई है। ग्राम-निचेकोहडा में एक ऐसा उद्‌घोषक मंच संचालक कलाकार-अपने पिता जी के नक्शे कदम पर चलते क्षेत्र में जिनकी अलग पहचान है। सुजानिक निर्मलकर ग्राम-पंचायत निचेकोहडा के उपसरपंच मंच संचालक हैं।

सुरों ने गढ़ी पीढ़ियां : हाजरा परिवार ने खामोशी में रचे संगीत के सितारे

सचिन अग्रहरि ▶▶| राजनांदगांव

संस्कारधानी राजनांदगांव की सांस्कृतिक पहचान जब भी संगीत की बातों से सजी है, उसमें एक नाम हमेशा सम्मान के साथ लिया जाता है, बैद्यनाथ हाजरा। वे ऐसे संगीत साधक थे जिन्होंने कभी प्रसिद्धि की लालसा नहीं की, बल्कि अपना पूरा जीवन संगीत की सेवा और नई पीढ़ी के कलाकारों को तैयार करने में लगा दिया। आज उनके शिष्य देश-विदेश में अपनी प्रतिभा का परचम लहरा रहे हैं। अविभाजित बिहार के एक बंगाली ब्राह्मण परिवार में जन्मे बैद्यनाथ हाजरा को संगीत विरासत में मिला था। उनके पिता विनोद बिहारी हाजरा बिहार के प्रतिष्ठित मृदंग ▶▶| शेष पेज 5 पर

तीन पीढ़ियों से कर रहे हैं संगीत साधना मेले मे मिली बांसुरी से मिली प्राणवायु

चैतेन्द्र तिवारी/खैरागढ़। एक ओर लोग खासतौर से युवा आधुनिक तड़क-भड़क और शोरगुल वाले संगीत मे रमे हुए हैं, वहीं दूसरी ओर सदियों पुरानी सांगितिक परंपरा मे महत्वपूर्ण स्थान रखने वाली और प्रभु श्री कृष्ण के अधरों पर लिपटने वाली बांसुरी की धुन को सालों से इंद्रलोक सिटी निवासी डॉ बिहारी तारम ने सहेजा हुआ है। दादा स्व केजूराम तारम और पिता स्व चतुर्भुज तारम को घर आंगन मे चिकारा, ▶▶| शेष पेज 5 पर

संगीत की धुन में ही गुजर रहा जीवन चार पीढ़ियों से जारी है सफर

संतोष दुबे /राजनांदगांव। घर के बुजुर्ग से शुरू हुआ संगीत का सफर जारी है। दादा की विरासत परपोते भी सम्हाल रहे हैं। शहर के चितपरिचित मुन्नालाल केमे का बचपन संगीत के धुनों में ही बीता, जब वे सैक्सोफोन बजाना शुरू करते हैं ▶▶| शेष पेज 5 पर

दादा जी, पिता जी भी कथक से जुड़े रहे और अब बेटे भी नई पीढ़ी को प्रशिक्षण दे रहे

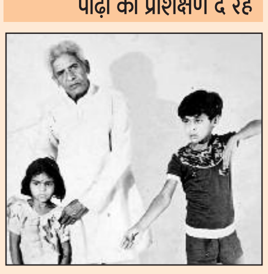

बरेठ परिवार की चार पीढ़ियों ने जीवित रखी हैं संगीत की सांस्कृतिक विरासत

विकास चौबे / बिलासपुर। रायगढ़ राजघराने के पद्मश्री पंडित रामलाल बरेठ आज भी इस सांस्कृतिक विरासत को सहेजे हुए हैं। भारतीय कला एवं शास्त्रीय नृत्य में अपनी अलग पहचान बनाने वाले पद्मश्री पंडित रामलाल बरेठ को संगीत नाटक अकादमी की सर्वोच्च फेलोशिप अकादमी रत्न से सम्मानित किया जाएगा। यह सम्मान केवल एक कलाकार की उपलब्धि नहीं, बल्कि उस परंपरा का सम्मान है जिसने कई ▶▶| शेष पेज 5 पर

सांस्कृतिक विरासत को जीवित रखना उद्देश्य

पंडित बरेठ की सबसे बड़ी उपलब्धि केवल मंच पर प्रदर्शन नहीं, बल्कि एक सांस्कृतिक परंपरा को जीवित रखना है। उनके मार्गदर्शन में तैयार हुए अनेक शिष्य आज देश और विदेश में रायगढ़ घराने की पहचान बने हुए हैं। उनके पुत्र और कथक नृत्याचार्य गुरु भूपेंद्र बरेठ भी इसी विरासत को आगे बढ़ा रहे हैं। इस हाईटेक और डिजिटल दौर में भी युवक और युवतियां शास्त्रीय नृत्य एवं संगीत को चुन रही हैं। पंडित बरेठ के मुताबिक जितने भी कला के क्षेत्र हैं वो साधना है जो एक तरह से हमारी भारतीय संस्कृति को सामने लाता है।

कई सम्मान प्राप्त कर चुके हैं पद्मश्री बरेठ

वर्ष 2024 में पद्मश्री सम्मान प्राप्त कर चुके पंडित बरेठ को इससे पहले संगीत नाटक अकादमी पुरस्कार, चक्रधर सम्मान और मध्यप्रदेश शासन का शिखर सम्मान भी मिल चुका है। अब अकादमी रत्न के रूप में यह सर्वोच्च सम्मान उनके छह दशक से अधिक लंबे कला-साधना के सफर को राष्ट्रीय स्तर पर नई पहचान देगा। यह सम्मान केवल पंडित रामलाल बरेठ का नहीं, बल्कि रायगढ़ कथक घराने, बिलासपुर और पूरे छत्तीसगढ़ की सांस्कृतिक अस्मिता का सम्मान है। राष्ट्रपति के हाथों मिलने वाला यह प्रतिष्ठित सम्मान आने वाली पीढ़ियों को भारतीय शास्त्रीय कला और परंपराओं के संरक्षण के लिए प्रेरणादायक रहेगा।

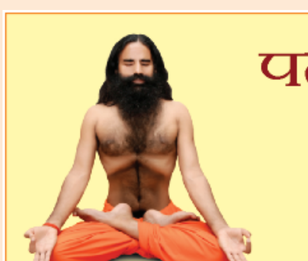

पतंजलि® PATANJALI®

अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस

योग आह्वान

मूलतः हम सब भारतवासियों के पूर्वज योगी थे। काल के प्रवाह में भले ही अब भिन्न पंथों, जाति, वर्ग, समुदायों के रूप में दिख रहे हों। अतः अपने पूर्वजों के प्रति कृतज्ञ रहें तथा कृतघ्नता के पाप से बचें। सामूहिक रूप से योग करें एवं 10-20-50-100 लोगों को करायें एवं फोटो, रील आदि सोशल मीडिया पर शेयर करें। हर गांव, शहर, गली-मोहल्ला में योग के छोटे-छोटे कार्यक्रम करें ।

योग, आयुर्वेद व स्वदेशी से आत्मनिर्भर भारत का संकल्प करें व करवायें।

विरोध– योग, आयुर्वेद, स्वदेशी व सनातन संस्कृति का षड्यंत्र पूर्वक भयंकर विरोध व विध्वंस करने में बहुत–सी आसुरी शक्तियां लगी हैं। राष्ट्रवादी सच्ची सनातनी आत्माओं को पूरी ताकत के साथ इस देवासुर संग्राम, धर्मयुद्ध में पतंजलि व पूजनीय स्वामी रामदेव जी का 100% साथ देना चाहिए। यतो धर्म : ततो जय :, सत्यमेव जयते।

लूट– ऑक्सफैम इंटरनेशनल से लेकर किसी भी AI (ए.आई.) टूल से सर्च करेंगे, तो पाएंगे कि मात्र विगत् 200-250 सालों में 100 ट्रिलियन से अधिक तो विदेशी कम्पनियों ने देश की आर्थिक लूट की है। महान भारत देश को एम.एन.सी. की आर्थिक गुलामी, मैकाले की शिक्षा की गुलामी, वैचारिक व सांस्कृतिक गुलामी में देश को धकेल कर पतन की पराकाष्ठा में पहुंचा दिया। 500-1000 साल पहले के स्वर्णिम काल की गौरवशाली स्मृति के साथ एक महान विकसित भारत बनाने के लिए हम सब संकल्पित होकर अखंड, प्रचंड पुरुषार्थ करें ताकि भारत की विरोधी शक्तियों को परास्त कर सकें और अपने पूर्वज ऋषि–ऋषिकाओं व शहीदों के सपनों का भारत बनायें।

पतंजलि का योगदान– पूजनीय योगऋषि स्वामी रामदेव जी व पूजनीय आचार्य श्री बालकृष्ण जी व पतंजलि के पुरुषार्थ से आज पूरे विश्व में योग–आयुर्वेद, स्वदेशी व सनातन संस्कृति का समग्र गौरव सम्पूर्ण विश्व में पहुंचा है। हरिद्वार से लेकर देश व दुनिया तक, इस महान सेवा में लाखों करोड़ों की चैरिटी पतंजलि ने की है। लगभग 10 हजार रिसर्च प्रोटोकॉल फॉलो करके 500+ रिसर्च पेपर इंटरनेशनल जर्नल्स में प्रकाशित हो चुके हैं। पतंजलि गुरुकुलम्, आचार्यकुलम्, पतंजलि विश्वविद्यालय, भारतीय शिक्षा बोर्ड (BSB), पतंजलि कैरियर एकेडमी, पतंजलि सिविल सर्विसेस एकेडमी (PCSA), पतंजलि वेलनेस, योगग्राम, निरामयम्, पतंजलि रिसर्च फाउण्डेशन, गौशाला, पतंजलि के राष्ट्रव्यापी संगठन में करोड़ों कार्यकर्ताओं की निष्काम सेवा व तप से आज एक कालजयी ऐतिहासिक सेवा चल रही है। सैकड़ों संन्यासियों का तप, लाखों कर्मयोगी भाई–बहनों की निष्काम सेवा एवं आप सभी करोड़ों देशवासियों का आशीर्वाद ही हमारा एकमात्र सम्बल है और हमारा संकल्प है कि हम अन्तिम श्वास तक भारत माता व मानवता की सेवा में अपना सर्वस्व आहूत करते रहेंगे।

पतंजलि से जुड़कर हमारी सेवाओं का लाभ उठायें। योगत्व, रामत्व, कृष्णत्व तथा शिवत्व आदि को अपने स्वभाव व आचरण में अपनायें। क्योंकि सनातन धर्म हमारे आचरण का विषय है, मात्र प्रवचन का नहीं।

प्रतिदिन आस्था चैनल व इंडिया टीवी या यूट्यूब आदि से जुड़कर योग अवश्य करें।

आस्था LIVE – प्रतिदिन सुबह 5:00 से 7:30 और रात 8:00 बजे | संस्कार – रोज रात 9:00 बजे | INDIA TV – रोज सुबह 8:00 बजे | YouTube – Swami Ramdev | Acharya Bal Krishna

पतंजलि के हेल्दी प्रोडक्ट्स ख़रीदनें व रिसर्च एवं एविडेंस–बेस्ड मेडिसिन से रोगों को जड़ से मिटाने के लिए गूगल पर Patanjali Store Near Me (पतंजलि स्टोर नियर मी) सर्च करें। पतंजलि के सभी स्वदेशी प्रोडक्ट्स जैसे– गाय का घी, दन्त कान्ति, हनी, केश कान्ति, शर्बत, जूस आदि देश के सभी प्रमुख स्टोर्स पर उपलब्ध हैं। जहाँ उपलब्ध नहीं है वहाँ आप दुकानदार से पतंजलि के प्रोडक्ट्स रखने के लिए निवेदन करें।

पतंजलि की सभी प्रमुख संस्थानों की वेबसाइट पर जाकर अधिक जानकारी प्राप्त करें।

पतंजलि वेलनेस में आकर आरोग्य का लाभ प्राप्त करें, रजिस्ट्रेशन हेतु सम्पर्क करें– 8954-666-111

भारतीय शिक्षा बोर्ड व पतंजलि सिविल सर्विसेस एकेडमी हेतु सम्पर्क करें– 8954-555-999

Raheja Group

Introducing

Raheja LUXE

Raheja
AVANA

A NEW LEAGUE AT KACHNA

Inaugurating the experience centre of
Raipur's Most Ambitious Residential Canvas

Unlock Exclusive Inaugural Benefits | Today **21st June** | **11am** Onwards

92945 92945
PCGRERA061025001976
rera.cgstate.gov.in

Designed By Globally known
Ar. Andy Fisher
(Founder, AFW Singapore)

74 Boutique
Residential Spaces

हरिभूमि
छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित
समाचार ही नहीं, विचार भी

टीम हरिभूमि आधा दर्जन जिलों में उतरी, पोकलेन जेसीबी, ट्रैक्टर मिले

टीम ने फोटो लेते वक्त लोकेशन और टाइमिंग सेट की, सुबह 6 बजे से दोपहर तक मिले बेखौफ तस्कर

सरकार की सख्ती के बावजूद खतरा उठा रहे तस्कर, क्योंकि मुनाफा ढाई से तीन गुना तक, ऊपर तक सेटिंग

ये तस्वीर शनिवार दिन में 11.42 मिनट की है

मानसून के साथ प्रदेश में रेत उत्खनन पर 10 जून से प्रतिबंध लागू हो चुका है, लेकिन नदियों के घाटों पर हालात कुछ और ही कहानी कह रहे हैं। बिलासपुर, रायपुर, रायगढ़, जांजगीर-चांपा, सरगुजा और एमसीबी में रेत माफिया रात के अंधेरे में बेखौफ होकर नदियों का सीना चीर रहे हैं। कहीं पोकलेन और जेसीबी मशीनें चल रही हैं तो कहीं मजदूरों के सहारे रेत निकाली जा रही है। हाल ही में रेत कारोबार को लेकर हुई हिंसक वारदात और प्रशासनिक कार्रवाइयों के बावजूद अवैध उत्खनन का सिलसिला थमने का नाम नहीं ले रहा, प्रतिबंध का असर धरातल पर दिखाई नहीं पड़ रहा है।

मुख्यमंत्री हेल्प लाइन पर ही शिकायत होने पर कार्रवाई, ड्रोन सिस्टम अब तक शुरू नहीं

रेत का खतरनाक खेल...

तीन की हत्या के बाद भी नहीं मान रहे तस्कर

रेत का अर्थशास्त्र...लागत 8000, सामान्य दिनों में हाईवा का रेट 16000, जून के बाद 36 हजार तक

लक्ष्मण लेखवानी ▶▶| रायपुर

छत्तीसगढ़ में रेत उत्खनन पर प्रतिबंध लागू है, लेकिन रेत माफियाओं की गतिविधियां थमने के बजाय और बेखौफ होती दिख रही हैं। इसकी सबसे बड़ी वजह रेत कारोबार का वह अर्थशास्त्र है, जिसमें लाख रुपए तक का जुर्माना भी कारोबारियों के लिए मामूली लागत भर है। एक ओर अवैध उत्खनन से प्रति हाईवा हजारों रुपए का अतिरिक्त मुनाफा कमाया जा रहा है, वहीं दूसरी ओर कार्रवाई के बाद वाहन और मशीनें आसानी से छूट जाती हैं। यही कारण है कि जब्ती, जुर्माना ▶▶|शेष पेज 5 पर

खनिज सचिव पी. दयानंद की जीरो टालरेंस की नीति

खनिज साधन विभाग के सचिव पी. दयानंद अवैध रेत खनन को लेकर जीरो टालरेंस की नीति अपनाते रहे हैं। उन्होंने 11 जिलों के कलेक्टरों की बैठक लेकर कहा था कि रेत के अवैध खनन व परिवहन को रोकने के लिए जिला स्तर पर गठित टास्क फोर्स के माध्यम से निरंतर निगरानी एवं कठोर कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। उन्होंने कहा कि खनिज राजस्व की हानि रोकना शासन की प्राथमिकता है। इस दिशा में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नही की जाएगी। उनके निर्देश के बाद कई जिलों में लगातार छापामार कार्रवाई की गई। रायपुर, बिलासपुर समेत कई जिलों में दर्जनों जेसीबी, हाईवा और ट्रेक्टर-ट्राली जब्त किए गए।

बिलासपुर : रातभर चल रहा उत्खनन, दिन में भी बेखौफ खनन

शरद पाण्डेय ▶▶| बिलासपुर

हरिभूमि लाइव

बिलासपुर जिले के निरतू, संेदरी, पाटबाबा, मंगला और मोहरा-नगोई घाटों में प्रतिबंध के बावजूद रेत का अवैध उत्खनन जारी है। स्थानीय लोगों के अनुसार रेत माफिया देर रात नदी में पहुंचते हैं और अल सुबह तक ट्रैक्टर तथा अन्य वाहनों में रेत भरकर निकल जाते हैं। प्रशासनिक कार्रवाई से बचने के लिए कई जगहों पर मशीनों के बजाय मजदूरों से हाथों से रेत निकलवाई जा रही है। हाल ही में स्पेशल टीम द्वारा मशीनें और वाहन जब्त किए जाने के बावजूद गतिविधियां बंद नहीं हुई हैं। रेत की कमी का हवाला देकर बाजार में कीमतें भी बढ़ा दी गई हैं और उपभोक्ताओं को अधिक कीमत चुकानी पड़ रही है।

कड़ी चौकसी कार्रवाई के निर्देश

शासन के निर्देशानुसार 15 जून से रेत की वैध खुदाई बंद की जा चुकी है। रेत घाटों पर किसी भी तरह की खुदाई रोकने का निर्देश दिया गया है। विभाग ने औचक निरीक्षण के लिए कई टीमें भी गठित की हैं जो शतक निगरानी कर रही हैं।

-किशोर कुमार गोलघाटे , उपसंचालक खनिज विभाग

रायगढ़
घाटों का आवंटन नहीं माफिया के लिए बना अवसर

रायगढ़/स्वतंत्र महंत

रायगढ़ जिले में रेत घाटों के आवंटन और संचालन में देरी का फायदा सीधे तौर पर रेत माफिया उठा रहे हैं। खरसिया, पुसौर, धरमजयगढ़, घरघोड़ा और तमनार क्षेत्र के कई घाटों से रात के समय बड़े पैमाने पर रेत निकाली जा रही है। दिन में ट्रैक्टरों से परिवहन होता है, जबकि रात में डंपर और भारी वाहनों के जरिए रेत बाहर भेजी जाती है। कई स्थानों पर अवैध भंडारण भी किया गया है। खनिज विभाग ने पिछले दिनों कई मशीनें जब्त की हैं, लेकिन अवैध कारोबार पर इसका कोई खास असर नहीं दिख रहा। सरकारी परियोजनाओं के नाम पर रेत निकाली जा रही है और निजी निर्माण कार्यों के लिए ऊंचे दाम वसूले जा रहे हैं।

आरंग की ये तस्वीर शनिवार दिन में 2.55 मिनट की है

आरंग क्षेत्र में खुलेआम अवैध उत्खनन

डागेश यादव/चंद्रखुरी। आरंग क्षेत्र के मुंहमेला-चिखली, खमतराई, हरदीडीह और कुरूद-कुटेला में अवैध रेत उत्खनन का खेल खुलेआम चल रहा है। ग्राम पंचायत मुंहमेला में मजदूरों के माध्यम से ट्रैक्टरों में रेत लोड करके नदी के ऊपर डंप किया जा रहा है और जेसीबी के माध्यम से लगातार रोजाना 40 से 50 हाइवा लोड किया जा रहा है। हरिभूमि टीम जब कुरूद-कुटेला हरदीडीह और मुंहमेला पहुंची तो माफिया जेसीबी-ट्रैक्टर लेकर भाग खड़े हुए।

शहर से 5 किलोमीटर दूर अवैध कारोबार

दिलीप देवांगनः धमतरी। यह तस्वीर शहर से करीब 5 किमी दूर ग्राम कोलियारी-अमेठी महानदी की है, जिसे शनिवार की दोपहर करीब 1.30 बजे कैमरे में कैद की गई है। खनिज विभाग की माने तो एनजीटी (नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल) के आदेशानुसार वर्षाकाल (15 जून से 15 अक्टूबर तक) में नदियों में रेत का उत्खनन एवं परिवहन पर पूर्ण प्रतिबंध है लेकिन प्रशासन की नाक के नीचे रोजाना सैकड़ों ट्रेक्टर रेत का उत्खनन एवं परिवहन हो रहा है।

जांजगीर चांपा
पगडंडियों से हाईवे तक पहुंच रही अवैध रेत

जांजगीर/अभिषेक शुक्ला। जांजगीर-चांपा जिले में 15 जून से रेत उत्खनन पर प्रतिबंध लागू होने के बावजूद रात के अंधेरे में अवैध उत्खनन और परिवहन का खेल जारी है। शिवरीनारायण, पामगढ़, बलौदा और चांपा क्षेत्र में नदियों से ट्रैक्टरों के माध्यम से चोरी-छिपे रेत निकालकर गांवों के कच्चे रास्तों से हाईवे तक पहुंचाई जा रही है। प्रशासन की सख्ती के दावों के बीच अवैध कारोबारियों के हौसले इतने बुलंद हैं कि प्रतिबंध के बाद भी कई घाटों पर पूरी रात गतिविधियां चल रही हैं।
शिवरीनारायण और पामगढ़ क्षेत्र के कई घाटों से रात के समय ट्रैक्टरों के जरिए रेत निकालकर गांव-देहात के रास्तों से परिवहन किया जा रहा है। वहीं बलौदा और चांपा क्षेत्र में भी यही स्थिति बनी हुई है।

लखना में रात 3 बजे से अवैध रेत उत्खनन का खेल

श्यामकिशोर शर्मा ▶▶| नवापारा-राजिम

नवापारा शहर से मात्र 3 किमी दूर महानदी के ग्राम लखना में रात 3 बजे से अवैध रेत उत्खनन का खेल शुरू हो जाता है, जो आमतौर पर सूर्योदय के साथ ही बंद भी हो जाता है। यह ताजा फोटो शनिवार को उपलब्ध कराया गया है जिसमें स्पष्ट रूप से डंप किया हुआ रेत नजर आ रहा है। बताया जा रहा है कि प्रतिदिन 40 ट्रैक्टर महानदी से रेत निकाल ली जाती है।

सरगुजा | एनजीटी के प्रतिबंध के बावजूद हो रहा खनन

अंबिकापुर :नदीम अंसारी। सरगुजा संभाग में मांड, पांगन, महान और रेण नदियों से बड़े पैमाने पर अवैध रेत उत्खनन जारी है। सरगुजा, सूरजपुर और बलरामपुर जिलों के कई क्षेत्रों में ट्रैक्टरों और अन्य वाहनों के जरिए रेत का परिवहन किया जा रहा है। रेत माफिया पहले नदी से रेत निकालकर विभिन्न स्थानों पर उसका भंडारण करते हैं और बाद में हाइवा तथा टिपर वाहनों से उसे खपाया जाता है। बलरामपुर क्षेत्र में उत्तर प्रदेश की सीमा का लाभ उठाकर भी अवैध कारोबार किए जाने की शिकायतें सामने आ रही हैं। स्थानीय स्तर पर कार्रवाई तो हो रही है, लेकिन वह माफियाओं को रोकने के लिए पर्याप्त साबित नहीं हो रही।

एमसीबी | बड़ी वारदात के बाद भी नहीं बदले हालात

कोरिया :प्रविन्द सिंह। एमसीबी जिले में रेत कारोबार को लेकर हाल ही में हुई चर्चित हिंसक घटना के बाद भी अवैध उत्खनन पर रोक नहीं लग सकी है। बैकुंठपुर और भरतपुर-जनकपुर क्षेत्र के कई हिस्सों में तस्कर नदी तक पहुंचने के लिए कच्चे रास्ते तैयार कर चुके हैं। गोबरी नदी सहित अन्य क्षेत्रों से लगातार रेत निकाली जा रही है। खनिज विभाग ने कुछ वाहनों पर कार्रवाई की है, लेकिन स्थानीय लोगों का कहना है कि उत्खनन और परिवहन का सिलसिला अब भी जारी है। प्रतिबंध के बावजूद खुलेआम हो रहे इस कारोबार ने प्रशासनिक निगरानी और कार्रवाई की प्रभावशीलता पर सवाल खड़े कर दिए हैं।

खबर संक्षेप

निष्क्रिय वॉलेट शुल्क का बैंक खाते, यूपीआई पर असर नहीं

नई दिल्ली। डिजिटल भुगतान मंच फोनपे ने स्पष्ट किया है कि निष्क्रिय पड़े वॉलेट पर लगने वाले 'इनएक्टिविटी शुल्क' का उपभोक्ताओं के लिंक किए गए बैंक खातों या यूपीआई लेनदेन पर कोई असर नहीं पड़ेगा। कंपनी ने यह स्पष्टीकरण कुछ ग्राहकों को भेजी गई सूचनाओं के बाद जारी किया, जिनसे डिजिटल वॉलेट और यूपीआई के संचालन को लेकर भ्रम की स्थिति पैदा हो गई थी। यह शुल्क केवल फोनपे वॉलेट पर लागू होता है।

खाई में गिरने के बाद कार में आग, दो जिंदा जले

चंपावत। उत्तराखंड में चंपावत जिले के लोहाघाट क्षेत्र में एक कार के खाई में गिरने के बाद उसमें आग लग गयी जिससे उसमें जलकर दो व्यक्तियों की मृत्यु हो गयी तथा तीन अन्य घायल हो गए। लोहाघाट की उप जिलाधिकारी नीतू डांगर ने बताया कि दुर्घटना टनकपुर-पिथौरागढ़ बारहमासी सड़क के बंतोली क्षेत्र में शुक्रवार को हुई। हालांकि, बलदेव और राजेंद्र कार में ही फंस गए और दोनों की उसमें जिंदा झुलस कर मौत हो गई।

परीक्षा से एक दिन पहले देशभर में मॉकड्रिल

तगड़ी सुरक्षा के बीच आज नीट-यूजी का री-एग्जाम

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नई दिल्ली

राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा-स्नातक (नीट-यूजी) 2026 की पुनर्परीक्षा 21 जून को होगी। परीक्षा को सुचारू, सुरक्षित और पारदर्शी तरीके से आयोजित कराने के प्रयासों के तहत शनिवार को देशभर में 'मॉक ड्रिल' की गई। राष्ट्रीय राजधानी स्थित राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी (एनटीए) के कार्यालय में भी सुरक्षा कड़ी कर दी गई। प्रश्नपत्र लीक होने के आरोपों के बाद मूल परीक्षा रद्द किए जाने के करीब सात सप्ताह बाद रविवार को 22.79 लाख से अधिक अभ्यर्थी पुनर्परीक्षा में शामिल होंगे। प्रश्नपत्र लीक के आरोपों को लेकर देशभर में आक्रोश पैदा हुआ, राजनीतिक आरोप-प्रत्यारोप लगाए गए और मामला अदालतों तक पहुंचा।

दो लाख से अधिक सुरक्षा कर्मी

एनटीए ने बताया कि पुनर्परीक्षा को सुचारू और निष्पक्ष तरीके से कराने के लिए पुलिस और जिला प्रशासन के अधिकारियों समेत दो लाख से अधिक कर्मियों को तैनात किया गया है। सुरक्षा के कड़े उपायों के तहत प्रश्नपत्र पहुंचाने के लिए पहली बार भारतीय वायुसेना की मदद ली जा रही है।

कई राज्यों में विशेष सहायता

कई राज्यों ने अभ्यर्थियों के लिए सहायता उपायों की घोषणा भी की है। इनमें यात्रा संबंधी तनाव कम करने और परीक्षा केंद्रों तक समय पर पहुंच सुनिश्चित करने के लिए सरकारी बसों में मुफ्त परिवहन की सुविधा शामिल है। राष्ट्रीय आयुर्विज्ञान आयोग ने अपने अधीन आने वाले सभी मेडिकल कॉलेज और संस्थानों को असाधारण परिस्थितियों को छोड़कर 20 और 21 जून को छात्रों को छुट्टी नहीं देने का निर्देश दिया है। यह कदम उन घटनाओं के मद्देनजर उठाया गया है, जिनमें मेडिकल कॉलेजों के कुछ छात्र परीक्षा की शुचिता और विश्वसनीयता प्रभावित कर सकने वाली गतिविधियों में शामिल पाए गए थे।

नागपुर के छात्र को अबू धाबी का केंद्र

नीट-यूजी की 21 जून को होने वाली पुनर्परीक्षा में शामिल हो रहे एक स्थानीय विद्यार्थी के परिवार ने दावा किया कि उम्मीदवार को यूएई के अबू धाबी में परीक्षा केंद्र आवंटित किया गया था, जबकि एनटीए ने कहा कि उम्मीदवार ने खुद उस परीक्षा केंद्र का चयन किया था, लेकिन अब उसके अनुरोध पर नागपुर में केंद्र दे दिया गया है। एनटीए ने कहा कि उम्मीदवार ने अपने लॉगिन विवरण का उपयोग करके परीक्षा केंद्र बदलकर अबू धाबी किया था। छात्र, अब्दुल्ला तालिब के पिता डॉ. मोहम्मद तालिब ने बताया कि उनके बेटे ने परीक्षा के लिए नागपुर, वर्धा और भंडारा केंद्रों को प्राथमिकता दी थी।

केंद्र सरकार का बड़ा फैसला

फिक्स्ड डोज कॉम्बिनेशन वाली 16 दवाओं पर लगाया प्रतिबंध

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने 16 'फिक्स्ड डोज कॉम्बिनेशन' (एफडीसी) दवाओं के निर्माण, बिक्री और वितरण पर प्रतिबंध लगाते हुए कहा कि इन दवाओं के इस्तेमाल का कोई 'चिकित्सीय

औचित्य' नहीं है और संभावित जोखिमों की तुलना में इनका लगातार इस्तेमाल लाभकारी नहीं माना गया है। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने कहा कि यह कदम जनस्वास्थ्य ▶▶|शेष पेज 5 पर

प्रसाद लेने पहुंचे थे श्रद्धालु

हनुमान मंदिर की छत गिरी, सात की मौत

छत्रपति संभाजीनगर। महाराष्ट्र में परभणी जिले के यशवाड़ी गांव में शनिवार दोपहर हनुमान मंदिर की छत का एक हिस्सा गिर गया। इस हादसे में कम से कम सात लोगों की मौत हो गई, जबकि कई लोग घायल हैं। वहीं, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने परभणी हादसे में हुई मौतों पर दुख जताया। छत्रपति संभाजीनगर से करीब 190 किलोमीटर दूर यशवाड़ी गांव मानवत मार्ग पर स्थित है।

सीसीटीवी फुटेज में दिखा हादसा

हादसे का सीसीटीवी फुटेज भी सामने आया है। मंदिर के ठीक सामने सभामंडप बनाने का काम चल रहा था। वीडियो के मुताबिक दोपहर 3 बजे कई लोग लाइन में खड़े होकर प्रसाद दर्शन-पूजा कर रहे थे। तभी बांस और लोहे की रॉड से बना सेंट्रिंग स्ट्रक्चर टूट गया। शनिवार होने के कारण मंदिर में भीड़ ज्यादा थी।

क्योंकि हम ऐसे ही हैं...

हाईवे पर मदद मांगने लगाए गए इमरजेंसी बॉक्स के बटन तक उखाड़े, स्पीकर गायब

ललित राठोड़ ▶▶| रायपुर

अलग खबर

नेशनल हाईवे पर सफर करने वाले यात्रियों की सुरक्षा और दुर्घटना जैसी आपात स्थिति में तत्काल मदद पहुंचाने के लिए भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण द्वारा लगाए गए इमरजेंसी बॉक्स (आपातकालीन कॉलिंग बॉक्स) अब खुद पीड़ित हैं। रायपुर से बिलासपुर और रायपुर से आरंग की ओर जाने वाले हाईवे पर लगे ये इमरजेंसी बॉक्स देखरेख के अभाव में पूरी ▶▶|शेष पेज 5 पर

अफसरों से सीधे बात करने की सुविधा ठप

इन बॉक्स की खासियत यह थी कि आपातकालीन स्थिति में यात्री केवल एक बटन दबाकर सीधे एनएचएआई के कंट्रोल रूम या संबंधित अफसरों से बात कर सकते थे और अपनी लोकेशन बताकर मदद मांग सकते थे। लेकिन उपकरणों के गायब होने और सिस्टम के पूरी तरह से ठप पड़ जाने के कारण ▶▶|शेष पेज 5 पर

अब मोबाइल से टोल-फ्री नंबर पर कॉल ही एकमात्र विकल्प

सिस्टम के फेल होने के कारण हाईवे पर सफर करने वालों के लिए संकट बढ़ गया है। हालांकि, राहत की बात केवल इतनी है कि एनएचआई द्वारा हाईवे पर जगह-जगह टोल-फ्री नंबरों के बोर्ड लगाए गए हैं। अब किसी भी आपात स्थिति या दुर्घटना के वक्त यात्रियों को हाईवे पर इन बॉक्स के बजाय अपने मोबाइल फोन से टोल-फ्री नंबर पर कॉल करके ही मदद मांगनी पड़ रही है। आपातकालीन ▶▶|शेष पेज 5 पर

साय ने आदिवासी समाज की मांगें पूरी कीं, बालोद में टला टकराव

हरिभूमि न्यूज ⏭ बालोद

बालोद जिले के जामड़ी पाट में आदिवासी परिवारों को पारंपरिक अनुष्ठान से रोका जा रहा था। आदिवासी समाज इससे काफी नाराज और आंदोलनरत था। समाज की मांग थी कि उन्हें अपनी गौरवशाली परंपरा जामड़ी पाट में पूजा और रीति-रिवाजों के अनुरूप भव्य अनुष्ठान करने की अनुमति दी जाए। मुख्यमंत्री ने इसे गंभीरता से लेते हुए जिला प्रशासन को निर्देशित किया और समाज की मांगें पूरी की गईं। उसके बाद आज समाज के हजारों लोगों ने शांतिपूर्ण तरीके से पूजा-अनुष्ठान किया। सीएम की पहल की वजह से बालोद में टकराव होने से बच गया। उल्लेखनीय है कि मुख्यमंत्री सचिवालय को खुफिया रिपोर्ट मिली कि कुछ लोग सनातन और आदिवासियों को आमने-सामने कर उग्र आंदोलन कराने की साजिश रच रहे हैं। दोनों पक्षों के कुछ लोग ऐसे भी थे जो कथित विवाद में अपने राजनीति लाभ के लिए लोगों को भड़काने का काम कर रहे थे। लेकिन मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने आदिवासी समाज की मांगे पूरी कर संभावित टकराव को खत्म कर दिया। इस निर्णय के बाद आज समाज के लोगों ने अपनी गौरवशाली परंपरा जामड़ी पाट में पूजा और रीति-रिवाजों के अनुरूप जलकैना में भव्य अनुष्ठान संपन्न किया।

तुएगोंदी में उल्लास के साथ हुआ पारंपरिक अनुष्ठान

कलेक्टर-एसपी ने संभाला लॉ एंड आर्डर

जिला प्रशासन ने मुस्तैदी से संभाला मोर्चा

सर्व आदिवासी समाज के जातरा में हजारों की संख्या में आदिवासी समाज के लोग एकत्रित हुए, जहां पाट बाबा में जा के पूजा अर्चना की गई। इस दौरान जिला प्रशासन की मुस्तैदी देखने को मिली। जिले की कलेक्टर दिव्या मिश्रा और एसपी योगेश पटेल अपनी टीम के साथ दिनभर शांति व्यवस्था बनाने में लगे रहे। शनिवार को जातरा कार्यक्रम से ठीक 3 दिन पहले मुख्यमंत्री निवास में सर्व आदिवासी समाज मुख्यमंत्री और जिले के कलेक्टर एसपी की एक बैठक हुई थी जिसमें पार्टेश्वर धाम में हुए अवैध कब्जे को हटाने की बात उठी थी। जिसके बाद जिला प्रशासन ने उस कब्जे को हटाया था। वही इस बैठक में शान्ति पूर्ण तरीके से जातरा सम्पन्न करने की बात भी हुई थी।

यह था विवाद

आदिवासी समाज का दावा था कि पार्टेश्वर धाम में उनके देवी देवताओं की जगह घेर ली गई है। वे कैना देवी की पूजा करते हैं उस जगह को पाट दिया गया है। आदिवासी समाज की मांग अतिक्रमण हटाने की थी। पार्टेश्वर धाम करीब 12 एकड़ में बन रहा है। उस पर निर्माण चालू है। पार्टेश्वर धाम में कौशल्या धाम मंदिर बन रहा है, उसके ऊपर हिस्से में पाट बाबा है उसमें समाज के देवी देवता हैं। समाज की मांग उसे मुक्त कराने की थी। मुख्यमंत्री निवास में बैठक के बाद कैना देवी पाट को कब्जे से मुक्त कराया गया है। इस तरह सरकार ने विवाद का पटाक्षेप किया।

समाज के साथ की मुख्यमंत्री साय ने बैठक

विगत दिनों मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के साथ आदिवासी समाज के पदाधिकारियों ने जामड़ी पाट में पारंपरिक देव की अर्चना तथा वहॉ स्थित जलकैना में अपनी पारंपरिक अनुष्ठान की अनुमति को लेकर लंबे समय से चली आ रही मांग रखी थी। समाज की भावनाओं और परंपराओं का सम्मान करते हुए मुख्यमंत्री ने अविलंब जिला प्रशासन बालोद को आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने के स्पष्ट निर्देश दिए। मुख्यमंत्री श्री साय के आदेशों का पालन करते हुए बालोद जिला प्रशासन की देखरेख में आज जामड़ी पाट में अनुष्ठान का कार्य शांतिपूर्ण और सुव्यवस्थित ढंग से संपन्न हुआ।

सीएम की सराहना

जलकैना (कुंड) में आदिवासी समाज के लोगों ने अपनी पारंपरिक मान्यताओं के अनुसार देव-आराधना की। इस दौरान समाज के लोगों में सकारात्मक उत्साह का भाव देखा गया, मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय की इस पहल की आदिवासी समाज ने सराहना भी की है। यह निर्णय केवल एक अनुष्ठान की अनुमति तक सीमित नहीं था, बल्कि छत्तीसगढ़ के आदिवासियों की मूल सांस्कृतिक धरोहरों, परंपराओं और उनकी धार्मिक आस्थाओं के संरक्षण के प्रति राज्य सरकार की प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

राम मंदिर चढ़ावा चोरी पर मचा हुआ है देशभर में बवाल

चंपत राय, गोपाल और ट्रस्टी डॉ. अनिल पर होगा 'एक्शन', हटाए जाएंगे पद से!

एजेंसी ⏭ अयोध्या

हिंदुओं की भावनाओं से जुड़े राम मंदिर चढ़ावा चोरी मामले में देशभर की नजर लगी हुई है। इस मामले में एसआईटी की गहन जांच जारी है। स्पेशल इन्वेस्टिगेशन टीम (एसआईटी) की जांच में 150 संदिग्धों के नाम सामने आए हैं। सूत्रों के अनुसार, ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय, ट्रस्टी डॉ. अनिल मिश्रा, मंदिर के निर्माण प्रभारी गोपाल राव पर एक्शन तय है, दोनों को पद से हटाया जा सकता है। इनके अलावा कम-से-कम 25 लोगों पर भी कार्रवाई होगी।

सपा प्रमुख अखिलेश यादव और पूर्व मंत्री पवन पांडेय ने राममंदिर के चढ़ावे में 5-7 करोड़ रुपए चोरी का दावा किया था। इस खुलासे से बवाल मच गया था। हालांकि चंपत राय ने सफाई दी थी कि अभी तक ऐसी कोई भी बात सामने नहीं आई है। लेकिन विवाद बढ़ने पर पीएमओ ने दखल देते हुए रिपोर्ट मांगी थी। योगी सरकार ने भी एसआईटी गठित कर दी थी।

शनिवार को छठे दिन भी एसआईटी जांच के लिए मंदिर पहुंची और संदिग्धों से पूछताछ की। जिन लोगों से एसआईटी पूछताछ कर चुकी है, उन्हें अगले आदेश तक कहीं बाहर न जाने की चेतावनी दी गई है। माना जा रहा है कि सोमवार को सीएम योगी को जांच रिपोर्ट सौंपी जाएगी। आपको बता दें, एसआईटी टीम चंपत राय, अनिल मिश्रा और गोपाल राव से अलग-अलग पूछताछ कर चुकी है, साथ ही एसबीआई के मैनेजर और कैशियर से भी कई सवाल किए गए हैं। एसआईटी गोपाल राव के भतीजे और राम मंदिर कर्मचारी सोमेश आनंद से भी पूछताछ करना चाहती थी, लेकिन वे नहीं मिले। सूत्रों के अनुसार, उनका फोन स्विच ऑफ बता रहा है।

चंपत राय.

गोपाल राव.

अनिल मिश्रा.

एसआईटी ने शनिवार को भी की गहन पूछताछ, योगी को सोमवार को सौंपेगी रिपोर्ट

अब तक 2 करोड़ की बरामदगी

चढ़ावा चोरी मामले में 5 लोगों लवकुश, अवनीश, अनुकल्प, करुणे और रामशंकर उर्फ टिन्नू की निशानदेही पर अब तक 2 करोड़ रुपए की रिकवरी की गई है। ये सभी मंदिर में दान राशि की गिनती की ड्यूटी से जुड़े थे। मंदिर ट्रस्ट के कर्मचारी टिन्नू के घर से 13 जून को सोना मिला था। हालांकि, सोना कितना है, यह अभी कन्फर्म नहीं है।

भाजपा नेता ने भी की थी सीबीआई जांच की मांग

विवाद बढ़ा तो भाजपा नेता डॉ. रजनीश सिंह ने 9 जून को प्रधानमंत्री को लेटर लिखकर सीबीआई जांच की मांग की। अगले दिन यानी 10 जून को प्रधानमंत्री कार्यालय (पीएमओ) ने मंदिर ट्रस्ट से मामले की रिपोर्ट मांग ली थी।

सपा प्रमुख अखिलेश ने किया था चोरी का खुलासा

सपा प्रमुख अखिलेश यादव और सपा सरकार में मंत्री रह चुके पवन पांडेय ने 7 जून को दावा किया था कि राम मंदिर से 5 से साढ़े 7 करोड़ रुपए तक की चोरी की गई। अखिलेश ने भी कहा था कि मामले पर सरकार की चुप्पी संदिग्ध है। कोर्ट को मामला देखना चाहिए।

60 किलो चांदी की शिलाएं और हार भी रिकॉर्ड से गायब

राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा के दौरान रामलला को भेंट की गई मंदिर की नींव में रखे जाने के लिए दी गई चांदी की शिलाएं जांच की बड़ी पहेली बन गई हैं। इसके अलावा जौनपुर के विश्वकर्मा परिवार की तरफ से दिए गए हार का भी रिकॉर्ड नहीं मिल पा रहा है। इस मामले में एसआईटी जांच जारी है। जांच के 6 दिन एसआईटी ने इन चढ़ावों का रिकॉर्ड और वर्तमान स्थिति जानने की कोशिश की, लेकिन अब तक कोई स्पष्ट जानकारी सामने नहीं आई है। ज्वेलर्स एसोसिएशन द्वारा राम मंदिर की नींव में रखने के लिए दी गई 60 किलो चांदी की शिलाओं का भी कोई ठोस रिकॉर्ड जांच टीम को नहीं मिला है।

इजरायल ने 8 घंटे में ही सीजफायर तोड़ा, लेबनान पर फिर किया अटैक

ड्रोन और तोप के गोले दागे, 16 की मौत

नेतन्याहू बोले- हमले जारी रहेंगे

खतरे में शांति समझौता

एजेंसी ⏭ तेल अवीव

इजरायल और हिज्बुल्लाह के बीच हुए सीजफायर को अभी कुछ ही घंटे बीते थे कि दक्षिणी लेबनान एक बार फिर धमाकों से दहल उठा. इजरायल ने दक्षिणी लेबनान में हवाई और ड्रोन हमले किए। इन हमलों में कम से कम पांच लोगों की मौत हो गई है।

इस हमले से एक बार फिर दोनों देशों में हुआ शांति समझौता खतरे में नजर आ रहा है। लेबनान की नेशनल न्यूज एजेंसी के मुताबिक, इजरायली युद्धपोतों और ड्रोनों ने नबातियेह क्षेत्र में रातभर भीषण हमले किए। इन हवाई हमलों में कई आवासीय इमारतें और घर पूरी तरह तबाह हो गए। इतना ही नहीं, तड़के सुबह होने से पहले नबातियेह और उसके आस-पास के इलाकों को निशाना बनाकर भारी तोपखाने से गोलाबारी भी की गई। ये हमला ठीक उस समय हुआ, जब कुछ ही घंटों पहले इजरायल और ईरान समर्थित हिजबुल्लाह गुट के बीच सीमा पार जारी लड़ाई को रोकने पर सहमति बनी थी।

सीजफायर पर मंडराया संकट

हाल के दिनों में बढ़ते हमलों के कारण क्षेत्र में एक बड़े युद्ध का खतरा पैदा हो गया था, जिसे टालने के लिए ये समझौता किया गया था। एक वरिष्ठ अमेरिकी अधिकारी ने बताया कि ये सीजफायर स्थानीय समयानुसार शुक्रवार शाम को करीब 4:00 बजे लागू हुआ था। रॉयटर्स से बात करते हुए एक वरिष्ठ इजरायली अधिकारी और हिज्बुल्लाह के दो सूत्रों ने भी इस समझौते की पुष्टि की थी। इस शांति समझौते को कराने में अमेरिका और कतर ने मुख्य भूमिका निभाई थी, जिसे ईरान का भी समर्थन हासिल था।

नाराज ईरान ने फिर बंद किया होर्मुज जलडमरूमध्य

दुबई। ईरान की संयुक्त सैन्य कमान ने शनिवार को कहा कि होर्मुज जलडमरूमध्य को फिर से बंद कर दिया गया है। इसने कहा कि यह कदम लेबनान में इज़राइल के हमले जारी रहने और अमेरिका की 'बदनीयती' व युद्ध खत्म करने संबंधी वादों के स्पष्ट उल्लंघन की वजह से उठाया गया है। सरकारी टेलीविज़न पर दिए गए बयान में यह चेतावनी भी दी गई कि 'अगर आक्रामकता जारी रहती है, तो आगे के कदम उठाने की योजना बना ली गई है।' इस हफ़्ते की शुरुआत में अमेरिका और ईरान के बीच अंतरिम समझौते पर हस्ताक्षर होने के बाद जहाज़ों ने जलडमरूमध्य से गुज़रना शुरू कर दिया था। युद्धविराम समझौते की ख़बरें आने के कुछ ही घंटों बाद, शनिवार को दक्षिणी लेबनान पर इज़राइली हमलों में कम से कम 16 लोगों की मौत हो गई, जिनमें दो बच्चे भी शामिल हैं। इस बीच, सरकारी टीवी ने कहा कि युद्ध के मुद्दे पर अमेरिका के साथ बातचीत करने वाली ईरानी टीम स्विट्जरलैंड जा रही है।

हाईवोल्टेज तार की चपेट में आकर तीन भालुओं की मौत

हरिभूमि न्यूज ⏭ प्रतापपुर

आंधी के कारण केवरा जंगल में टूटकर गिरी थी 11 केवी की लाइन

आंधी बारिश के कारण टूटकर गिरे हाई टेंशन तार की चपेट में आकर तीन भालुओं की मौत हो गई। भालू भोजन की तलाश में निकले थे। इस दौरान वे जंगल में टूटकर गिरे तार की चपेट में आ गए।

सुबह एक-एक नर मादा भालू का शव बरामद किया गया। इस घटना की सूचना मिलने के बाद क्षेत्र में हड़कंप मच गया। सूचना मिलने के बाद मौके पर पहुंची वन विभाग की टीम द्वारा शवों का पीएम उपरान्त अंतिम संस्कार कराया। इधर एक साथ तीन भालुओं की मौत के बाद विद्युत विभाग की लापरवाही को लेकर लोगों में रोष का माहौल है।

मौके पर ही मौत

क्षेत्र के केवरा जंगल के रस्ते 11 केवी विद्युत लाइन का विस्तार किया गया है। शनिवार को तड़के 5 बजे क्षेत्र में तेज रफ्तार से आंधी चली। इस दौरान वन परिक्षेत्र प्रतापपुर अंतर्गत केवरा जंगल के कक्ष क्रमांक पी-17 के ऊपर गुजर रही 11 केवी की विद्युत लाइन टूटकर नीचे गिर गई। इस दौरान नीचे भ्रमण कर रहे तीन भालू हाई वोल्टेज करेंट की चपेट में आ गए जिससे तीनों की मौके पर ही मौत हो गई।

ग्रामीणों का आरोप

हालांकि ग्रामीणों का आरोप है कि विद्युत तार काफी समय से टूटकर जमीन पर गिरा हुआ था। स्थानीय लोगों ने घटना की सूचना वन विभाग को दी। सूचना मिलने के बाद मौके पर पहुंची वन विभाग की टीम ने विद्युत आपूर्ति बंद कराने के बाद भालुओं के शव को बरामद किया। मरने वालों में एक नर, एक मादा और एक शावक भालू शामिल है। वन विभाग द्वारा तीनों भालुओं के शव नर्सरी लाए गए जहां वरिष्ठ अधिकारियों की मौजूदगी में उनका पीएम किया गया और पीएम उपरान्त शवों का अंतिम संस्कार किया गया।

बिजली विभाग की लापरवाही से लोगों में रोष

भालुओं की करेंट की चपेट में आने से मौत के बाद लोगों में रोष का माहौल है। ग्रामीणों का आरोप है कि जंगल क्षेत्र से गुजरने वाली विद्युत लाइनों की नियमित निगरानी और रखरखाव नहीं किया जाता। कई बार तार झूलने और खंभों की खराब स्थिति की जानकारी संबंधित विभाग को दी गई थी लेकिन समय रहते सुधार कार्य नहीं किया गया। हाईटेंशन तार की चपेट में आकर अक्सर वन्य जीवों की मौत होती रहती है लेकिन विद्युत विभाग इसे गंभीरता से नहीं लेता है।

पीएम ने किए 47600 करोड़ के प्रोजेक्ट्स लॉन्च

नई दिल्ली। पीएम मोदी ओडिशा में भाजपा सरकार के दो साल पूरे होने पर आयोजित 'विकास रा धारा, ओडिशा सारा' कार्यक्रम में शामिल हुए। राज्य के मयूरभंज जिले के रायरंगपुर में उन्होंने करीब 47 हजार करोड़ की विकास परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास किया। कार्यक्रम में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू और मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी भी मौजूद रहे। राष्ट्रपति मुर्मू का आज 68वां जन्मदिन है। प्रधानमंत्री ने राष्ट्रपति के जन्मदिन पर उन्हें शुभकामनाएं देते हुए कहा कि उन्होंने सिर्फ मयूरभंज ही नहीं, बल्कि पूरे ओडिशा की पहचान को मजबूत किया है।

HMS घमंडी - दर्द का दुश्मन 25 दर्द की एक दवा
सिर दर्द, कमर दर्द, पसली दर्द या किसी भी अंग के आकस्मिक दर्द पर, दांत-दाढ़ के दर्द पर, चोट, मोच, सूजन पर, सर्दी- जुकाम पर, खांसी व श्वास (दमा) पर, न्यूमोनिया पर, गांठ (मांस की गांठ पड़ जाने पर), गिल्सी पर, टांसिल बढ़ने पर, कुलंग वात (सायटिका) पर, गठिया वात पर, चिकनगुनिया के दर्द पर, पेट फूलने पर, पेट दर्द व गैस पर, ताजे घाव का खून बंद करने के लिए, पके घाव के चारों और सूजन पर, खाज-खुजली पर, उठती हुई फुड़िया, बिस्कुटी आदि पर, खुर्रा पर, बिबाई फटने पर, बर्र काटने पर, बिच्छू काटने पर, थकावट पर असरकारक है।
गैस आउट सिरप
गैस, अरुचि, कब्ज़, अफरा, अपचन में तुरंत असरकारक नैचुरल आयुर्वेदिक है
सुगर के मरीज भी ले सकते हैं...
HMS देखकर खरीदें एक बार उपयोग कर देखें 94060-21769

हरिभूमि HEALTH CARE छत्तीसगढ़ के मेडिकल विशेषज्ञ

डायबिटिज मधुमेह का सर्वोत्तम इलाज - अब दिल्ली, मुंबई, चेन्नई क्यू जाना
मधुमीत डायबिटिज हॉस्पिटल | डॉ राका शिवहरे MBBS, MD FNIC FIPA | भर्ती सुविधा उपलब्ध
Ecg, Echo, Tmt, Doppler, Carotid, Doppler, Insulin, Pump, Cgms, Homa IR
शिव मंदिर चौक, अवंति विहार, रायपुर, मो. 8269885003, मो. 7389485756

डॉ. राठौर चेस्ट क्लिनिक
दमा, टी.बी., छाती एवं एलर्जी रोग विशेषज्ञ
सुविधाएं: पी.एफ.टी., ब्रांकोस्कोपी, स्लीप स्टडी
स्पेशलिस्ट: खांसी, श्वांस, दमा, टी.बी., निमोनिया, एलर्जी फेफड़े का कैंसर, खर्राटे व नींद
समय दोपहर 2.00 बजे से शाम 7.00 बजे तक (रविवार अवकाश)
गरचा कॉम्प्लेक्स, कचहरी चौक, जेल रोड, रायपुर मो. 7999450384, 7042974029

AB आई हॉस्पिटल
आयुष्मान कार्ड एवं इंश्योरेंस सुविधा उपलब्ध
लेज़र मोतियाबिंद ऑपरेशन किफायती दरों में
पता : - 119/A सेक्टर - 3, गीतांजली नगर, रायपुर | मो.: 8815096478

डायबिटिक क्लीनिक
डायबिटीज / शुगर संबंधी सभी समस्याएं, थायराइड, मोटापा, प्रेग्नेंसी डायबिटिस, फुलबॉडी चेकअप, डायबिटिक सेक्स रोग, नसों की सुन्नता।
Dr. Satyajeet Sahu Advance Dibetes & Thyroid care centre
Diabetic Clinic
Appointments No. 7724035770 9329004557 9303724304
17, गुरूकुल कॉम्पलेक्स, कालीबाड़ी रायपुर, समय - सुबह 10 से 5, शाम 6 से रात 9 बजे तक

Skin Care डॉ. नरेन्द्र अग्रवाल
चर्म एवं गुप्त रोग विशेषज्ञ
सुविधाएं • लेजर हेयर रिमूवल • कैमिकल पीलिंग • हाइड्रोफेशियल • रेडियोफ्रिक्वेंसी • कार्बन फेशियल • एलर्जी टेस्ट
रविवार अवकाश
क्लीनिक : छत्तीसगढ़ कॉलेज के सामने, सिविल लाईन, बैरनबाजार, रायपुर (छ.ग.) समय : सुबह 10:00 से 2:00 बजे तक
सिटी कोतवाली के पास, छोटापारा रोड, रायपुर (छ.ग.) शाम 5:00 से 8:30 बजे तक, फोन : 0771-2546760, 9300323131

सभी प्रकार के स्किन एवं बाल संबंधी समस्याओं का निदान, मुंहासे, झांई, झुर्रियों का इलाज, अनचाहे बालों हेतु लेजर ट्रीटमेंट
सिंघानिया स्किन केयर
36, प्रथम तल, गुरूकुल कॉम्प्लेक्स कालीबाड़ी, रायपुर 0771-4053311
Email:bsinghania111@yahoo.co.in
Makeover Skin, Hair & Aesthetic Cente
रानी सती मंदिर के पास, केनाल लिंकिंग रोड, रवीनगर, राजातालाब, रायपुर
मो. 94252-14479 0771-4020411
www.makeoverraipur.com
त्वचा व बाल संबंधी समस्याओं का इलाज

कान, नाक, गला, एलर्जी एवं वर्टिगो (चक्कर) कोअब्लेशन एवं लेजर सर्जरी हॉस्पिटल
डॉ. जाऊलकर ई.एन.टी. हॉस्पिटल
सेन्ट्रल एवेन्यू चौबे कालोनी प्रगति कॉलेज रायपुर (छ.ग.) (ISO 9001-2000 Certified)
फोन: 0771-4044551 समय: सुबह 9.30 से 4.30 तक

डॉ. मनोज अग्रवाला
स्किन क्लिनिक
एमडी (सीएमसी वेल्लोर) (गोल्ड मेडलिस्ट)
सेवाएं • मुहासें • सोरासिस • स्किन एलर्जी • पिगमेंटेशन • विटिलियो / ल्यूकोडरमा • पीआरपी थेरेपी • एलोपेसिया • अर्टीकेरिया • फंगल इंफेक्शन • टेली कंसल्टेशन • लेजर थेरेपी
चौबे कॉलोनी, रायपुर (छत्तीसगढ़) 0771-4003777, 77778-76292

उपलब्ध विशेषताएं
• लेप्रोस्कोपिक एवं जनरल सर्जरी
• जनरल मेडीसीन • ऑर्थोपेडिक्स
• जोड़ प्रत्यारोपण सर्जरी
• ऑन्कोलॉजी (सर्जिकल)
• गायनेकोलॉजी
अग्रवाल हॉस्पिटल
(मल्टीस्पेशियेलिटी सेन्टर)
जी.ई.रोड, आर.के.सी. कॉम्पलेक्स के सामने, रायपुर (छ.ग. 492001)
फोन: +91-0771-4088107/108, ईमरजेंसी नंबर 9109187755, डॉ. सजन अग्रवाल - 9329101037
लेप्रोस्कोपिक सर्जरी में सभी प्रकार की हार्निया, अपेन्डिक्स, पित की थैली, बच्चादानी आदि से संबंधित ऑपरेशन सभी तरह की कैंसर सर्जरी एवं कीमोथेरेपी की सुविधा उपलब्ध
OPD समय - शाम 4 से 6 बजे

अष्टविनायक हॉस्पिटल
बच्चों एवं महिलाओं का अस्पताल
» प्रसूति » नवजात » शिशु रोग » बांझपन » सोनोग्राफी » आयुष्मान कार्ड » बच्चों एवं बडों के आपरेशन » अनुभवी डॉक्टर्स प्रतिदिन
आमा सिवनी, विधानसभा रोड, रायपुर (छ.ग.), 9826182221 9301744425

सुविधाएं: मेडिसिन, पॉलीट्रामा, बर्न एण्ड प्लास्टिक लप्रोस्कोपिक सर्जरी, जनरल सर्जरी, स्पाईन एण्ड न्यूरो सर्जरी, आर्थो, कैंसर (कीमोथैरेपी व सर्जरी), स्त्री रोग, जोड़ प्रत्यारोपण
पाल जी स्वास्तिक नर्सिंग होम
बर्न एण्ड पॉलीट्रामा सेंटर मल्टी स्पेशलिटी हॉस्पिटल
(आयुष्मान भारत स्कीम के तहत नि:शुल्क ईलाज की सुविधा उपलब्ध)
श्यामनगर जल विहार कॉलोनी पानी टंकी के पास तेलीबांधा मरीन ड्राइव के पीछे
मो. 7991031330 मो. 0771-4347172

विज्ञापन हेतु संपर्क करें:- 7987119756, 9303508130

रायपुर, रविवार 21 जून 2026 ज्येष्ठ शुक्ल पक्ष सप्तमी। वर्ष : 24, अंक: 331 । पृष्ठ : 14+4 +4 = 22 मूल्य: 5.00** haribhoomi.com

हरिभूमि

छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

सड़क हादसे में जख्मी होने के बाद खुद ठीक हुए, अब दूसरों को बना रहे निरोग

सेवानिवृत शिक्षक छगनलाल सोनवानी योग गुरु बनकर सिखा रहे तंदरुस्त रहने का मंत्र

किसी के हाथ कांपते थे, कोई बैठ नहीं पाता था, किसी को बोलने में दिक्कत थी, योग ने हर ली हर दिक्कत

योग की ताकत जताती कहानियां...आटिज्म, दिव्यांगता और बीमारियों को खत्म कर लिया

किसी के हाथ कांपते थे, कोई दो मिनट भी एक जगह नहीं बैठ पाता था। किसी को चलने-फिरने में कठिनाई थी, तो किसी का शरीर एक बड़े हादसे के बाद जवाब दे चुका था। लेकिन इन लोगों ने अपनी परिस्थितियों के आगे घुटने नहीं टेके। उन्होंने योग को सहारा बनाया और धीरे-धीरे वही शरीर, जो कभी उनकी सबसे बड़ी चुनौती था, उनकी सबसे बड़ी ताकत बन गया। अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पर प्रस्तुत हैं ऐसे प्रेरक चेहरे, जिन्होंने ऑटिज्म, दिव्यांगता, बीमारी और शारीरिक सीमाओं को अपनी पहचान नहीं बनने दिया। नियमित योग, प्राणायाम और अटूट संकल्प के बल पर उन्होंने न केवल अपने जीवन को बदला, बल्कि समाज के लिए भी उम्मीद और आत्मविश्वास की मिसाल बन गए। उनकी कहानियाँ बताती हैं कि योग केवल शरीर को साधने का अभ्यास नहीं, बल्कि जीवन को नई दिशा देने वाली साधना है।

योग से संवर रही ऑटिज्म बच्चों की जिंदगी, कभी एक जगह बैठना भी था मुश्किल, वे अब कर रहे कपालभाति

ललित राठोड़ ▶▶| रायपुर

रायपुर के सप्रे स्कूल में राज्य बाल कल्याण परिषद द्वारा संचालित विशेष विद्यालय में योग की असली ताकत देखने को मिल रही है। यहां ऑटिज्म, एडीएचडी और अन्य अक्षमताओं वाले बच्चे योग के जरिए स्वस्थ जिंदगी गढ़ रहे हैं। जिन स्पेशल बच्चों के लिए कभी अपने शरीर और चंचलता पर नियंत्रण पाना सबसे बड़ी चुनौती थी, आज वे योग के बल ▶▶शेष पेज 5 पर

5 महीने के योग से रोहन के हाथ-पैरों का कंपन हुआ कम

विद्यालय के 10 वर्षीय छात्र रोहन ने योग से खुद को बेहतर बनाया है। जब रोहन पहली बार विशेष विद्यालय आया था, तब ऑटिज्म और अत्यधिक चंचलता के कारण उसका एक जगह पर दो मिनट शांति से बैठना भी किसी बड़ी चुनौती से कम नहीं था। उसके हाथ-पैरों में लगातार कंपन रहता था। जब रोहन को पहली बार योग सत्र में ले जाया गया, ▶▶शेष पेज 5 पर

> योग शरीर की सीमाओं का नहीं आत्मा की संभावनाओं का उत्सव है

विकास शर्मा ▶▶| रायपुर

बड़े सड़क हादसे में गंभीर रूप से जख्मी होने के बाद इलाज के दौरान शिक्षक छगनलाल सोनवानी ने योग को अपनाया। स्वस्थ होने के बाद भोपाल में तीन महीने के प्रशिक्षण के दौरान शिक्षकों से गुरु दक्षिणा के रूप में लिए गए संकल्प को पूरा करने स्वंय योग गुरू बन गए। राज्य में विभिन्न शिविरों के माध्यम से तंदरुस्त रहने का मंत्र लोगों के दे रहे हैं।

उन्होंने बताया कि 1991 में वे बड़े सड़क हादसे का शिकार हो गए थे। गंभीर रूप से घायल होने के बाद उन्हें स्वस्थ होने के लिए 2 साल लगे। चोटों को ठीक करने के लिए उन्हें की अस्पतालों के चक्कर लगाने पड़ रहे थे। इस दौरान मेकाहारा के डाक्टर ने उन्हें दवा छोड़कर अपनी समस्या के समाधान के लिए योग करने की सलाह दी थी। वे कमर में पट्टी बांधकर अपनी ड्यूटी पर जाते थे। इसी दौरान भोपाल में होने वाले शासकीय योग प्रशिक्षण शिविर में जाने का उन्हें मौका मिला। करीब तीन महीने के प्रशिक्षण के बाद शरीर में होने वाले असहनीय पीड़ा से उन्हें मुक्ति मिल गई। शारीरिक समस्याओं से छुटकारा के दौरान योग के प्रति उनका आकर्षण बढ़ चुका था। ▶▶शेष पेज 5 पर

योग प्राणायाम से बदली दिव्यांग दम्पत्ति की जिंदगी

हफीज खान/राजनांदगांव। नियमित योगाभ्यास और प्राणायाम के माध्यम से जीवन में सकारात्मक परिवर्तन लाने डोंगरगढ़ निवासी दिव्यांग ऋषि मिश्रा ने आज से लगभग 10-12 वर्ष पहले योग को अपने जीवन में अपनाना शुरू किया। इसके बाद कुछ ही वर्षों में उन्हें बेहतर स्वास्थ्यगत परिणाम मिलने लगे। जिससे उन्होंने योग करना नहीं छोड़ा और आज लोगों को भी योग करने जागरूक कर रहे हैं। लगभग 80 प्रतिशत अस्थि ▶▶शेष पेज 5 पर

कभी नहीं हुआ बैक पैन, घुटनों की दर्द से भी राहत

ग्रामीण विकास बैंक के सेवानिवृत ब्रांच मैनेजर अनूप सोनी ने बताया कि बढ़ती उम्र के साथ उन्हें बैक पेन और घुटनों में दर्द की समस्या होने लगी थी। इसके लिए उन्होंने विभिन्न पैथी की दवाएं ली मगर ज्यादा आराम नहीं मिला। दर्द जीवन का हिस्सा बनने लगा था और दवा खाना नियमित दिनचर्या में शामिल हो गया था। उन्होंने बताया कि वे ▶▶शेष पेज 5 पर

योग से पूरे शरीर में आई नई जान और अब जी रहे एक बेहतर जिंदगी

कोमा और लकवे को मात देकर बदली अपनी तकदीर

विनोद नामदेव ▶▶| गंडई पंडरिया

योग की शक्ति और दृढ़ संकल्प का एक अद्भुत उदाहरण गंडई के शुकुमार गेडाम के रूप में सामने आया है। कभी एक कामयाब व्यापारी रहे 53 वर्षीय शुकुमार गेडाम ने योग के सहारे सड़क दुर्घटना से शरीर में आए कोमा और लकवे जैसी गंभीर स्थितियों को परास्त कर एक नया जीवन प्राप्त किया है। वर्ष 2009 शुकुमार गेडाम के जीवन का सबसे कठिन पड़ाव बनकर आया। राजनांदगांव से लौटते समय हुए एक भीषण सड़क हादसे ने उनका जीवन पूरी तरह बदल दिया। इस दुर्घटना के बाद वे सात महीने तक कोमा में रहे और उनकी याददाश्त पूरी तरह चली गई थी। हादसे का प्रभाव इतना गहरा था कि उनके शरीर का दाहिना हिस्सा पूरी तरह लकवाग्रस्त हो गया था। उस समय उनकी स्थिति ऐसी थी कि उन्हें पहचानना तक मुश्किल था। उनका शरीर पूरी तरह जाम हो चुका था, जिसके कारण एक किलोमीटर की दूरी तय करने में उन्हें एक से दो घंटे का समय लग जाता था। ऐसे निराशाजनक समय में संदीप आर्य से उनकी मुलाकात उनके जीवन का टर्निंग पॉइंट साबित हुई। संदीप आर्य ने उन्हें योग के माध्यम से स्वस्थ होने की सलाह दी और उनके मार्गदर्शन में शुकुमार गेडाम ने योग का अभ्यास शुरू किया।

व्हीलचेयर पर बैठकर योग ने दी बुलंद हौसलों की उड़ान

गोरेलाल सिन्हा ▶▶| गरियाबंद

शरीर भले ही साथ न दे लेकिन अगर मन मजबूत हो और हौसले बुलंद हों तो कोई भी बाधा मंजिल तक पहुंचने से नहीं रोक सकती। इसका जीवंत उदाहरण हैं फिंगेश्वर विकासखंड के ग्राम बोरसी की कल्पना भोसले जो दोनों पैरों से 80 प्रतिशत अस्थिबाधित दिव्यांग होने के बावजूद आज आत्मनिर्भरता शिक्षा और योग के माध्यम से समाज में नई मिसाल कायम कर रही हैं।

व्हीलचेयर पर जीवन जीने वाली कल्पना भोसले के सपनों की उड़ान कभी सीमित नहीं हुई। उन्होंने न केवल आर्थिक रूप से खुद को मजबूत बनाया बल्कि सैकड़ों बच्चों के जीवन में शिक्षा की रोशनी भी पहुंचा रही हैं। अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर उनकी कहानी इस बात का संदेश देती है कि योग केवल शरीर को स्वस्थ रखने का माध्यम नहीं बल्कि आत्मविश्वास और सकारात्मक सोच का भी आधार है।

मिट्टी से उठकर हजारों बच्चों के प्रेरणास्रोत बने संजय बंजारे

हेमेश चेरियन ▶▶| संडी बंगला

सफलता केवल संसाधनों की मोहताज नहीं होती, बल्कि वह व्यक्ति के संकल्प, मेहनत और संघर्ष से तय होती है। बलौदाबाजार जिले के पलारी विकासखंड अंतर्गत ग्राम बलौदी निवासी योग एवं मार्शल आर्ट प्रशिक्षक संजय बंजारे की कहानी इसी सत्य का उदाहरण है। आर्थिक अभावों और कठिन परिस्थितियों में पले-बढ़े संजय आज जिले के हजारों बच्चों के लिए प्रेरणास्रोत बन चुके हैं और योग व आत्मरक्षा प्रशिक्षण के क्षेत्र में एक सम्मानित पहचान स्थापित कर चुके हैं। 10 मई 1996 को जन्मे संजय बंजारे के पिता दुलरवा बंजारे और माता बुगाला बंजारे दिहाड़ी मजदूर थे। परिवार की आजीविका ईंट-भट्ठों और मजदूरी पर निर्भर थी। सीमित संसाधनों ▶▶शेष पेज 5 पर

योग को अपनाकर बीपी और शुगर को दी मात

चैतेन्द्र तिवारी ▶▶| खैरागढ़

कोरोना काल के दौरान एक ओर जहॉ लोग अंग्रेजी दवाइयों के भरोसे जीवन की डोर थामे हुए थे वही दूसरी ओर महज 38 साल की उम्र में उच्च रक्तचाप और शूगर की गंभीर समस्या से पीड़ित अमलीपारा निवासी कमलेश रंगलानी ने अंग्रेजी दवाइयों से किनारा कर योग का रास्ता अपनाया। पतंजलि योग पीठ हरिद्वार से योग सीखकर लौटे गौतम सोनी से उनका संपर्क हुआ। उनके साथ पहले ध्यान, प्राणायाम और सामान्य योग आसन की मुद्राए सीखने के बाद उसे अपनी ▶▶शेष पेज 5 पर

50 हजार से अधिक लोगों को सिखा चुके हैं लेखू बाबा

महेश मिश्रा ▶▶| कवर्धा

अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पर कबीरधाम जिले के उन लोगों की चर्चा स्वाभाविक है जिन्होंने योग को केवल व्यक्तिगत साधना तक सीमित न रखकर समाज के स्वास्थ्य अभियान का माध्यम बनाया। ऐसे ही योग साधकों में योगाचार्य लेखराम चंद्रवंशी, जिन्हें लोग स्नेहपूर्वक "लेखू बाबा" के नाम से जानते हैं, प्रमुख हैं। पिछले डेढ़ दशक से वे जिले सहित प्रदेश के विभिन्न हिस्सों में निःशुल्क योग प्रशिक्षण देकर लोगों को स्वस्थ जीवनशैली के लिए प्रेरित कर रहे हैं। पंडरिया विकासखंड के ग्राम सोढ़ा में किसान परिवार में जन्मे लेखराम चंद्रवंशी ने प्रारंभिक शिक्षा गांव में प्राप्त की। वर्ष 2000 में उच्च शिक्षा के लिए कवर्धा आए। कॉलेज अध्ययन के दौरान ▶▶शेष पेज 5 पर

दिव्यांग तोरण ने साबित किया...हौसलों के आगे शारीरिक बाधा भी हार जाती है

रत्मेश सोनी ▶▶| महासमुंद

दिव्यांगता को अपनी कमजोरी की बजाय ताकत बनाकर योग के क्षेत्र में उपलब्धि अर्जित करने वाले तोरण यादव आज लोदगों के लिए प्रेरणास्त्रोत हैं। जिला मुख्यालय के समीपस्थ ग्राम खट्टी के निवासी तोरण जन्म से अस्थिबाधित है। जिसने अपनी मेहनत और लगन से राष्ट्रीय ही नहीं, बल्कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी पहचान बनाई है। जिले के एक साधारण परिवार से आने वाले तोरण यादव पिता डेरहा यादव को बचपन से ही शारीरिक चुनौतियों का सामना करना पड़ा।

ऑनलाइन योग अभ्यास सत्र के माध्यम से गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाने का प्रयास

राज्यपाल रायपुर और सीएम सरगुजा में करेंगे योग

रायपुर। छत्तीसगढ़ में अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर भव्य आयोजन किया किया जा रहा है। योग दिवस की थीम "स्वस्थ आयु के लिए योग" है। राज्यपाल रमेन डेका के मुख्य आतिथ्य में 21 जून को राजधानी रायपुर में अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के मौके पर सामूहिक योगाभ्यास का कार्यक्रम आयोजित होगा। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के मुख्य आतिथ्य में अंबिकापुर स्थित पीजी कॉलेज ग्राउंड में राज्य स्तरीय सामूहिक योगाभ्यास कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा। ▶▶शेष पेज 5 पर

योग से जीती जिंदगी की जंग: दिव्यांग शिक्षक बने सैकड़ों बच्चों के लिए प्रेरणा

प्रतीक मिश्रा ▶▶| रायगढ़

जिस दिव्यांगता को लोग अक्सर कमजोरी समझ कर बैठ जाते हैं, उसी को ग्राम पंचायत धनागर में पदस्थ शिक्षक अंजय कुमार सूर्यवंशी ने अपनी ताकत बना लिया। पिछले 15 वर्षों से योग साधना और नियमित व्यायाम के जरिए वे न केवल खुद को शारीरिक और मानसिक रूप से मजबूत बना रहे हैं, बल्कि विद्यार्थियों के जीवन में भी स्वास्थ्य और सकारात्मकता के संस्कार बो रहे हैं। योग दिवस पर उनकी कहानी इस बात का जीवंत उदाहरण है कि शरीर की सीमाएं इंसान को नहीं रोकतीं, उसे रोकती है केवल ▶▶शेष पेज 5 पर

एक हजार को किया स्वस्थ

अतुल अग्रवाल/ दुर्ग। दुर्ग सहित प्रदेश में योग के क्षेत्र में डॉ. जगदीश दिल्लीवार आज जाना-पहचाना नाम है। वे लोगों को निरोगी रखने के लिए लगातार प्रयासरत हैं। पिछले करीब 32 सालों से हर दिन सुबह 5 बजे से सुबह 7.15 बजे लोगों को योग सिखा रहे हैं। अपनी निस्वार्थ सेवा के लिए डॉ. दिल्लीवार छत्तीसगढ़ शासन से सम्मानित भी हो चुके हैं। पिछले करीब 32 सालों में उन्होंने प्रदेश के करीब 5 हजार शिक्षकों को प्रशिक्षित किया है। इतना ही नहीं 50 हजार से ज्यादा स्कूली बच्चों को भी उन्होंने योग सिखाया है। हरिभूमि से विशेष बातचीत में उन्होंने बताया कि योग हर बीमारी का इलाज है। ▶▶शेष पेज 5 पर

राहुल आएंगे जिलाध्यक्षों को देंगे मंत्र

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

छत्तीसगढ़ प्रदेश कांग्रेस द्वारा संगठन सृजन अभियान के तहत नियुक्त 41 जिला कांग्रेस अध्यक्षों की ट्रेनिंग शिविर में अपनी उपस्थिति दर्ज कराई। जिलाध्यक्षों को प्रशिक्षण देने 24 एआईसीसी के पदाधिकारी यहां पहुंच चुके हैं। अभनपुर के निजी रिसार्ट में आयोजित प्रशिक्षण शिविर में कुल 80 लोग मौजूद रहेंगे। बताया गया है कि सभी जिलाध्यक्षों को दस दिन तक यहां प्रशिक्षण दिया जाएगा। कांग्रेस पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी रविवार को दोपहर 2.45 बजे पहुंचकर सभी जिलाध्यक्षों को संबोधित करेंगे। वे यहां पर तीन घंटे जिलाघ्यक्षों से विभिन्न मुद्दों पर चर्चा करेंगे। जिला अध्यक्षों को संगठन को मजबूत बनाने का मंत्र देंगे। छत्तीसगढ़ कांग्रेस के नवनियुक्त जिलाध्यक्षों का 10 दिवसीय ▶▶शेष पेज 5 पर

सचिन पायलट सहित एआईसीसी के 24 पदाधिकारी पहुंचे

राहुल 3 घंटे करेंगे चर्चा

एआईसीसी से जारी शेड्यूल के अनुसार राहुल गांधी 21 जून को दोपहर दो बजे रायपुर एयरपोर्ट पहुंचेंगे। 2:45 बजे सड़क मार्ग से सीधे अभनपुर स्थित प्रशिक्षण स्थल के लिए रवाना होंगे। शाम 5:30 बजे तक जिला अध्यक्षों को संगठन, फील्ड विजिट और सामाजिक-राजनैतिक एक्टिविटी पर ट्रेनिंग देंगे। वे यहां पर पदाधिकारियों से विभिन्न मुद्दे पर चर्चा करेंगे। वे 6:40 बजे दिल्ली रवाना हो जाएंगे।

इन विषयों पर प्रशिक्षण

प्रशिक्षण को अनुशासन और नेतृत्व विकास से जोड़ते हुए इसकी शुरुआत झंडावंदन किया जाएगा, प्रतिभागियों को योग, व्यक्तित्व विकास से जुड़े सत्रों में भी शामिल होंगे। प्रशिक्षण के दौरान विषय विशेषज्ञ संगठन प्रबंधन, जनसंपर्क, मीडिया हैंडलिंग और राजनीतिक रणनीति पर प्रशिक्षण देंगे। शिविर में हर जिले की राजनीतिक परिस्थितियों, संगठन की मजबूती-कमजोरी, आगामी चुनावी चुनौतियों और स्थानीय मुद्दों ▶▶शेष पेज 5 पर

प्रदेश से जुड़े मुद्दों पर होगी बात : पायलट

रायपुर में जिलाध्यक्षों के प्रशिक्षण को लेकर प्रदेश प्रभारी सचिन पायलट ने बताया कि हर राज्य में इस तरह के प्रशिक्षण कार्यक्रम किए जा रहे हैं और इसी कड़ी में छत्तीसगढ़ में भी प्रशिक्षण शिविर लगाया गया है। ▶▶शेष पेज 5 पर

फादर्स-डे पर विशेष

खुद अंधेरे में हैं संतोष, लेकिन बने सैकड़ों नेत्रहीन बच्चों की आंखें

रविकांत सिंह राजपूत। जब भी कोई पूछता है कि 'पिता कौन होता है?, तो अमूमन जवाब मिलता है वह जो बच्चों को जन्म देता है और उनका पालन-पोषण करता है। लेकिन के मनेन्द्रगढ़ में रहने वाले शिक्षक संतोष चिढोकर ने इस परिभाषा को बदल दिया है। संतोष खुद देख नहीं सकते, लेकिन वे मनेन्द्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर जिले सहित कई क्षेत्रों के सैकड़ों नेत्रहीन और दिव्यांग बच्चों के जीवन में रोशनी बिखेर रहे हैं। पेशे से वे शिक्षक हैं, मगर बच्चों के लिए वे गुरु से बढ़कर एक 'पिता' की भूमिका निभा रहे हैं। संतोष चिढोकर जैसे लोग समाज के लिए वो कड़ियां हैं जो हमें यह विश्वास दिलाती हैं कि इंसानियत और निस्वार्थ प्रेम आज भी जिंदा है। खुद की आंखों में रोशनी न होने के ▶▶शेष पेज 5 पर

नेत्रहीन चिढोकर कहते हैं-मेरे अपने दो हैं, पर स्कूल का हर बच्चा खून से बढ़कर

2 अपने, पर 100 से ज्यादा बच्चों का जिम्मा

संतोष के अपने दो बच्चे हैं, जिनकी वे अच्छी परवरिश कर रहे हैं। लेकिन वे बताते हैं कि स्कूल में आने वाला हर दिव्यांग बच्चा मेरे लिए मेरे अपने खून से बढ़कर है। संतोष ने कभी अपनी आंखों की रोशनी न होने का रोना नहीं रोया। उन्होंने इसे अपनी ताकत बनाया ताकि वे दूसरे बच्चों को इस दर्द से उबार सके। संतोष बच्चों की सिर्फ पढ़ाई ही नहीं देखते, बल्कि हॉस्टल से लेकर उनके खाने-पीने, उनकी मानसिक स्थिति और उनके भविष्य की चिंता बिल्कुल एक पिता की तरह करते हैं।

कहानी बैतूल से मनेन्द्रगढ़ तक की: खुद की आंखें नहीं पर सैकड़ों को दिखाई राह

मूल रूप से मध्य प्रदेश के बैतूल जिले के रहने वाले संतोष चिढोकर स्वयं नेत्रहीन हैं। उन्होंने अपनी आंखों से दुनिया का कोई रंग नहीं देखा, लेकिन उनके इरादे और हौसले इतने मजबूत थे कि उन्होंने दिव्यांगता को कभी अपने आड़े नहीं आने दिया। वे मनेन्द्रगढ़ आए और विशेष आवश्यकता वाले नेत्रहीन व दिव्यांग बच्चों को पढ़ाने की कमान संभाली। आज वे सैकड़ों बच्चों को ब्रेल लिपि और अन्य माध्यमों से न सिर्फ शिक्षा दे रहे हैं, बल्कि उन्हें समाज में सिर उठाकर जीना भी सिखा रहे हैं।

देश की राजनीति में उठापटक का दौर जारी है। आज के राजनीतिक परिदृश्य में 'दलबदल' एक ऐसा संक्रामक रोग बन चुका है, जिसने लोकतांत्रिक नैतिकता को हाशिए पर धकेल दिया है। विचारधारा, जो कभी राजनीति का दिशा-सूचक यंत्र हुआ करती थी, अब एक ऐसा आवरण बन गई है जिसे सत्ता की सुविधानुसार कभी भी ओढ़ा और उतारा जा सकता है। 'आया राम, गया राम' की संस्कृति से शुरू हुआ यह सफर आज थोक में दलबदल करने के आधुनिक 'रिसॉर्ट पॉलिटिक्स' तक पहुंच चुका है। दल-बदल विरोधी कानून (एंटी-डिफेक्शन लॉ), जो इसी बुराई को रोकने के लिए लाया गया था, आज के चतुर राजनेताओं ने उसकी भी कानूनी काट ढूंढ़ ली है। यह स्थिति बेहद निराश करने वाली है। इसके सभी प्रावधानों पर पुनर्विचार की भी जरूरत है और कुछ कठोर व अलोकप्रिय निर्णय की भी शिद्दत से दरकार है। आम जनता दलबदलू नेताओं को मतदान के माध्यम से यह कड़ा अहसास करा देगी कि वैचारिक निष्ठा से किया गया कोई भी समझौता उनके राजनीतिक अस्तित्व को समाप्त कर सकता है, केवल तभी इस अनैतिक खेल पर स्थायी विराम लगेगा। अब ज्वलंत प्रश्न यह है कि इस दोहरी धारणा और अवसरवाद का यह नंगा खेल आखिर कब तक चलेगा? ***इन्हीं हालातों की पड़ताल करता आजकल का यह खास अंक...***

दलबदल कानून पर पुनर्विचार की दरकार

विश्लेषण

डॉ. चन्द्र त्रिखा

वरिष्ठ स्तंभकार

भारतीय राजनीति के इतिहास में 1960 और 70 के दशक को राजनीतिक अस्थिरता और अवसरवादिता के एक बेहद चिंताजनक दौर के रूप में याद किया जाता है। इसी राजनीतिक अनैतिकता पर अंकुश लगाने और चुनी हुई सरकारों को स्थिरता प्रदान करने के महान उद्देश्य से वर्ष 1985 में संविधान के 92वें संशोधन के माध्यम से दसवीं अनुसूची जोड़ी गई, जिसे आम बोलचाल में 'दलबदल विरोधी कानून' कहा जाता है। इसका मुख्य लक्ष्य विधायकों और सांसदों को व्यक्तिगत लाभ या मंत्री पद के लालच में अपनी पार्टी बदलने से रोकना था। अगर हम पिछले कुछ वर्षों के राजनीतिक घटनाक्रमों और सत्ता परिवर्तन के खेल पर गहराई से नज़र डालें, तो यह स्पष्ट हो जाता है कि हमारे चतुर राजनेताओं ने इस कानून की अचूक काट खोज ली है।

वैसे नैतिकता की चर्चा अब किसी भी क्षेत्र में बेमानी और अप्रासंगिक है, लेकिन हाल ही की राजनीतिक उठापटक बेहद निराश करती है। इसके सभी प्रावधानों पर पुनर्विचार की भी जरूरत है और कुछ कठोर व अलोकप्रिय निर्णय भी दरकार हैं। भारतीय राजनीति के इतिहास में उन्नीस सौ साठ और सत्तर के दशक को राजनीतिक अस्थिरता और अवसरवादिता के एक बेहद चिंताजनक दौर के रूप में याद किया जाता है। इसी राजनीतिक अनैतिकता पर अंकुश लगाने और चुनी हुई सरकारों को स्थिरता प्रदान करने के महान उद्देश्य से वर्ष उन्नीस सौ पच्चासी में संविधान के बावनवें संशोधन के माध्यम से दसवीं अनुसूची जोड़ी गई, जिसे आम बोलचाल में 'दलबदल विरोधी कानून' कहा जाता है। इसका मुख्य लक्ष्य विधायकों और सांसदों को व्यक्तिगत लाभ या मंत्री पद के लालच में अपनी पार्टी बदलने से रोकना था। अगर हम पिछले कुछ वर्षों के राजनीतिक घटनाक्रमों और सत्ता परिवर्तन के खेल पर गहराई से नज़र डालें, तो यह स्पष्ट हो जाता है कि हमारे चतुर राजनेताओं ने इस कानून की अचूक काट खोज ली है।

यह कानून मूल रूप से 'फुटकर' यानी एक या दो विधायकों के दलबदल को तो सख्ती से रोकता है, लेकिन 'थोक' दलबदल को एक तरह से कानूनी और संवैधानिक मान्यता दे देता है। कानून के वर्तमान प्रावधानों के अनुसार, यदि किसी राजनीतिक दल के दो-तिहाई सदस्य एक साथ टूटकर किसी अन्य दल में विलय करते हैं, तो उन पर दलबदल विरोधी कानून का चाबुक नहीं चलता। इसी 'विलय' के प्रावधान का अनुचित फायदा उठाकर कई राज्यों में रातों-रात पूरे के पूरे विधायक दल दूसरी पार्टी में शामिल हो गए और यह सख्त दिखने वाला कानून महज एक मूकदर्शक बना रहा।

खास बातें

- अयोग्यता का निर्णय लेने का अधिकार विधानसभा या लोकसभा अध्यक्ष से वापस लिया जाए क्योंकि उनका पद राजनीतिक दबावों से मुक्त नहीं होता।
- यह अधिकार चुनाव आयोग की बाध्यकारी सलाह पर सीधे राष्ट्रपति या राज्यपाल को दिया जाए, या 'दलबदल निरोधी न्यायाधिकरण' गठित हो

विस सदस्यता से इस्तीफा

हाल के वर्षों में भारतीय राजनीति में एक नया और अधिक चिंताजनक 'मॉडल' सामने आया है, जिसे 'इस्तीफा और पुनः चुनाव' का मॉडल कहा जा सकता है। इस राजनीतिक चाल के तहत सत्ता पक्ष के असंतुष्ट विधायक दलबदल करने के बजाय सीधे अपनी विधानसभा सदस्यता से ही इस्तीफा दे देते हैं। इससे सदन में बहुमत का जादुई आंकड़ा गिर जाता है और सत्तारूढ़ सरकार अल्पमत में आकर भरभरा कर गिर जाती है। इसके तुरंत बाद ये बागी विधायक दूसरी पार्टी के टिकट पर शान से उपचुनाव लड़कर वापस आ जाते हैं और अक्सर नई सरकार में महत्वपूर्ण मंत्री पद भी प्राप्त कर लेते हैं। हालिया राजनीतिक घटनाक्रम इस बात के ज्वलंत उदाहरण हैं कि कैसे इस कानून की मूल भावना और लोकतांत्रिक मर्यादाओं की खुलेआम धज्जियां उड़ाई गई हैं।

विस या लोस अध्यक्ष की भूमिका

इस कानून को कमजोर, निष्प्रभावी और काफी हद तक अप्रासंगिक बनाने में एक बहुत बड़ा और विवादास्पद योगदान विधानसभा या लोकसभा अध्यक्ष की भूमिका का भी रहा है। दलबदल कानून के तहत किसी भी सदस्य को अयोग्य घोषित करने का अंतिम और एकाधिकार पीठासीन अधिकारी यानी अध्यक्ष के पास सुरक्षित होता है। हमारी विधायिकाएं जो कि स्वतंत्र बहस, वैचारिक विमर्श और जन-आकांक्षाओं के जीवंत मंच होनी चाहिए थीं, वे अब केवल राजनीतिक दलों के संख्याबल का मूक प्रदर्शन करने की जगह बनकर रह गई हैं। इन तमाम गंभीर खामियों और दुरुपयोग के मामलों को देखते हुए यह कहना जल्दबाजी नहीं होगी कि यह कानून अपने वर्तमान स्वरूप में काफी हद तक अपर्याप्त और अक्षम साबित हो रहा है।

आया राम-गया राम

क्या इन कमियों के आधार पर इसे पूरी तरह से अप्रासंगिक मानकर रद्दी की टोकरी में डाल देना चाहिए? इसका उत्तर है-बिल्कुल नहीं। दलबदल कानून ने व्यक्तिगत स्तर पर होने वाली सौदेबाजी और 'आया राम-गया राम' की उस पुरानी, निर्लज्ज संस्कृति पर जरूर एक मजबूत लगाम लगाई है। यदि यह कानून बिल्कुल न हो, तो शायद हर दिन सरकारें गिरेंगी और बनेंगी, जिसका सीधा खामियाजा आम जनता को भुगतना पड़ेगा। दलबदल विरोधी कानून पर निश्चित रूप से एक समग्र और गंभीर पुनर्विचार की तत्काल आवश्यकता है, जिसके तहत कुछ बुनियादी और कड़े सुधार किए जाने चाहिए। सबसे पहला कदम यह होना चाहिए कि अयोग्यता का निर्णय लेने का अधिकार विधानसभा या लोकसभा अध्यक्ष से वापस ले लिया जाए, क्योंकि उनका पद अक्सर राजनीतिक दबावों से मुक्त नहीं होता। इसके बजाय, यह अधिकार चुनाव आयोग की बाध्यकारी सलाह पर सीधे राष्ट्रपति या राज्यपाल को दिया जाना चाहिए, या फिर इसके लिए एक स्वतंत्र और स्वायत्त 'दलबदल निरोधी न्यायाधिकरण' का गठन किया जाना चाहिए, जो अधिकतम तीन महीने के भीतर अपना अंतिम फैसला सुनाए।

कानून की कमियों को दूर करें

इस्तीफे के खेल को रोकने के लिए यह कड़ा प्रावधान होना चाहिए कि यदि कोई विधायक या सांसद दलबदल के इरादे से अपनी सदस्यता से इस्तीफा देता है या अयोग्य घोषित होता है, तो उस पर उस सदन के शेष कार्यकाल तक कोई भी चुनाव लड़ने और किसी भी सार्वजनिक या लाभ के पद को धारण करने पर सख्त और पूर्ण प्रतिबंध होना चाहिए। इसलिए अब वह समय आ गया है कि हमारी संसद, चुनाव आयोग और न्यायपालिका एकजुट होकर इस कानून की तमाम कमियों को दूर करें।

कांग्रेस पर भरोसा नहीं कर पा रहे क्षेत्रीय दल

असमंजस

डॉ. पवन कुमार शर्मा

वरिष्ठ पत्रकार

वर्तमान भारतीय राजनीति एक अत्यंत दिलचस्प और जटिल दौर से गुजर रही है। एक तरफ जहां केंद्र में बीजेपी का मजबूत और आक्रामक नेतृत्व है, वहीं दूसरी तरफ विपक्ष एकजुट होकर अपनी जमीन बचाने के संघर्ष में है। इस परिदृश्य में दो अहम सवाल राजनीति की समझ रखने वाले हर व्यक्ति को मथते हैं- पहला, क्या क्षेत्रीय दलों को 'दलबदल' या अपनी सरकारें गिरने के डर से बचने के लिए देश की सबसे पुरानी पार्टी कांग्रेस के साथ चले जाना चाहिए? दूसरा, तमाम मजबूत क्षेत्रीय क्षत्रप कांग्रेस के साथ पूरी तरह हाथ मिलाने से हिचकते क्यों हैं? इस कशमकश को एम. के. स्टालिन, नीतीश कुमार, अरविंद केजरीवाल और ममता बनर्जी के राजनीतिक दृष्टिकोण और उनके राज्यों के परिपेक्ष्य में बेहद बारीकी से समझा जा सकता है।

तमिलनाडु के मुख्यमंत्री और द्रमुक प्रमुख एम. के. स्टालिन का कांग्रेस के साथ रिश्ता वर्तमान राजनीति में सबसे सहज और स्थिर माना जाता है। इसका स्पष्ट कारण है कि तमिलनाडु की राजनीति में कांग्रेस बहुत पहले अपनी मुख्य भूमिका खो चुकी है। वहां सीधा मुकाबला द्रमुक और अन्नाद्रमुक के बीच रहता है। चूंकि कांग्रेस वहां द्रमुक के लिए कोई संगठनात्मक खतरा नहीं है, इसलिए स्टालिन को कांग्रेस को सीटें देने या उनके साथ मंच साझा करने में कोई हिचक नहीं होती। वहां के विधायकों में वैचारिक रूप से दलबदल कराना बेहद कठिन है। स्टालिन के लिए कांग्रेस के साथ जाना दलबदल से बचने की मजबूरी नहीं बल्कि राष्ट्रीय स्तर पर भाजपा विरोधी मोर्चे को मजबूत करने की एक सोची-समझी रणनीति है। बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री और जदयू नेता नीतीश कुमार भारतीय राजनीति में 'दलबदल' और 'पलटीमार' राजनीति के सबसे बड़े प्रतीक माने जाते हैं। नीतीश की सबसे बड़ी दुविधा यह है कि बिहार में कांग्रेस का पारंपरिक सहयोगी राष्ट्रीय जनता दल है। जब भी नीतीश कांग्रेस या 'इंडिया' गठबंधन के करीब जाते हैं तो बिहार में तेजस्वी यादव का कद बढ़ने लगता है जो नीतीश की पार्टी के राजनीतिक वजूद के लिए सीधा खतरा है। नीतीश ने खुद को बचाने के लिए कभी कांग्रेस तो कभी भाजपा का सहारा लिया। वर्तमान परिपेक्ष्य में, नीतीश को यह भली-भांति पता है कि कांग्रेस के साथ जाने से उनके विधायकों को दलबदल से सुरक्षा की कोई गारंटी नहीं मिलती क्योंकि कांग्रेस खुद कई राज्यों में अपने विधायक बचाने में नाकाम रही है। इसलिए वे दलबदल से बचने के लिए वैचारिक स्थिरता के बजाय सत्ता के संतुलन यानी कभी इधर, कभी उधर का फॉर्मूला अपनाते हैं। आम आदमी पार्टी के संयोजक अरविंद केजरीवाल की राजनीति का उदय ही कांग्रेस के विरोध और भ्रष्टाचार विरोधी आंदोलन की कोख से हुआ था। दिल्ली और पंजाब जैसे राज्यों में आम आदमी पार्टी ने कांग्रेस को पूरी तरह मटियामेट करके अपनी सत्ता बनाई। अगर केजरीवाल राष्ट्रीय स्तर पर कांग्रेस के साथ बहुत गहरे जुड़ते हैं तो राज्यों में उनके कार्यकर्ताओं के सामने वैचारिक संकट खड़ा हो जाएगा कि जिस कांग्रेस को हराकर वे सत्ता में आए, उसी के साथ गठबंधन कैसे करें? कांग्रेस खुद दिल्ली और पंजाब में 'आप' की जमीन वापस छीनने की ताक में रहती है। इसलिए केजरीवाल मजबूरी में लोकसभा चुनाव जैसे बड़े मंचों पर तो कांग्रेस के साथ दिखते हैं, लेकिन राज्यों के स्तर पर अपनी दूरी बनाए रखते हैं। पश्चिम बंगाल की पूर्व मुख्यमंत्री और तृणमूल कांग्रेस सुप्रीमो ममता बनर्जी कांग्रेस से हिचक का सबसे मुखर चेहरा हैं। उनका मानना है कि पश्चिम बंगाल में भाजपा को हराने की ताकत सिर्फ टीएमसी के पास है। वहां कांग्रेस और लेफ्ट मिलकर टीएमसी के खिलाफ लड़ते हैं। ममता किसी भी कीमत पर बंगाल की राजनीति में कांग्रेस को 'स्पेस' देकर दोबारा जीवित नहीं करना चाहतीं। ममता बनर्जी ने बंगाल में दलबदल विरोधी कानून और अपने कड़े प्रशासनिक नियंत्रण के दम पर पार्टी को लंबे समय तक संभाले रखा। टीएमसी में टूट और बिखराव के बावजूद ममता बनर्जी को डर है कि कांग्रेस के साथ आने से राज्य में अल्पसंख्यक वोटों का बंटवारा हो सकता है जिससे बीजेपी को सीधा फायदा होगा। क्षेत्रीय दलों की कांग्रेस से हिचक के तीन मुख्य कारण हैं। अधिकांश क्षेत्रीय दलों का जन्म कांग्रेस के कमजोर होने के बाद हुआ है जैसे टीएमसी और आप। अगर ये दल कांग्रेस को अपने राज्य में दोबारा पैर पसारने का मौका देंगे तो इनका खुद का जनाधार खतरे में पड़ जाएगा। दूसरा, क्षेत्रीय दलों को लगता है कि कांग्रेस सीधे मुकाबले वाले राज्यों मध्य प्रदेश, राजस्थान, छत्तीसगढ़ में बीजेपी को उस मजबूती से नहीं हरा पाती जितने प्रभावी ढंग से क्षेत्रीय दल अपने राज्यों में भाजपा को रोक लेते हैं। तीसरा, क्षेत्रीय क्षत्रप अपने राज्यों के 'किंग' हैं। वे कांग्रेस के केंद्रीय नेतृत्व के तहत 'जूनियर पार्टनर' बनकर काम करने में असहज महसूस करते हैं। भारतीय राजनीति के वर्तमान दौर में कांग्रेस खुद दलबदल और सांगठनिक कमजोरी की शिकार रही है। ऐसे में कोई भी क्षेत्रीय दल अपनी आंतरिक बगावत या बाहरी दबाव जैसे केंद्रीय जांच एजेंसियों के डर से बचने के लिए कांग्रेस को सुरक्षा कवच नहीं मान सकता। क्षेत्रीय दलों के पास दलबदल से बचने का एकमात्र तरीका अपनी सांगठनिक एकजुटता, मजबूत स्थानीय कैडर और जनता के बीच अपनी पैठ बनाए रखना ही है।

भारतीय राजनीति के वर्तमान दौर में कांग्रेस खुद दलबदल और सांगठनिक कमजोरी की शिकार रही है। ऐसे में कोई भी क्षेत्रीय दल अपनी आंतरिक बगावत या बाहरी दबाव जैसे केंद्रीय जांच एजेंसियों के डर से बचने के लिए कांग्रेस को सुरक्षा कवच नहीं मान सकता।

अब जरूरत के मुताबिक बदल रही विचारधारा

सियासत

डॉ. विजेंद्र कुमार

वरिष्ठ स्तंभकार

लोकतंत्र की मूल आत्मा उस विश्वास में बसती है, जो एक मतदाता अपने प्रतिनिधि को चुनते समय मतपेटी में डालता है। यह केवल एक वोट नहीं होता, बल्कि एक वैचारिक सहमति, भविष्य की उम्मीद और एक सामाजिक अनुबंध होता है, लेकिन समकालीन राजनीति के पटल पर जब हम दृष्टि डालते हैं, तो यह पवित्र अनुबंध एक बाजारू सौदे में तब्दील होता नजर आता है। आज के राजनीतिक परिदृश्य में 'दलबदल' एक ऐसा संक्रामक रोग बन चुका है, जिसने लोकतांत्रिक नैतिकता को हाशिए पर धकेल दिया है।

विचारधारा, जो कभी राजनीति का दिशा-सूचक यंत्र हुआ करती थी, अब एक ऐसा आवरण बन गई है जिसे सत्ता की सुविधानुसार कभी भी ओढ़ा और उतारा जा सकता है। जब दलबदल की इस प्रवृत्ति के साथ 'लालच' का घातक कॉकटेल मिल जाता है, तो जनमत का सीधा-सीधा अपहरण होता है। ऐसे में यह सवाल पूरी शिद्दत के साथ उठता है कि आखिर नैतिकता के बिना राजनीति का स्वरूप क्या रह जाता है और लोक-कल्याण का दावा करने वाले दल अपने ही बुने हुए पाखंड के जाल में कब तक सुरक्षित रह सकते हैं? दलबदल की इस पूरी प्रक्रिया के केंद्र में यदि कोई एक तत्व निर्विवाद रूप से स्थापित है तो वह है लालच। यह लालच केवल धन का नहीं है; यह सत्ता के गलियारों में बने रहने का लालच है, मंत्री पद की लालसा है और कई बार अपनी पुरानी गलतियों या भ्रष्टाचार के मामलों पर पर्दा डालने के लिए 'सुरक्षित पनाहगाह' खोजने की विवशता भरा स्वार्थ है। जब कोई जन-प्रतिनिधि अपने दल को छोड़कर किसी अन्य दल का दामन थामता है, तो उसके पीछे कोई वैचारिक हृदय परिवर्तन या जनता की सेवा करने का कोई नया महान उद्देश्य कतई नहीं होता। इसके पीछे सिर्फ और सिर्फ व्यक्तिगत लाभ का गणित काम कर रहा होता है। इसे हम राजनीतिक भ्रष्टाचार का सबसे परिष्कृत और 'कानूनी' रूप कह सकते हैं, जहां प्रतिनिधि स्वयं को एक उत्पाद के रूप में सत्ता के बाज़ार में नीलाम कर देता है। इस समूचे घटनाक्रम में सबसे अधिक हास्यास्पद और विडंबनापूर्ण स्थिति राजनीतिक दलों के उस दोहरे मापदंड की है, जिसे हम 'मेरा दलबदल ठीक और तुम्हारा दलबदल गलत' के रूप में देखते हैं। जब किसी पार्टी के विधायक या सांसद टूटकर किसी अन्य दल में जाते हैं, तो वह पार्टी इसे 'लोकतंत्र की हत्या', 'जनादेश का अपमान' और 'धनबल का नंगा नाच' करार देती है।

उनके नेता टीवी चैनलों पर बैठकर नैतिकता की लंबी-लंबी दुहाई देते हैं और इसे एक अक्षम्य राजनीतिक अपराध बताते हैं। लेकिन जब वही पार्टी किसी दूसरे दल के असंतुष्ट विधायकों को अपने पाले में खींचती है, तो उनकी शब्दावली रातों-रात बदल जाती है। मानों उस राजनीतिक दल का कार्यालय कोई पवित्र स्नानघर हो, जहां प्रवेश करते ही सारे राजनीतिक और नैतिक पाप धुल जाते हों और व्यक्ति एक नए बेदाग अवतार में जन्म ले लेता हो।

'आया राम, गया राम' की संस्कृति से शुरू हुआ यह सफर आज थोक में दलबदल करने के आधुनिक 'रिसॉर्ट पॉलिटिक्स' तक पहुंच चुका है। दल-बदल विरोधी कानून (एंटी-डिफेक्शन लॉ) जो इसी बुराई को रोकने के लिए लाया गया था, आज के चतुर राजनेताओं ने उसकी भी कानूनी काट ढूंढ ली है। अब ज्वलंत प्रश्न यह है कि यह दोहरी धारणा और अवसरवाद का यह नंगा खेल आखिर कब तक चलेगा?

इस प्रश्न का उत्तर सीधे तौर पर जन-चेतना और नागरिक उत्तरदायित्व में छिपा है। जब तक दलबदल करने वाले नेताओं को उनके पाले बदलने के बाद होने वाले उप-चुनावों में जनता द्वारा फिर से चुनकर सदन में भेजा जाता रहेगा, तब तक उनका दुस्साहस और सत्ता का यह लालच फलता-फूलता रहेगा। जब 'मेरा दलबदल ठीक और तुम्हारा गलत' की इस खोखली और पाखंडी दलील को आम जनता पूरी तरह से खारिज कर देगी और दलबदलू नेताओं को मतदान के माध्यम से यह कड़ा अहसास करा देगी कि वैचारिक निष्ठा से किया गया कोई भी समझौता उनके राजनीतिक अस्तित्व को समाप्त कर सकता है, केवल तभी इस अनैतिक खेल पर स्थायी विराम लगेगा। बदलाव की वास्तविक शुरुआत इसी चेतना से होगी कि गलत हमेशा गलत होता है, चाहे वह सत्ता पक्ष द्वारा किया गया हो या विपक्ष द्वारा, 'मेरे' द्वारा किया गया हो या 'तुम्हारे' द्वारा।

जब कोई जन-प्रतिनिधि अपने दल को छोड़कर किसी अन्य दल का दामन थामता है, तो उसके पीछे कोई वैचारिक हृदय परिवर्तन या जनता की सेवा करने का कोई नया महान उद्देश्य कतई नहीं होता। इसके पीछे सिर्फ और सिर्फ व्यक्तिगत लाभ का गणित काम कर रहा होता है।

विपक्ष की निष्क्रियता से एनडीए मुखर

मंथन

चरणजीत चरण

स्वतंत्र पत्रकार

बारह वर्षों के शासन के बावजूद आज एनडीए भारतीय राजनीति में जिस तरह से मुखर और आक्रामक रहता है वह दुनिया के तमाम राजनीतिक पंडितों के लिए शोध का विषय है। किसी भी राजनीतिक दल के लिए एक चुनाव के बाद पांच साल बाद दूसरे चुनाव में जाना बहुत ही चूनौतीपूर्ण कार्य होता है। पूरे न किए गए वादों का दबाव इतना अधिक होता है कि अधिकतर राजनीतिक दल इस दलदल में धंस जाते हैं। बावजूद इसके तमाम विरोधों के होते हुए एनडीए के नेताओं के चेहरे पर कोई शिकन नज़र नहीं आती है। वे हर नए चुनाव में पहले से अधिक ऊर्जा के साथ जाते है और चुनाव जीतते हैं।

इस सारे विचार का मंथन अगर खुले मन से किया जाए तो बहुत से ऐसे बिंदु हैं जो एनडीए को साल दर साल मज़बूत बनाते हैं। विपक्ष के पास किसी निश्चित विचारधारा का न होना विपक्षी दलों की सबसे बड़ी कमजोरी है। जाति, धर्म, राष्ट्र, विदेश नीति, युद्ध नीति, पड़ोसी देशों से सम्बन्ध आदि मुद्दों पर विपक्ष हमेशा बंटा हुआ रहता है। इसी का फायदा एनडीए उठाता है, जैसे हिन्दू धर्म के मुद्दे पर विपक्ष का रुख हमेशा खामोश हो जाने का रहता है। जबकि एनडीए के सभी दल अपने सभी विवादों को भूलकर एक लाइन पर रहते हैं। राम मंदिर जैसे बहुसंख्यक समाज के मुद्दे पर एनडीए के सभी दल खुलकर हिंदू मत के साथ रहते हैं। विपक्ष के लोगों की मत भिन्नता पूरे देश ने महसूस की है। एक समय तक एनडीए के प्रमुख घटक के रूप में रही शिव सेना जहां राम मंदिर के समर्थन में रही, वहीं बाकी दल इसके विरोध में खड़े नजर आए।

राहुल गांधी द्वारा सावरकर को माफ़ीवीर कहने पर सावरकर की प्रचंड समर्थक शिव सेना कभी खुलकर इसका विरोध नहीं करती। परिणाम स्वरूप आज शिव सेना पूर्णतया खत्म होने के कगार पर है। सनातन को डेंगू मलेरिया कहने वाले डीएमके के नेता जब बाकी विपक्षी दलों के साथ मंच साझा करते हैं तो एनडीए को ये कहने का मौका मिलता है कि ये सब हिन्दू धर्म विरोधी हैं और पूरा एनडीए इस विचार को देश की जनता के बीच ले जाने में सफल रहता है, जिसका परिणाम चुनाव में देखने को मिलता है। अपने बारह वर्षों के शासनकाल में मोदी कभी थके हुए, हारे हुए या अपनी नीतियों को लेकर अस्पष्ट नज़र नहीं आए। बात चाहे देश की हो या विदेश की, उन्होंने हर जगह अपनी बात पूरी दृढ़ता के साथ रखी, जबकि विपक्ष के सभी नेता बार-बार अपने बयानों से पीछे हटते या बयानों को बदलते नज़र आते हैं। उनके एजेंडे में किसी एक मूल विचार धारा का न होना भी विपक्ष के भटकाव का मुख्य कारण है। वहीं, एनडीए अपने राष्ट्रवाद और हिंदू धर्म के मुद्दे पर हमेशा अडिग रहा है। राष्ट्रवाद और हिंदू एकता, सीमाओं की सुरक्षा, घुसपैठ को पूर्णतया रोकना एनडीए के प्रमुख मुद्दे हैं। बाकी मुद्दे राज्य की जरूरतों के अनुसार बदलते रहते हैं। इसे मोदी का सौभाग्य कहिए या विपक्ष का दुर्भाग्य कि पूरे विपक्ष के पास ऐसा एक भी ऐसा सशक्त नेता नहीं है जिसका नेतृत्व करिश्माई कहा जा सके। जैसे दिल्ली में अरविंद केजरीवाल ने दस वर्षों तक राज्य की सत्ता बचाकर रखी, लेकिन वह केंद्र में एनडीए का मुकाबला नहीं कर पाए और आखिर उन्हें भी दिल्ली की सत्ता गंवानी पड़ी। उड़ीसा, जहां बीस वर्षों से सत्ता पर काबिज़ नवीन पटनायक को एनडीए के हाथों शिकस्त खानी पड़ी। एक और ताज़ा उदाहरण अजेय माने जाने वाले बंगाल का है, जहां सबसे आक्रामक राजनीति करने वाली ममता बनर्जी को बहुत बुरी हार का सामना करना पड़ा। हालांकि राहुल गांधी ने भारत जोड़ो यात्रा जो 2022 में की थी और न्याय यात्रा जो 2024 में की, इन दोनों यात्राओं के माध्यम से उन्होंने देश को एकजुट करने का दावा किया, लेकिन उनके सहयोगी दलों का साथ उनको नहीं मिला। इसका परिणाम ये हुआ इन दोनों यात्राओं के जितने सार्थक परिणाम विपक्ष को मिल सकते थे, नहीं मिले। निष्कर्ष के रूप में हम कह सकते हैं कि देश के संवेदनशील मुद्दों पर विपक्ष का एक मत एक विचार न होना, राज्य और राष्ट्रीय स्तर पर अलग-अलग सुरों में बोलना, देश की विदेश नीति और राष्ट्रीय हितों के मुद्दों की विदेश में आलोचना करना। जनता के बीच जनहित के मुद्दों को उठाने के बजाय वोट चोरी या चुनाव चोरी जैसे अनर्गल प्रचार से अपनी नाकामी को ढकने की कोशिश करना, ये वो सारे कारण हैं जिन्हें भारतीय मतदाता अब सुनना नहीं चाहता। कुल मिलाकर एनडीए की आक्रामकता का एक विशेष कारण विपक्ष की निष्क्रियता है।

इसे मोदी का सौभाग्य कहिए या विपक्ष का दुर्भाग्य कि पूरे विपक्ष के पास ऐसा एक भी सशक्त नेता नहीं है, जिसका नेतृत्व करिश्माई कहा जा सके। जैसे दिल्ली में केजरीवाल ने दस वर्षों तक राज्य की सत्ता बचाकर रखी, लेकिन वह केंद्र में एनडीए का मुकाबला नहीं कर पाए और आखिर उन्हें भी दिल्ली की सत्ता गंवानी पड़ी।

धनुष की फिल्म 'ओम' से उठा पर्दा, अक्टूबर में होगी रिलीज

मुंबई। धनुष की जिस तमिल फिल्म 'ओम' का लंबे समय से इंतजार हो रहा था, उसकी रिलीज डेट सामने आ गई है। यह फिल्म 16 अक्टूबर को सिनेमाघरों में दस्तक देगी। राजकुमार पेरियासामी इसे निर्देशित कर रहे हैं। फिल्म का लगभग 60 से 65 प्रतिशत काम पूरा हो चुका है। इसकी कहानी को कई अध्यायों में परत-दर-परत बताया जाएगा। 'ओम' नाम सिर्फ सुनने में ही अच्छा नहीं है, बल्कि यह कहानी से गहराई से जुड़ा है। यह फिल्म असल जिंदगी की घटनाओं से प्रेरणा लेती है। मलयालम के मशहूर

अभिनेता मामूटी फिल्म में कार्तिकयन का किरदार निभा रहे हैं। उनका यह किरदार भी असल जिंदगी की घटनाओं से प्रेरित है। बताया जाता है कि निर्देशक राजकुमार ने उन्हें 2 घंटे तक पूरी कहानी सुनाई थी, जिसके बाद मामूटी इस फिल्म से जुड़ने को तैयार हुए। साई पल्लवी और श्रीलीला भी इसमें अहम भूमिकाओं में हैं, जो उन्हें अपनी अभिनय प्रतिभा दिखाने का भरपूर मौका देंगी। फिल्म का संगीत साई अभ्यंकर ने तैयार किया है।

'वनः फोर्स ऑफ द फॉरेस्ट' की 10 दिन और शूट करेंगे सिद्धार्थ और तमन्ना

मुंबई। सिद्धार्थ मल्होत्रा और तमन्ना भाटिया की मुख्य भूमिका वाली फिल्म 'वनः फोर्स ऑफ द फॉरेस्ट' की शूटिंग अब 10 दिन और चलेगी। टीम ने जब फिल्म का अंतिम कट देखा, तो उन्हें महसूस हुआ कि कुछ खास पलों, खासकर क्लाइमैक्स में और अधिक जान डालने की जरूरत है। उनका मानना है कि ऐसा करने से फिल्म सिनेमाघरों में दर्शकों पर गहरा प्रभाव छोड़ पाएगी। अच्छी बात यह है कि फिल्म अपनी तय रिलीज 28 अगस्त को ही सिनेमाघरों में दस्तक देगी, इसमें कोई बदलाव नहीं किया गया है।

निर्देशक 'वन' की दुनिया को दे रहे हैं नया विस्तार

दीपक कुमार मिश्रा और अरुणभ कुमार के निर्देशन में बनी फिल्म 'वन' पौराणिक कथाओं, रहस्य और जंगल से जुड़ी लोककथाओं का मिश्रण है, जिसे एक थ्रिलर के रूप में पेश किया गया है। फिल्म निर्माता एक ऐसी समृद्ध दुनिया तैयार करना चाहते हैं, जिसमें माहौल से जुड़े बारीक विवरण हों और स्थानीय कहानियों की परंपरा भी झलकती हो। शूटिंग का समय बढ़ाने का यह फैसला दर्शाता है कि वे चाहते हैं कि फिल्म का क्लाइमैक्स दर्शकों के दिलो-दिमाग पर अपनी छाप छोड़े।

रैपर सेंटी 'बिग बॉस 20' में ले सकते हैं हिस्सा

मुंबई। सलमान खान का रियलिटी शो 'बिग बॉस' एक बार फिर चर्चा में है। पिछले दिनों कुछ रिपोर्ट्स में कहा गया था कि इसका 20वां सीजन सितंबर, 2026 से दर्शकों के बीच लौट सकता है। इसके बाद से संभावित प्रतियोगियों के नामों पर अटकलें लगनी शुरू हो गई हैं कि घर में कौन-कौन आएगा। सबसे ज्यादा जिस नाम की चर्चा है, वो रैपर सेंटी शर्मा हैं। आइए जानते हैं कि वह कौन हैं, जो सलमान के शो में आ सकते हैं। सेंटी का असली नाम गणेश शर्मा है और वह मध्य प्रदेश के शहर रतलाम के रहने वाले हैं। पेशे से रैपर, गीतकार और गायक हैं, जिन्हें संगीत जगत में उभरने वाले शुरुआती हिप-हॉप कलाकारों में से एक माना जाता है। अपने गानों से उन्होंने सोशल मीडिया पर फैंस की बड़ी तादात बना रखी है। अक्षय कुमार की फिल्म 'हाउसफुल 5' के एंथम ट्रैक में रैपर ने अपनी आवाज देकर बॉलीवुड में डेब्यू किया और व्यापक लोकप्रियता हासिल की। हाल ही में, रैपर ने 'कॉकरोच जनता पार्टी' की आलोचना करते हुए इसे भारतीय युवाओं के लिए एक "खतरनाक डिजिटल ट्रैप" बताया था। उनकी इस टिप्पणी ने उन्हें सोशल मीडिया पर चर्चाओं में ला दिया। इस बीच, 'बिग बॉस 20' में उनके आने की अटकलों ने सोशल मीडिया पर नई हलचल मचा दी है। खबरों के अनुसार, सलमान का शो 21 सितंबर से टीवी और जियोहॉटस्टार पर दस्तक दे सकता है।

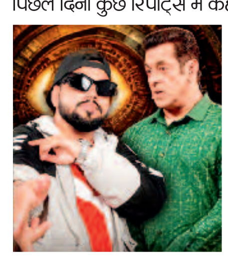

फिल्म बांदर ने जीता ऑस्ट्रेलिया का दिल

मुंबई। बॉबी देओल की थ्रिलर फिल्म 'बांदर', जो 5 जून को रिलीज हुई और फिलहाल सिनेमाघरों में दर्शकों का दिल जीत रही है, इस साल मेलबर्न में नेशनल इंडियन फिल्म फेस्टिवल ऑफ ऑस्ट्रेलिया का समापन करेगी। अनुराग कश्यप निर्देशित इस फिल्म को रिलीज के बाद से ही इसकी अनूठी कहानी और दमदार अभिनय के लिए खूब सराहा जा रहा है। यही वजह है कि नीफा के ऑस्ट्रेलिया भर के बड़े दौरे के लिए इसे समापन फिल्म के तौर पर चुना गया है। इस साल यह फेस्टिवल ऑस्ट्रेलिया के 9 शहरों में आयोजित किया गया, जहां नई और चर्चित फिल्मों के साथ-साथ 'मंथन' जैसी क्लासिक फिल्मों को भी 4के क्वालिटी में पेश किया गया। बॉबी के अलावा, 'बांदर' में सान्या मल्होत्रा और राज बी शेट्टी भी मुख्य भूमिकाओं में हैं।

44 तीर्थयात्रियों का पहला जत्था नाथू ला दर्रे से चीन में दाखिल

एजेंसी ▶▶| सिक्किम

कैलाश मानसरोवर यात्रा शुरू 7 साल बाद फिर खुला रास्ता

कैलाश मानसरोवर यात्रा 2026 के लिए निकले तीर्थयात्रियों का पहला जत्था शनिवार को नाथू ला दर्रे पर स्थित भारत-चीन सीमा से होते हुए चीन में प्रवेश कर गया। इस तरह पवित्र कैलाश मानसरोवर की यात्रा का शुभारंभ हुआ। सिक्किम के राज्यपाल ओम प्रकाश माथुर ने पर्यटन मंत्री शेरिंग थेनडुप भूटिया और सिक्किम पर्यटन विकास निगम (एसटीडीसी) के अधिकारियों की उपस्थिति में जत्थे को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। पहले जत्थे में चार संपर्क अधिकारियों और एक चिकित्सा अधिकारी सहित 44 तीर्थयात्री शामिल हैं। इनमें से 32 पुरुष और 12 महिलाएं हैं, जो बिहार, हरियाणा, राजस्थान, महाराष्ट्र, दिल्ली, पंजाब, तमिलनाडु, कर्नाटक, मध्य प्रदेश, आंध्र प्रदेश, उत्तर प्रदेश और ओडिशा सहित विभिन्न राज्यों का प्रतिनिधित्व कर रहे हैं।

50 प्रतिभागियों का 10 जत्था

यात्रा से पहले, सिक्किम के मुख्य सचिव आर तेलंग ने आतिथ्य, चिकित्सा सुविधाएं, बिजली और पानी की आपूर्ति, सड़क की स्थिति, यातायात प्रबंधन, नेटवर्क कनेक्टिविटी, सीमा शुल्क निकासी और मीडिया कवरेज सहित मौजूदा व्यवस्थाओं की समीक्षा की। बता दें, इस वर्ष कुल 500 तीर्थयात्री नाथू ला मार्ग से यात्रा करेंगे। तीर्थयात्रियों को 50-50 प्रतिभागियों के 10 जत्थों में विभाजित किया गया है।

कार्यपालक अभियंता का कार्यालय पथ निर्माण विभाग, पथ प्रमण्डल, धनबाद।

ई–प्रोक्योरमेंट सूचना

ई–निविदा प्रसंग संख्या - RCD/DHANBAD/1050/2026-27 (1st Call)

दिनांक – 19.06.2026

1.	कार्य का नाम	पथ प्रमण्डल, धनबाद अन्तर्गत "हटिया मोड़ हीरापुर से बरमसिया हावड़ा मोटर पथ (कुल लम्बाई–4.50 कि0मी0) के राईडिंग क्वालिटी में सुधार (Improvement of Riding Quality) IRQP कार्य, वर्ष 2026–27"
2.	प्राक्कलित राशि (रुपये में)	रुपये 4,70,69,818/– रुपये मात्र
3.	कार्य समाप्ति की अवधि	3 माह
4.	निविदा प्राप्ति की अंतिम तिथि एवं समय	22.07.2026 (12:00 बजे दिन तक)
5.	वेबसाईट पर निविदा प्रकाशित होने की तिथि एवं समय	0207.2026 (10:30 बजे पूर्वाह्न)
6.	निविदा आमंत्रित करने वाले पदाधिकारी का पदनाम	कार्यपालक अभियंता, पथ निर्माण विभाग, पथ प्रमण्डल,धनबाद।
7.	प्रोक्युरमेंट अधिकारी का सम्पर्क नम्बर	06432-275640
8.	ई–प्रोक्युरमेंट सेल का हेल्पलाईन नम्बर	0651–2446007

अतिरिक्त जानकारी के लिए बेबसाईट http://jharkhandtenders.gov.in पर देखें।

कार्यपालक अभियंता,
पथ निर्माण विभाग,पथ प्रमण्डल, धनबाद।

PR 382860 Road(26-27)D

वैश्विक आंदोलन बना योग...2015 में हुई थी शुरुआत

190 से अधिक देशों में मनाया जाएगा आज अंतरराष्ट्रीय योग दिवस

- 2026 के अंतरराष्ट्रीय योग दिवस की थीम 'स्वस्थ आयु के लिए योग'
- संयुक्त राष्ट्र महासभा ने 2014 में 21 जून को अंतरराष्ट्रीय योग दिवस घोषित किया था

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

अंतरराष्ट्रीय योग दिवस (आईडीवाई) की शुरुआत वर्ष 2015 में हुई थी। पिछले 11 वर्षों में यह संयुक्त राष्ट्र द्वारा मान्यता प्राप्त एक वार्षिक आयोजन से आगे बढ़कर दुनिया के सबसे बड़े सहभागी आरोग्य आंदोलनों में शामिल हो गया है। योग के माध्यम से विभिन्न देशों, संस्कृतियों और समुदायों के लाखों लोग एक साझा मंच पर जुड़ रहे हैं। वर्ष 2026 के अंतरराष्ट्रीय योग दिवस की थीम 'स्वस्थ आयु के लिए योग' रखी गई है, जो निवारक स्वास्थ्य देखभाल, सक्रिय जीवनशैली और दीर्घकालिक आरोग्य को बढ़ावा देने पर केंद्रित है।

2015 : पीएम मोदी योग करते हुए

कॉमन योग प्रोटोकॉल बना वैश्विक आधार

दुनिया भर में एक समान और समन्वित तरीके से योग दिवस मनाने के लिए आयुष मंत्रालय ने 2015 में प्रमुख योग संस्थानों और विशेषज्ञों के सहयोग से कॉमन योग प्रोटोकॉल (सीवाईपी) तैयार किया था। यह 45 मिनट का मानकीकृत योग अभ्यास कार्यक्रम है, जिसमें शरीर को तैयार करने वाले अभ्यास, योगासन, कपालभाति, प्राणायाम, ध्यान और विश्राम तकनीकें शामिल हैं।

'योग फॉर एयर ट्रैवल'

आयुष मंत्रालय ने इस वर्ष कई नई पहलें शुरू की हैं। इनमें 'योग फॉर एयर ट्रैवल' विशेष रूप से उल्लेखनीय है, जिसे मोरारजी देसाई राष्ट्रीय योग संस्थान ने लंबी हवाई यात्राओं के दौरान स्वास्थ्य और आराम को ध्यान में रखते हुए विकसित किया है।

प्रमुख शहरों को जोड़ने के लिए मोदी सरकार ने 7 नए बुलेट ट्रेन रूटों को दी हरी झंडी!

पटना। भारत में हाई-स्पीड रेल यानी बुलेट ट्रेन का सपना देख रहे लोगों के लिए केंद्र सरकार ने एक बहुत बड़ी खुशखबर दी है। देश की पहली मुंबई-अहमदाबाद बुलेट ट्रेन परियोजना पर चल रहे काम के बीच, मोदी सरकार ने देश के अन्य प्रमुख शहरों को जोड़ने के लिए 7 नए बुलेट ट्रेन रूटों की पहचान कर उन्हें मंजूरी दे दी है। इस महत्वाकांक्षी योजना का मुख्य उद्देश्य देश के सबसे बड़े आर्थिक, औद्योगिक, तकनीकी और पर्यटन केंद्रों को आपस में तेज रफ्तार से जोड़ना है। इसके तहत दिल्ली, वाराणसी, लखनऊ, पुणे, हैदराबाद, बेंगलुरु और चेन्नई जैसे बड़े शहरों के बीच बुलेट ट्रेन चलाने का रास्ता साफ हो गया है। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने बिहार की राजधानी पटना में यह जानकारी दी।

शिक्षा मंत्री के इस्तीफे तक नहीं छोड़ेंगे जंतर मंतर: कॉकरोच जनता पार्टी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नई दिल्ली

नीट पेपर लीक पर कॉकरोच जनता पार्टी का प्रदर्शन

कॉकरोच जनता पार्टी ने नई दिल्ली में अपने दूसरे प्रदर्शन के पहले दिन जंतर मंतर से नहीं हटने का ऐलान किया। कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) के प्रमुख अभिजीत दीपके ने घोषणा की है कि वो 'शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफ़े तक जंतर-मंतर नहीं छोड़ेंगे।' वहीं दिल्ली पुलिस ने प्रदर्शनकारियों से अपील की है कि वे जल्द से जल्द प्रदर्शन स्थल को खाली करें। दीपके ने कहा अगर थाली पीटने से कोरोना खत्म हो सकता है, तो शिक्षा मंत्री को हटाने के लिए भी थाली पीटनी चाहिए। उन्होंने कहा- लाठीचार्ज या गिरफ्तारी हो, वे प्रधान के इस्तीफे तक यहां से नहीं हटेंगे। उन्होंने जेल भरने की अपील की।

देर रात खबर लिखे जाने तक प्रदर्शनकारी जंतर मंतर पर डटे हुए थे। सीजेपी ने शनिवार शाम क़रीब 5.30 बजे एक्स पर लिखा, दिल्ली पुलिस एक शांतिपूर्ण प्रदर्शन को अवैध घोषित करने की कोशिश कर रही है। आखिर शांति कब से गैरकानूनी हो गई, दिल्ली पुलिस? पिछले प्रदर्शन के मुक़ाबले इस बार लोग कुछ कम थे लेकिन फिर भी काफ़ी संख्या में लोग थे, लेकिन शाम होते-होते इनकी संख्या कम हो गई। कॉकरोच जनता पार्टी के संस्थापक अभिजीत दीपके ने मंच से केंद्र सरकार से शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफ़े की मांग की। इसके अलावा पर्यावरण कार्यकर्ता सोनम वांगचुक ने भी मंच से अपनी बात रखी और उन्होंने पर्यावरण से जुड़े मुद्दों को भी उठाया, हालांकि शाम को सोनम वांगचुक प्रदर्शन स्थल से चले गए। प्रदर्शनकारियों ने थाली बजाकर शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के विरोध में गो-प्रधान-गो के नारे लगाए। समय पूरा होने के बाद पहुंची दिल्ली पुलिस ने प्रदर्शनकारियों को वहां से जाने के लिए कहा और उनसे थाली लेने की कोशिश की।अभिजीत दीपके ने एक्स पर दावा किया है कि दिल्ली पुलिस प्रदर्शन स्थल पर खाना, पानी, स्ट्रीट लाइट और वॉशरूम की अनुमति नहीं दे रही है। बैरिकेड की दूसरी ओर लोग खड़े हैं और पुलिस उन्हें आने नहीं दे रही है। रात को प्रदर्शन स्थल पर प्रदर्शनकारियों की तादाद बहुत ज्यादा नहीं थी और प्रदर्शन स्थल पर पुलिस अब किसी को जाने नहीं दे रही है।

अभिजीत की अपील

अभिजीत दीपके ने सोशल मीडिया एक्स पर देशभर में लोगों से अपील करते हुए कहा कि जितने भी इस देश में युवा इस वीडियो को देख रहे हैं वो अपने-अपने जिलों में जेल भरो आंदोलन शुरू कर दें, चाहे कुछ भी हो जाए ये आंदोलन रुकना नहीं चाहिए। अभिजीत दीपके ने कहा है कि सरकार धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफ़े की शर्तों को लेकर उनसे बातचीत के चैनल को खोले। सीजेपी इज़ बैक ने एक्स पर लिखा, दीपके ने पुलिस से जंतर-मंतर पर अपनी अनुमति बढ़ाने की अपील की है और धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफ़े की शर्त पर सरकार के साथ बातचीत के लिए रास्ता खोलने को कहा है।

मोदी आज नौसेना में शामिल करेंगे 3 स्वदेशी युद्धपोत

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 21 जून को कोलकाता में भारतीय नौसेना के तीन स्वदेशी जहाजों- दूनागिरी, संशोधक और अग्रय को नौसेना में शामिल करेंगे। यह कार्यक्रम श्यामा प्रसाद मुखर्जी पोर्ट पर होगा। ये तीनों जहाज भारत में डिजाइन और बनाए गए हैं। दूनागिरी एक आधुनिक युद्धपोत है, जो ब्रह्मोस मिसाइल और अत्याधुनिक हथियारों से लैस है। संशोधक समुद्री सर्वेक्षण और समुद्र से जुड़े आंकड़े जुटाने का काम करेगा, जबकि अग्रय दुश्मन की पनडुब्बियों का पता लगाने और उनसे मुकाबला करने में सक्षम है। रक्षा मंत्रालय के मुताबिक, इन जहाजों में 75% से ज्यादा स्वदेशी उपकरण और तकनीक का इस्तेमाल हुआ है। इनके निर्माण में 200 से अधिक भारतीय एमएसएमई कंपनियों ने योगदान दिया है।

दिल्ली में स्टेशन पर जनरल बोगी में सीट के लिए मर्डर

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

दिल्ली के शाहदरा रेलवे स्टेशन पर ट्रेन पकड़ने के दौरान हुए विवाद में एक यात्री की जान चली गई।

प्लेटफॉर्म नंबर-3 पर योगा एक्सप्रेस की जनरल बोगी में चढ़ने की कोशिश कर रहे एक शख्स को कुछ सह-यात्रियों ने बुरी तरह पीट दिया। इस घटना का एक वीडियो भी सामने आया है, जिसमें मौके पर मौजूद आरपीएफ कर्मी बीच-बचाव करने के बाद पीड़ित को सुरक्षित घेरे से निकालकर फर्श पर लिटाते हुए नजर आ रहे हैं। हालांकि, बाद में गंभीर हालत में पीड़ित को तुरंत अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। यह पूरी घटना शाहदरा रेलवे स्टेशन के प्लेटफॉर्म नंबर-3 पर सुबह करीब 6:00 बजे हुई।

epaper : www.haribhoomi.com

हरिभूमि CLASSIFIED

Email : response.haribhoomi@gmail.com

आवश्यकता आपकी सुविधा हमारी
Contact for advertisment booking :
Raipur- 6263818152
79871-19756

एजूकेशन स्पेशल

प्रवेश प्रारंभ
श्री बालाजी इंस्टीट्यूट ऑफ नर्सिंग, पैरामेडिकल एवं फार्मेसी

Nursing Course	Duration
B.Sc. Nursing	4 Years
P.B.B.Sc. Nsg	2 Years
M.Sc.	2 Years
Paramedical Course	**Duration**
Lab tech, OT tech, X-Ray tech,Ortho tech	1 Year
Pharmacy Course	**Duration**
D Pharmacy	2 Years
B Pharmacy	4 Years

Eligibility- B.Sc. Nursing-Biology (PBCE), P.B.B.Sc. Nursing-GNM Pass
M.Sc. Nursing-BSc.,P.B.B.Sc. Pass,
Paramedical Course - 12th pass (Bio)
Pharmarcy - 12th pass , Maths, Bio

HOSTEL FACILITY AVAILABLE FOR GIRLS & BOYS

क्लीनिकल सुविधा
श्री बालाजी हॉस्पिटल
1500 बिस्तरों का एडवांस्ड सुपर स्पेशलिटी हॉस्पिटल एवं 250 सीटो का मेडिकल कॉलेज
नर्सिंग प्रवेश हेतु : 7694016816, 6266631615, 7999665899
पैरामेडिकल एंड फार्मेसी प्रवेश हेतु 9201622400, 9201641200, 9201631200

Appointment आवश्यकता

शिक्षक

आवश्यकता है- रायपुर कॉन्वेंट हा.से. स्कूल, सत्तीबाजार- अंग्रेजी माध्यम पीपी1- पीपी2 एवं 6वीं से 10वीं सभी विषय, पहली से 8वीं कम्प्यूटर टीचर, 11वी-12वी फिजिक्स, कैमिस्ट्री, बायो, गणित, हिंदी हेतु शिक्षिकाओं, कम्प्यूटर ऑपरेटर, क्लर्क, आयाबाई, चपरासी। **साक्षात्कार 25.06.2026, प्रात: 10 बजे कसार गली, सत्तीबजार: 0771-2241548.** (RO-091)

आवश्यकता है- प्रकाश पब्लिक इंग्लिश मीडियम हाई स्कूल में सोशल साइंस, विज्ञान बीएड टीचर,कंप्यूटर टीचर, क्लर्क व आया महिला स्टाफ की आवश्यकता है **संपर्क - सेक्टर -11, जोन - 1,खुर्सीपार भिलाई - 9399147944.** (आरो -297)

आवश्यकता है- SANSKAR MODEL SCHOOL ANJORA REQUIRED ENGLISH MEDIUM POST-GRADUATE TEACHERS FOR CLASS NURSERY TO 12 ALL SUBJECTS M.ED, B.ED , D.EL.ED COMPULSORY **9425247392, 9202329113, संपर्क- संस्कार मॉडल स्कूल अंजोरा** (RO-298)

हरिभूमि क्लासीफाईड

सिक्योरिटीगार्ड

आवश्यकता है- सिक्योरिटी गार्ड - 21, हाउसकीपिंग बाई - 21, हाउसकीपिंग जेंट्स - 15, एरिया मैनेजर गनमैन - 10 पद, वेतनमान 15000 से 25000, आधार कार्ड, 03 पासपोर्ट साइज फोटो लेकर संपर्क करें - एच. आई. एस. सर्विसिस प्राइवेट लिमिटेड कृष्णा प्लाजा, अश्वनी नगर सुन्दर नगर रायपुर (छ ग.) **9171511755, 9039437556, 7713568537, कृपया आफिस आकर संपर्क करें** (RO-860)

आवश्यकता है- रायगढ़ एवं रायपुर की फैक्ट्रियों हेतु सिक्योरिटी गार्ड, सिक्योरिटी सुपरवाइजर एवं फील्ड ऑफिसर की आवश्यकता है। वेतन : 15,000 - 18,000 प्रतिमाह।PF, ESIC रहने - खाने की व्यवस्था **उपलब्ध 9201958117, 8109080600.** (RO-855)

दुकान कार्य

आवश्यकता है- राखी दुकान में काम करने के लिए लड़के और लड़कियों की आवश्यकता है। **संपर्क करें- गोपी राखी बंजारी रोड रवि भवन के पास रहमानिया चौक रायपुर संपर्क- 7024636503, 9827180503.** (RO-866)

आवश्यकता है- होलसेल रेडीमेड कपड़े की दुकान में कार्य करने हेतु अनुभवी लड़के एवं लड़कियों की आवश्यकता है वेतन योग्यतानुसार **संपर्क करें- नंद होजयरी डिपो जय हिंद होजयरी मार्केट पंडरी रायपुर मोबाइल- 9243103125.** (RO-227)

नोट - विज्ञापन प्रकाशन के पहले दिन ही करेक्शन मान्य होगा।

हाउसकीपिंग/सुपरवाइजर

आवश्यकता है- हाउसकीपिंग- पुरुष उम्मीदवार (इन-हाउस रहने के लिए), ड्राइवर- केवल रायपुर लोकल के लिए, ऑफिस बॉय- केवल रायपुर लोकल के लिए, हाउस सुपरवाइजर, **संपर्क करे- 6232022676.** (आरो-460)

आवश्यकता है- पचपेड़ी नाका में कार्य हेतु हाउसकीपिंग सुपरवाईजर, इलेक्ट्रीशियन, ड्राइवर (लक्जरी ऑटोमैटिक कार अनुभवी), सुरक्षा गार्ड (रहने की सुविधा उपलब्ध) पाँच वर्षीय अनुभवी **संपर्क करे- 9425288233.** (RO-680)

कुक

आवश्यकता है- रायपुर चन्दखुरी पशु अस्पताल में 15-20 कर्मचारीयों के लिए नाश्ता और दो टाईम खाना बनाना हेतु कुक की आवश्यकता हैं। अच्छा वेतन, रहने खाने की सुविधा हैं। **संपर्क- 72258-88800.** (RO-090)

आवश्यकता है- अनुभवी महिला कुक की आवश्यकता घरेलू कार्य एवं खाना बनाने हेतु। समयः शाम 5 बजे से सुबह 9 बजे तक। स्थानः गुरुद्वारे के पास, नेहरू नगर, भिलाई। वेतनः 10,000 प्रतिमाह। **संपर्कः 9826708233.** (आरो-SPD/0059)

आवश्यकता है- घरेलु काम हेतु रायपुर में आवश्यकता है - खाना बनाने वाली बाई दिनभर /24 घंटे के लिये रहने खाने की सुविधा के साथ, कामवाली बाई/लड़की २४ घंटे , कुरियर बॉय, **सम्पर्क करें- 9329127874, 6262115511.** (RO-089)

हरिभूमि क्लासीफाईड छोटा विज्ञापन बड़ा लाभ

चिकित्साकर्मी

आवश्यकता है- अस्पताल में दवा दुकान हेतु अनुभवी लड़का, गार्ड, ड्राइवर, PRO, OT, टेक्नीशियन, आया बाई **कैलाश कांता हॉस्पिटल जोरा रायपुर 9300734153.** (RO-267)

आवश्यकता है- पंचकर्म थेरेपिस्ट ,पुरुष 2, महिला 2 , सैलरी -7000/-10000/-, **पता - माधवबाग आयुर्वेदिक क्लीनिक, स्मृति नगर, भीलाई, छ. ग. समय -10 से शाम 07 , सम्पर्क -7000836094.** (RO-299)

सेल्सगर्ल/आपरेटर

आवश्यकता है- फटाका दुकान में कार्य हेतु कम्प्यूटर ऑपरेटर एवं सेल्स गर्ल (युवती) की। आवेदन एवं आधार कार्ड के साथ **सम्पर्क करें- फटाका एण्ड फटाका भण्डार, फूलचौक, रायपुर, तेज शंकर गोयल- 9300636079, 8770286674.** (RO-092)

सेल्स मैनेजर

आवश्यकता है- रायपुर में सुनहरा करियर अवसर रियल एस्टेट क्षेत्र में विस्तार हेतु सेल्स मैनेजर, डिप्टी सेल्स मैनेजर, सेल्स एग्जीक्यूटिव एवं BDM पदों पर भर्ती। उत्कृष्ट संचार कौशल एवं अनुभव आवश्यक। **आकर्षक वेतन एवं प्रोत्साहन। सम्पर्क- 9589000680.** (RO-41173)

सिविल इंजीनियर

आवश्यकता है- रायपुर विधानसभा रोड में निर्माण साइट वर्क के लिए मिनिमम 3वर्ष के अनुभवी एक सिविल इंजीनियर की आवश्यकता है मोवा तरफ रहने वाले को प्राथमिकता **संपर्क करे - 9893295998.** (RO-4141)

हरिभूमि

ड्रायवर

आवश्यकता है- चाय पत्ती के फैक्ट्री में ड्राइवर की आवश्यकता है **संपर्क- जैन ट्रेडर्स आकृति विहार अमलीडीह रायपुर मों.- 74699-80000, 0771-4075490.** (RO-864)

मैनेजर/सेल्सकर्मी

आवश्यकता है- एडवरटाइजमेंट एवं प्रिंटिंग कार्य हेतु अनुभवी मैनेजर, सेल्सकर्मी, टेलीकॉलर, ग्राफिक डिजाइनर, फ्लेक्स मशीन ऑपरेटर एवं अकाउंटेंट की आवश्यकता है। **संपर्क 7869187165, 8871117007. रायपुरा रेजं रोवर शोरूम के पीछे.** (RO-4143)

मार्केटिंग मैनेजर

आवश्यकता है- ज्वेलरी शो रूम में ग्रामीण में मार्केटिंग मैनेजर की आवश्यकता है। ग्रामीण क्षेत्र / छत्तीसगढ़ी भाषा ज्ञान। अनुभवी 3 - 5 वर्ष । आकर्षक वेतन,इंसेंटिव, यात्रा भत्ता, **संपर्क :- महावीर अशोक ज्वेलर्स, सदर बाजार, रायपुर 9303415141.** (RO-7399)

सेल्समैन/ऑपरेटर

आवश्यकता है- सुपेला भिलाई मे स्थित ब्रांडेड ऑटो रिक्शा के शोरूम मे 3 सेल्समेन, 1 कंप्यूटर ऑपरेटर की आवश्यकता है. अनुभवी को प्राथमिकता. वेतन योग्यतानुसार. **मो. - 7909929991.** (आरो -296)

ऑफिस कार्य

आवश्यकता है- ऑफिस कार्य हेतु अविवाहित युवकों की जो बाहर (उज्जैन इंदौर उदयपुर) मे रह कर काम कर सके सैलरी 12000 + कमीशन + बोनस के साथ महीना 25000/ कमाए रहना खाना फ्री लिमिटेड सीट **संपर्क - 7777800422, 9993044523.** (Ro -366)

स्टोर मैनेजर

Required - Store Manager Company- Titan Watches Location - Raipur Minimum 5 years retail experience Last Designation- Assistant manager or store manager Whatsapp CV on **9589662406.** (RO-667)

ड्रायवर

आवश्यकता है- भारत के सबसे बड़े राइड-बुकिंग प्लेटफॉर्म रैपिडो से जुड़ें। ऑटो या ई-रिक्शा चलाकर प्रतिदिन 500-1000 तक की गारंटीड कमाई करें बिना किसी कमीशन के । जुड़ने के लिए कॉल **करें - 8929449955.** (RO-63586)

अन्य

आवश्यकता है- जिलास्तरीय कंपनी में भर्ती परमानेंट बेसेस पर पद- फॉरेस्ट गार्ड, क्लर्क, वनपाल, चपरासी , हेतु आवेदन करे 10वी+12वी पास लड़के लड़कियां, उम्र सीमा (18 - 42) सैलरी- 26500/- 45500/- आवेदन हेतु - मार्कशीट, आधारकार्ड, पासपोर्ट साइज फोटो ,व्हाट्सएप / कॉल करे - **8400406891.** (RO-091)

Property प्रापर्टी

जमीन

जमीन बेचना है- दुर्ग ग्राम नगपुरा में एक एकड़ बियासी डिसमीन जमीन सर्व सुविधा युक्त डामर रोड से लगा व्यवासयिक जमीन बेचना बेचना है है **संपर्क करें मोबाइल नंबर 9300604957.** (RO-om)

विज्ञापन बुकिंग टाइम सुबह 10:30 बजे से दोपहर 3:00 बजे तक

For Rent किराया

किराये पर उपलब्ध- बिलासपुर, व्यापार विहार में गुम्बर पैट्रोल पम्प के पीछे VR NEXUS बिल्डिंग में फर्स्ट फ्लोर 2560 वर्गफुट, सेकेण्ड फ्लोर 1910 वर्गफुट, किराये पर उपलब्ध। (पार्किंग सुविधा) **सम्पर्क करें- 9589740766, 9425530355.** (RO-40953)

वैवाहिकी वधु चाहिए

वधु चाहिए
विश्वकर्मा (लोहार)
17.09.82 / 5'-11"
एमबीबीएस, अविवाहित, डॉक्टर प्रायवेट क्लीनिक, मासिक आय 1.50 लाख हेतु हायर सेकेण्डरी ग्रेजुएट शिक्षित अविवाहित वधु चाहिए। सभी हिन्दु उच्च जाति मान्य। ब्यूरो क्षमा।
सम्पर्क करें
9131453175

आवश्यक सूचना

पाठकों से अनुरोध है कि वे समाचार पत्र मे प्रकाशित किसी भी विज्ञापन के संबंध में किसी भी प्रकार का कदम उठाने (पैसे भेजने, कोई भी खर्च उठाने, चिकित्सकीय सलाह, विवाह संबंधित) या किसी भी वादे-दावे पर अमल करने से पहले अच्छी तरह से जांच पड़ताल कर लें। पाठक पूर्ण जानकारी लेंवे व स्वविवेक से निर्णय लेकर ही लेन देन करें। किसी भी उत्पाद या सेवाओं के संबंध में किए किसी भी विज्ञापनदाता के किसी प्रकार के दावों की हरिभूमि (प्रेस प्रबंधक व कर्मचारी) की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी। प्रकाशक, संपादक कर्मचारी और हरिभूमि के स्वामी किसी विज्ञापन के संबंध में उठाए किसी कदम के नतीजे और विज्ञापन दाताओं के अपने दावों पर खरा न उतरने के लिए जिम्मेदार नहीं होंगे।

विज्ञापन प्रकाशन हेतु संपर्क करें
62638-18152

Healthcare

छोटा लिंग निराश क्यों?
जोश जगा दे धूम मचा दे।

18 से 80 वर्ष तक लाभदायक
लिंगको 8-9 ईन्च लम्बा मोटा, कठोर बनाये। सैक्स टाइम 30 से 45 मिनट बढाएं।
नसों की कमजोरी नामर्दी,धातु का पतलापन,शुगर,बी.पी. में भी जबरदस्त लाभदायक।
घर बैठे मंगवाये।
लाभ नही तो पैसे वापिस।
09083218330

जैकेट के शेष

चार पीढ़ियों से कला की...

गणेशराम चंद्रवंशी जैसे कलाकारों ने भी नाचा कला को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाया। वर्तमान में भी यह मंडली सक्रिय है और इसके कलाकार समाज में व्याप्त अंधविश्वास, रूढ़िवाद, दहेज प्रथा तथा शिक्षा जैसे विषयों पर लोकनाट्य और अभिनय के माध्यम से जागरूकता का संदेश दे रहे हैं। सरजूराम निर्मलकर, दिगंबर तितराम, सुखदेव निर्मलकर, राकेश मेश्राम और तुसार यादव जैसे कलाकार इस परंपरा को आगे बढ़ा रहे हैं।

पुरस्कारों से मिले धन से बनवाया मंदिर : ग्राम-निचेकोहड़ा में तीन रामधुनी मंडली संचालित है, जिसमें पहला छत्तीसगढ़ी बाल कृष्ण रामधुनी मंडली ने रामधुनी विधा के माध्यम से गांव का पहचान बनाई। आज इस मंडली के गायक-होरी लाल यादव एवं उनके साथियों ने लगभग 22 कलाकारों ने इस मंडली बनाई हैं। गांव में पहचान हेतु कौंडिकसा रोड तालाब मेड़ रोड पर भव्य शिव मंदिर निर्माण कराया है, जहां पर आये दिन हर पर्व में धार्मिक प्रतिष्ठान आयोजन होते हैं। जय श्री राम धुनी मंडली-निचेकोहड़ा के गायक-नरसिंग चंद्रवंशी ने भी लगभग 20 से ऊपर सदस्यों के साथ रामधुनी मंडली का संचालन कर रहे हैं। उन्हें बालोद झलमला मंदिर ट्रस्ट से मानस धनुर्धर उपाधि सम्मान मिला और गांव में बजरंग चौक तिराहा रोड में भव्य राम मंदिर निर्माण कराया है।

हजार की आबादी, हर किसी का वास्ता संगीत से : यह गांव आदिवासी बाहुल्य क्षेत्र है, जहा की जनसंख्या लगभग-1000 के ऊपर की है, जामनी साल्लु युगल डांस भी फेमस है, कई छत्तीसगढ़ी फिल्मों, एलबम में लड़किया काम कर चुकी हैं, गांव में एकता और संगठन बेहद मजबूत है, और हर पर्व में कुछ ना कुछ कार्यक्रम गांव के प्रत्येक व्यक्ति मिलकर आयोजन, भंडारा, भागवत गीता सत्संग प्रवचन करते है। कला और संस्कृति को बचाए रखने कर दिए हैं जीवन समर्पण-गांव के उप सरपंच सुजानिक निर्मलकर ने हरिभूमि को जानकारी देते हुए बताया कि लगभग एक हजार की जनसंख्या वाले आदिवासी बाहुल्य ग्राम नीचेकोहड़ा में रोजी मजदूरी किसी का जीवन यापन करने वाले ग्रामीण कला संस्कृति को बचाए रखने विगत चार पीढ़ी से निरंतर हर घर के बच्चे तथा 60 साल की उम्र तक के बुजुर्ग एवं महिलाएं अपना जीवन इस उत्कृष्ट कार्य के लिए खपा दिए हैं।

सुरों ने गढ़ी पीढ़ियां: हाजरा ....

वादकों में गिने जाते थे। घर का वातावरण संगीत से सराबोर था, इसलिए उनके मन में सुरों के प्रति गहरा लगाव रहा। हालांकि उन्होंने इंजीनियरिंग की शिक्षा भी प्राप्त की और भारतीय रेलवे में ब्रिज इंस्पेक्टर बने।

रेल्वे की छोड़ी नौकरी : रेलवे की नौकरी उन्हें स्थिर जीवन दे सकती थी, लेकिन उनके भीतर का संगीत साधक उन्हें लगातार पुकारता रहा। अंततः उन्होंने नौकरी छोड़कर अपना जीवन पूरी तरह संगीत और मां सरस्वती की साधना को समर्पित कर दिया। छत्तीसगढ़ की सांस्कृतिक भूमि को कर्मभूमि बनाते हुए उन्होंने पहले गुजराती स्कूल और बाद में अपने निवास पर "शारदा कला संगीत महाविद्यालय" की स्थापना की। यह केवल एक संस्थान नहीं था, बल्कि उन युवाओं के लिए मंदिर था जो संगीत को अपना जीवन बनाना चाहते थे।

कई प्रतिभाओं को दिया मंच : उनकी दूरदर्शिता का परिणाम था कि महाविद्यालय में सितार, तबला, बांसुरी, गायन, नृत्य और चित्रकला जैसी विभिन्न विधाओं का प्रशिक्षण शुरू हुआ। खैरागढ़ स्थित इंदिरा कला संगीत विश्वविद्यालय से संबद्ध इस संस्थान ने अनेक प्रतिभाओं को मंच दिया।

पत्नी ने तैयार किए कई गायक : उनकी इस यात्रा में उनकी धर्मपत्नी श्रीमती सुलभा हाजरा ने हर कदम पर साथ दिया। स्वयं एक प्रतिष्ठित संगीत परिवार से आने वाली सुलभा हाजरा ने पटना रेडियो स्टेशन में गायिका के रूप में अपनी पहचान बनाई थी। विवाह के बाद उन्होंने पति के साथ संगीत सेवा को ही अपना जीवन लक्ष्य बना लिया। हाजरा दंपति की मेहनत का परिणाम था कि उनके महाविद्यालय से निकले अनेक विद्यार्थी संगीत जगत में अपनी अलग पहचान बनाने में सफल हुए। अलका व्यास, अर्चना राजिमवाले, भूपेंद्र साहू, सिन्धा कर्महे, सुमेधा कर्महे, संजू नागदेव, शैल किरण साहू और समीर भट्टाचार्य जैसे कलाकारों ने अपने गुरु की शिक्षा को आगे बढ़ाया।

पुत्रों ने संभाली संगीत की विरासत : संगीत की यह विरासत अगली पीढ़ी तक भी पहुंची। बड़े पुत्र विमल हाजरा ने सितार में विशारद की उपाधि प्राप्त करने के साथ विधि की शिक्षा हासिल की और आज संगीत, पत्रकारिता तथा वकालत के क्षेत्र में सक्रिय हैं। वहीं छोटे पुत्र श्याम हाजरा ने गायन और तबला में उच्च शिक्षा प्राप्त कर संगीत को अपना कर्म बनाया। उन्होंने कई छत्तीसगढ़ी फिल्मों और संगीत एल्बमों में संगीत निर्देशन किया तथा बॉलीवुड गायक सोनू निगम जैसे कलाकारों के साथ भी काम किया। 2009 में बैद्यनाथ हाजरा और 2019 में सुलभा हाजरा ने इस संसार को अलविदा कहा, लेकिन उनकी साधना आज भी जीवित है। उनके शिष्यों के सुरों में, उनके संस्थान की परंपरा में और उनके पुत्रों के प्रयासों में उनकी विरासत आज भी सांस ले रही है।

तीन पीढ़ियो से कर रहे हैं ...

हारमोनियम, बांसुरी बजाते देख बिहारी तारम के मन में बाल्यावस्था में ही संगीत की लहरिया कान के रास्ते दिलो दिमाग में इस कदर बस गई कि आज बिहारी तारम उस पारिवारिक परंपरा को सहेजकर रखे हुए हैं। लगातार तीन पीढ़ियों से संगीत की कला साधना कर रहे डॉ बिहारी तारम ने कहा कि बचपन में ही उन्हें दादा पिता ने बताया था कि भगवान श्री कृष्ण ने गीता में कहा है कि उन्हें पाने का सबसे आसान रास्ता संगीत साधना है। पैतृक गांव मानपुर के पास बड़गांव मेला में नाचा पार्टी मे कलाकार को बांसुरी बजाते देख उनके मन में इच्छा हुई कि जिस बांसुरी में प्रभु कृष्ण की आत्मा रमी है। उसकी साधना करके वो परम सत्य का ज्ञान पाने के साथ साथ प्राणायाम कर स्वास्थ्य भी बेहतर कर सकते हैं। राजकुमारी इंदिरा सिंह कला संगीत विधि के लोग संगीत विभाग में शोध सहायक डॉ बिहारी तारम का कहना है कि बिना संगीत जीवन आधा अधूरा है। कोमल भावनाओं की अभिव्यक्ति है संगीत और संगीत है तो ही संवेदना है और जिस व्यक्ति के जीवन मे संगीत किसी भी रूप में शामिल ना हो तो उसकी संवेदनशीलता स्वमेव समाप्त हो जाती है।

संगीत की धुन में ही...

तो संगीत प्रेमी झूमने लग जाते हैं। उनके परिवार के अधिकांश सदस्य वाद्य यंत्रों को बजाने में दक्षता रखता है।

दादा से शुरू परंपरा परपोते तक पहुंचा : खानदानी कला को जीवंत रखे मुन्नालाल केमे बताते हैं कि चार पीढ़ियों से उनका परिवार इस कला को जारी रखे हुए हैं। उनके दादा बंशीलाल केमे रिदम बजाया करते थे, जिस देख व सुनकर उनके पिता धनीराम एवं चाचा रतनलाल, मदनलाल से इस परंपरा को आगे बढ़ाया। मुन्नालाल जब 10 वर्ष के थे, तभी से सैक्सोफोन बजाने की कला सीख चुके थे। घर के बुजुर्गों से मिली सीख का ही नतीजा है कि आज वे एक दक्ष व नामचीन कलाकार बन चुके हैं।

परिवार में सभी हैं फनकार : वाद्य यंत्र बजाने की परंपरा का सिलिसला यही नहीं थमा, बल्कि उनके भाई मेघराज, धर्मेन्द्र, धनराज भी वाद्य यंत्रों का जादू बिखरते हैं। अब मुन्नालाल के बच्चे जो चौथे पीढ़ी के हैं, ऋषि केमे, राहुल केमे, अंशु केमे भी रिदम, सैक्सोफोन बजाने में माहिर हो चुके हैं।

थोड़ी सी तालीम से महारत : चौथी पीढ़ी को घर में थोड़ी तालीम देनी पड़ी। जिसका रियाज करते-करते अब वे महारत हासिल कर चुके हैं। केमे परिवार शहर में जय भारत बैंड के नाम से अपनी दुकान का संचालन भी कर रहे हैं। जिसमें ब्रांस, रिदम, जलतरंग वाद्य यंत्र भी समाहित होते हैं। मुन्नालाल ने बताया कि उन्होंने कुछ लोगों को निःशुल्क वाद्य यंत्रों को बजाना भी सिखाया है।

जीवनयापन का बना जरिया : शहर में निकलने वाले भगवान श्रीगणेश की झांकी में उस दौर में रातभर अपनी कला का प्रदर्शन मात्र 150 रुपए में किया करते थे। संगीत बिखेरने का जादू घर-परिवार चलाने का जरिया भी बना हुआ है। वे कहते हैं कि यह अफसोसजनक है कि ऐसी कला में जीवन गुजार रहे लोगों के लिए शासन से सहयोग व सम्मान नहीं मिल पा रहा है।

बरेठ परिवार की चार...

दशकों से कथक की अनूठी शैली को जीवंत रखा है। खास बात यह है कि पंडित रामलाल बरेठ रायगढ़ कथक घराने के एकमात्र जीवित दरबारी नर्तक हैं, जिन्होंने राजा चक्रधर सिंह की सांस्कृतिक विरासत को नई पीढ़ी तक पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। उनके दादा जी, पिता जी भी कत्थक से जुड़े रहे और अब बेटे भी कत्थक से जुड़े हैं। उनके पुत्र और कथक नृत्याचार्य गुरु भूपेंद्र बरेठ भी इसी विरासत को आगे बढ़ा रहे हैं और बिलासपुर में नई पीढ़ी को कथक का प्रशिक्षण दे रहे हैं।

बिलासपुर निवासी पंडित रामलाल बरेठ ने अपने जीवन का अधिकांश समय कथक साधना और उसके प्रचार-प्रसार को समर्पित किया है। शुरुआती शिक्षा राजा चक्रधर सिंह की परंपरा से जुड़े गुरुओं के सानिध्य में प्राप्त करने वाले बरेठ ने मंचीय प्रस्तुतियों के माध्यम से देश-विदेश में रायगढ़ कथक घराने की अलग पहचान बनाई है। इंदिरा कला संगीत विश्वविद्यालय में रीडर के रूप में सेवा देने के बाद उन्होंने चक्रधर नृत्य केंद्र में तीन दशकों तक गुरु के रूप में कार्य करते हुए सैकड़ों शिष्यों को प्रशिक्षित किया।

रायगढ़ घराने की रखीं नींव : पंडित बरेठ अभी 88 साल के हो चुके हैं। उन्होंने अपनी परंपरा को आगे बढ़ाने में अपने बेटे-बेटियों को भी विधिवत शिक्षा दी है। उन्होंने रायगढ़ कत्थक शैली को विकसित करने और कत्थक को घराने के रूप में स्थापित करने के लिए अपना जीवन समर्पित किया है। उन्होंने रायगढ़ कत्थक शैली दी। उनके अथक प्रयास से रायगढ़ कत्थक शैली को रायगढ़ घराना के नाम से जाना जाता है। रायगढ़ घराना पूरी दुनिया में चौथे कत्थक घराने के रूप में प्रसिद्ध है। पंडित रामलाल को 1996 में भारत के माननीय राष्ट्रपति शंकर दयाल शर्मा ने भारत के राष्ट्रीय सम्मान संगीत नाटक अकादमी पुरस्कार से सम्मानित किया है।

अगली पीढ़ी भी कत्थक के लिए प्रशिक्षित कर रहे : पंडित बरेठ बताते हैं कि पहले फिल्मों में शास्त्रीय संगीत और नृत्य का बड़ा मान होता था। फिल्मों के लिए भी काम करने वाले अमीर खां साहब का बहुत निकट संबंध रायगढ़ घराने से रहा। अभिनेत्री सुलक्षणा पंडित के पिता भी रायगढ़ घराने से संबद्ध रहे। अच्छी बात यह है कि बरेठ अगली पीढ़ी को भी कत्थक के लिए प्रशिक्षित कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि उनके दादा जी, पिता जी कत्थक से जुड़े रहे और अब बेटे भी कत्थक से जुड़े हैं। बरेठ ने कहा कि मोदी जी ने पद्मश्री पुरस्कार के लिए चुना है। इसकी मुझे बहुत गहरी खुशी है। आज मुख्यमंत्री ने मुझे पहुना में आमंत्रित कर सम्मान किया। रायगढ़ घराने के माध्यम से कत्थक पूरे देश में मजबूत हो। यही हम चाहते हैं।

वाद्य यंत्र और गायन में भी महारथी : पंडित रामलाल बरेठ नृत्य के अलावा तबला वादन और गायन में भी पारंगत हैं। तबला की शिक्षा अपने पिता पंडित कार्तिकराम और पंडित जयलाल महाराज से ली और गायन की शिक्षा अपने पिता और उस्ताद हाजी मोहम्मद खां बांदावाले से ली है। पंडित रामलाल सन 1949 में लखनऊ सम्मेलन में पहली बार मंच पर आए थे। जहां से इन्हें ख्याति मिलनी शुरू हुई। साल 1950 में संगीत सम्मेलन बुलंदशहर, 1962 में इटावा के संगीत सम्मेलन में उन्होंने सफल प्रदर्शन किया। जिसके बाद अपने नृत्य का प्रदर्शन कलकत्ता, इलाहाबाद, कटक, नागपुर, भिलाई, रायपुर, इंदौर, स्वर साधना समिति बंबई, संकट मोचन बनारस, दिल्ली, छिंदवाड़ा, पुरुषदेह भारत भवन भोपाल, हैदराबाद जैसे अनेक शहरों में किया।

पेज एक के शेष

रेत का अर्थशास्त्र...लागत 8000...

और प्रतिबंध के बावजूद प्रदेश के कई जिलों में अवैध खनन, परिवहन और भंडारण का खेल लगातार जारी है। सूत्र बताते हैं कि रेत का उत्खनन वाले कारोबारियों की चाहे जितनी बार भी वाहन एवं मशीनें पकड़ी जाए, इससे उन्हें कोई फर्क नहीं पड़ता है। वे जानते हैं कि रेत से भरी प्रति हाईवा के पीछे 25 से 30 हजार रुपए तथा प्रति चैन माउंटेन या पोकलेन मशीन के लिए अधिकतम 1 लाख रुपए तक जुर्माना राशि ही उन्हें देनी है। यह राशि देते ही हाईवा और मशीन दोनों आसानी से छूट जाती हैं। इसके बाद दोबारा वे उनका उपयोग कर लाखों-करोड़ों रुपए की रेत से अवैध कमाई कर सकते हैं। इधर प्रदेश में रेत का नियम विरुद्ध एवं अवैध कारोबार पर अंकुश लगाने के लिए शासन स्तर पर मुख्यमंत्री हेल्पलाइन नंबर जारी किया है, साथ ही ड्रोन से निगरानी रखने एवं त्वरित कार्रवाई के लिए ड्रोन एजेंसी का कंट्रोल रूम स्थापित किया है। इस कंट्रोल रूम में ड्रोन एजेंसी का सेटअप तो लग गया है, लेकिन अभी तक यह शुरू नहीं हुआ है। प्रदेश में चालू महीने में जहां भी बड़ी कार्रवाई हुई हैं, वह सभी मुख्यमंत्री हेल्पलाइन नंबर पर शिकायत के आधार पर की गई हैं।

रेत का मुनाफा बनाम जुर्माना: वैध खदान से बाजार तक प्रति हाईवा लागत : लगभग 8 हजार रुपए सामान्य दिनों में बिक्री : 15-16 हजार रुपए प्रतिबंध अवधि में बिक्री : 24 से 36 हजार रुपए तक अवैध परिवहन में पकड़े जाने पर जुर्माना : **25-30 हजार रुपए ,प्रति हाईवा पड़ताल में कंट्रोल रूम में लगा सेटअप बंद** : हरिभूमि की टीम इस कंट्रोल रूम के बारे में विस्तार से जानकारी लेने के लिए महानदी भवन पहुंची। इस भवन के सेकेंड फ्लोर में स्थापित किए गए कंट्रोल रूम में कम्प्यूटर सिस्टम के दो सेटअप मिले, जिसमें एक सेटअप मुख्यमंत्री हेल्पलाइन नंबर का तथा दूसरा ड्रोन एजेंसी का लगा मिला। इनमें से मुख्यमंत्री हेल्पलाइन नंबर सेटअप पर एक कर्मचारी भी ड्यूटी पर मिला, वहीं ड्रोन एजेंसी का कम्प्यूटर सिस्टम बंद मिला। पूछताछ में पता चला कि अभी तक सिस्टम शुरू नहीं हुआ है और न ही किसी की ड्यूटी लगाई गई है। इस दौरान यह भी पता चला कि पिछले दिनों प्रदेश में जहां-जहां रेत खदानों में उड़नदस्ता टीम ने कार्रवाई की है, वे सभी मुख्यमंत्री हेल्पलाइन नंबर पर मिली शिकायत के आधार पर हुई है।

खदान से बाजार पहुंचते तक प्रति हाईवा रेत का मूल्य 8 हजार : वैध खदान से बाजार पहुंचते तक प्रति हाईवा रेत की कीमत लगभग 8 हजार रुपए है। बाजार पहुंचने के बाद इसकी कीमत सामान्य दिनों में 15 से 16 हजार रुपए में बेची जाती है, वहीं बारिश सीजन में खदानों पर प्रतिबंध लगने के दौरान इसकी कीमत अलग-अलग जिले में 30 हजार से 36 हजार रुपए तक पहुंच जाती हैं। इन दिनों में मीडियम रेत प्रति हाईवा 24 हजार एवं बारीक 30 से 34 हजार रुपए तक पहुंच गई है।

खदानों पर निगरानी रखने ड्रोन एजेंसियों से अनुबंध : राज्य सरकार ने रेत के अवैध कारोबार पर अंकुश लगाने के उद्देश्य से छत्तीसगढ़ खनिज विकास निगम (सीएमडीसी) ने भारत सरकार की डायरेक्टर जनरल ऑफ सिविल एविएशन (डीजीसीए) के माध्यम से ड्रोन एजेंसियों से अनुबंध किया है। इस एजेंसी के लिए नया रायपुर स्थित महानदी भवन में एक कंट्रोल रूम भी स्थापित किया है, जहां इसका एक सेटअप लगाया गया है। अनुबंध के तहत एजेंसी किसी भी जिले से मिलने वाली अवैध रेत खनन की शिकायत पर तत्काल ड्रोन कैमरे के साथ मौके पर पहुंचकर अवैध खनन की तस्वीरे कैद करने के साथ इसके फुटेज खनिज विभाग के उड़नदस्ता विभाग को देना है, जिसके आधार पर उड़नदस्ता बिना देर किए मौके पर पहुंचकर कार्रवाई करेगी।

फिक्स्ड डोज कॉम्बिनेशन वाली...

की रक्षा करने, दवाओं के तर्कसंगत इस्तेमाल को बढ़ावा देने और लोगों के लिए केवल प्रभावी एवं वैज्ञानिक रूप से प्रमाणित दवाओं की उपलब्धता सुनिश्चित करने के उद्देश्य से उठाया गया है।

हाईवे पर मदद मांगने लगाए...

तरह से कबाड़ में तब्दील हो चुके हैं। हालात ऐसे हैं कि अगर हाईवे पर किसी यात्री को तत्काल मदद की चाहिए हो, तो उसे इन बॉक्स से कोई सहयोग नहीं मिल सकेगा।

हरिभूमि ने एनएचएआई के जब दावों की पड़ताल की, तब पता चल की बिलासपुर हाईवे पर हर एक किलोमीटर के दायरे में एक से दो इमरजेंसी बॉक्स लगाए गए हैं, ताकि मुसीबत में फंसे लोग तुरंत संपर्क कर सकें। वर्तमान में ये ज्यादातर बॉक्स पूरी तरह से खराब पड़े हैं। कई जगहों पर इन बॉक्स को ऊर्जा देने वाले सोलर प्लेट टूट चुकी हैं, तो कई जगह से स्पीकर और मदद मांगने वाले बटन ही गायब कर दिए गए हैं। **मेंटेनेंस के अभाव में खराब हुए बॉक्स :** हाइवे में लगे यह बॉक्स खराब होने के बाद इसका मेंटेनेंस कार्य नहीं किया। इस वजह से खराब होने के बाद इसे सुधारा नहीं जा सका हाइवे में मदद के लिए यह अच्छी सुविधा थी, लेकिन रायपुर से बिलासपुर और रायपुर से आरंग की ओर हाइवे में सोलर मैनल से लेकर बॉक्स का ताला भी टूट चुका है। आपातकाल स्थिति में पेट्रोलिंग गाड़ी की मदद के लिए कॉल ही करना पड़ता है। हजारों की संख्या में लगे इस बॉक्स में करोड़ का खर्च किया गया है।

जांच कर जल्द दुरुस्त कराए जाएंगे बॉक्स : हाईवे पर जिन स्थानों पर इमरजेंसी बॉक्स खराब पड़े हैं, उनकी जांच कराई जाएगी और तत्काल ठीक किया जाएगा, ताकि लोगों को समय पर मदद मिल सके। - **दिग्विजय सिंह,** प्रोजेक्ट डायरेक्टर, एनएचएआई

अफसरों से सीधे बात करने...

यह कॉलिंग सुविधा पूरी तरह से बंद हो चुकी है। करोड़ों रुपये की लागत से लगा यह इमरजेंसी कम्यूनिकेशन सिस्टम अब हाईवे पर महज एक ढांचा बनकर रह गया है।

अब मोबाइल से टोल-फ्री नंबर...

उपकरणों की इस बदहाली ने हाईवे पर तत्काल में मदत नहीं मिल पाएगी।

प्रथम पेज के शेष

किसी के हाथ कांपते थे...

पर खुद को पूरी तरह बदल रहे हैं। ऑटिज्म या अन्य अक्षमताओं के कारण इन बच्चों की दुनिया शुरुआत में बहुत अलग होती है। इनके हाथ-पैर स्थिर नहीं रहते और निर्देशों को समझना इनके लिए मुश्किल होता है। ऐसे में इन्हें योग सिखाना बेहद जटिल काम था।

पांच महीने के...

तो वह अपने अंग सीधे नहीं रख पा रहा था। ऐसे में प्रशिक्षकों ने हार नहीं मानी। शुरुआत में रोहन अक्सर चिड़चिड़ा हो जाता था, लेकिन शिक्षकों की लगातार शारीरिक मदद और सांसों की लय समझने के बाद महज 5 से 6 महीने में ही उसकी सेहत और व्यवहार में उल्लेखनीय सुधार देखने को मिला।

सड़क हादसे में जख्मी ...

डा. सोनवानी ने बताया कि कार्यक्रम के समापन में वे शिक्षकों को गुरु दक्षिणा के रूप में कुछ राशि भेंट करना चाह रहे थे।शिक्षकों ने राशि लेने से इंकार किया मगर योग का प्रचार-प्रसार करने और लोगों को इसका मंत्र देने का संकल्प ले लिया।

कभी नहीं हुआ ...

आयुर्वेदिक कालेज में पंचकर्म के लिए आते थे। इस दौरान वहां नियमित योग क्लास को बैठकर चुपचाप देखते थे। एक दिन योग शिक्षक ने समस्या जानकर उन्हें योग करने की सलाह दी।

योग प्राणायाम से बदली ...

बाधित होने के बावजूद उन्होंने अपनी शारीरिक कष्ट को अपनी प्रगति में बाधा नहीं बनने दिया और योग को जीवन का अभिन्न अंग बनाकर प्राणायाम के जरिये आत्मविश्वास की सांसों को स्वास्थ्य जीवन शैली में भर दिया और योग की राह पर चल पड़े। **योग से स्वास्थ्य में हुआ सुधार :** दिव्यांग ऋषि मिश्रा ने बताया कि जीवन में अनेक चुनौतियों और कठिन परिस्थितियों का सामना करना पड़ा, योग एवं प्राणायाम ने उन्हें नई ऊर्जा, आत्मबल और सकारात्मक सोच मिली। उन्होंने बताया कि नियमित योगाभ्यास से उनके शारीरिक स्वास्थ्य में सुधार हुआ, दवाइयां कम हुई, वहीं मानसिक तनाव में भी कमी आई। उन्होंने कहा कि योग से जीवन के प्रति उत्साह और आत्मविश्वास भी बढ़ा।

मिट्टी से उठकर हजारों ...

के बावजूद संजय ने बचपन से ही योग, खेल और आत्मरक्षा के प्रति गहरी रुचि दिखाई। पढ़ाई के साथ-साथ उन्होंने अपने सपनों को भी जीवित रखा और संघर्षों के बीच आगे बढ़ते रहे। संजय का योग और मार्शल आर्ट का सफर कक्षा छठवीं-सातवीं से शुरू हुआ। इसी दौरान उनका परिचय कराटे और योग से हुआ।

योग को अपनाकर ...

दिनचर्या मे शामिल कर लिया जिसका फर्क भी उनके जीवन मे नजर आया। लगभग तीन महीने योगासन करने के बाद जब कमलेश रंगलानी चिकित्सक पास पहुंचे तो वो भी हैरान रह गए कि आखिर इतना बदलाव कैसे हो गया।

50 हजार से अधिक ...

उनकी मुलाकात योग एवं सामाजिक कार्यकर्ता कैलाश चंद्रवंशी से हुई, जिन्होंने उन्हें सामाजिक और योग गतिविधियों से जोड़ा। वर्ष 2007 में धर्म जागरण गतिविधियों से जुड़ने के बाद उन्होंने समाज सेवा को जीवन का उद्देश्य बनाया।

राज्यपाल रायपुर ...

कार्यक्रम की अध्यक्षता मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल करेंगे। कार्यक्रम में छत्तीसगढ़ योग आयोग के अध्यक्ष संजय अग्रवाल अति विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहेंगे।

योग प्राचीन भारत की अमूल्य धरोहर-साय : मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने अंतरराष्ट्रीय योग दिवस को जनस्वास्थ्य और जनजागरूकता का महत्वपूर्ण अभियान बताते हुए कहा, योग भारत की प्राचीन ज्ञान परंपरा की अमूल्य धरोहर है, जो आज पूरी दुनिया को स्वस्थ और संतुलित जीवन का मार्ग दिखा रही है।

योग से जीती जिंदगी...

हार मान लेने की मानसिकता। अंजय कहते हैं कि शारीरिक कमजोरी व्यक्ति को नहीं रोकती, हार मान लेने की सोच रोकती है, इसलिए सबसे पहले अपनी सोच में दृढ़ता लाना जरूरी है।

एक हजार को किया ...

डॉ. दिल्लीवार ने वर्ष 1994 में योग निर्देशन में डिप्लोमा किया। इसके बाद से वे लगातार सरकारी स्कूल के शिक्षकों को योग का प्रशिक्षण दे रहे हैं। 2008 में गणतंत्र दिवस समारोह में म्यूजिक के साथ योग कराने के बाद वे चर्चा में आए। वर्तमान में राष्ट्रीय योग निर्णायक भी हैं। 61 वर्षीय डॉ. दिल्लीवार दुर्ग के मीनाक्षी नगर में निवासरत हैं। इसके वे सुरडुंग शासकीय स्कूल में प्रभारी प्राचार्य हैं।

राहुल आएंगे ...

आवासीय प्रशिक्षण शिविर में कांग्रेस के शीर्ष नेता संगठन को बूथ स्तर तक मजबूत करने की रणनीति पर मंथन करेंगे। कार्यक्रम के पहले दिन प्रदेश प्रभारी सचिन पायलट प्रशिक्षण शिविर में शामिल होकर जिला अध्यक्षों को संबोधित करेंगे, जबकि राहुल गांधी रविवार को शिविर में पहुंचकर संगठन को दिशा देंगे।

इन विषयों पर ...

पर विस्तृत चर्चा की जाएगी। जिला अध्यक्षों से उनके क्षेत्रों की रिपोर्ट भी ली जाएगी, ताकि भविष्य की रणनीति उसी आधार पर तैयार की जा सके।

प्रदेश से जुड़े मुद्दों ...

उन्होंने कहा, कल इस शिविर में राहुल गांधी मौजूद रहेंगे और सभी नेता खुलकर चर्चा करेंगे। इसमें प्रदेश से जुड़े मुद्दों के साथ-साथ देशभर के विषयों पर भी बात होगी। इसमें नीट परीक्षा और छात्रों के भविष्य से जुड़े मुद्दों पर भी मंथन किया जाएगा।

खुद अंधेरे में हैं ...

बावजूद दूसरों की जिंदगी को चमकाना, किसी सुपरहीरो पिता से कम नहीं है। **संतोष की जुबानी : पिता खून का नहीं, समर्पण का रिश्ता है :** संतोष चिढोकर भावुक होकर बताते हैं, जब कोई बच्चा पहली बार स्कूल आता है, तो डरा हुआ होता है। उसके माता-पिता भी परेशान रहते हैं कि उनके बच्चे का भविष्य क्या होगा।

भारत सरकार में सचिव बने एफएटीएफ उपाध्यक्ष

नई दिल्ली। भारत को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर बड़ी सफलता मिली है। भारत सरकार के सचिव विवेक अग्रवाल को फाइनेंशियल एक्शन टास्क फोर्स का उपाध्यक्ष चुना गया है। एफएटीएफ दुनिया भर में मनी लॉन्ड्रिंग और आतंकवाद की फंडिंग पर नजर रखने वाली सबसे अहम संस्थाओं में से एक है। विदेश मंत्रालय ने इसे भारत के 1994 बैच के मध्य प्रदेश कैडर के आईएएस अधिकारी विवेक अग्रवाल फिलहाल संस्कृति मंत्रालय में सचिव हैं।

दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे
ई–निविदा सूचना

निविदा संख्या: ईएल–जी–ई–ओटी–26–27–13 दिनांक 17.06.2026
कार्य का नाम: विद्युत कार्य हेतु –"नागपुर मंडल के विद्युत (G) उप–स्टेशनों में सुरक्षा और विद्युत आपूर्ति की विश्वसनीयता में सुधार"। निविदा मूल्य: ₹ 1,69,69,159.00, बिड सुरक्षा राशि: ₹ 3,39,400.00
उपरोक्त निविदा का प्रस्तुतिकरण: 03/07/2026 से 17/07/2026 तक दोपहर 15:00 बजे तक, उपरोक्त निविदा के खोलने की तिथि: 17/07/2026 को दोपहर 15:00 बजे
अधिक जानकारी हेतु Sr.DEE(RS&G)/NAG कार्यालय से संपर्क करें अथवा निविदा दस्तावेज हमारी वेबसाइट www.ireps.gov.in से देखें / डाउनलोड करें।
वरि. मंडल विद्युत अभियंता (आरएस एण्ड जी)
PAM/01/01 द.पू.म. रेलवे / नागपुर
South East Central Railway @secrail

डॉ. श्यामाप्रसाद मुखर्जी अंतरराष्ट्रीय सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान
DR. SHYAMA PRASAD MUKHERJEE INTERNATIONAL INSTITUTE OF INFORMATION TECHNOLOGY, NAYA RAIPUR
(A Joint Initiative of Govt. of Chhattisgarh & NTPC)

B. Tech. and M. Tech Admissions 2026

IIIT Naya Raipur invites applications for admission to its following programs:
B. Tech. (Computer Science & Engineering)
B. Tech. (Electronics & Communication Engineering)
B. Tech. (Data Science & Artificial Intelligence)
M. Tech. (Computer Science and Engineering)
M. Tech. (Electronics and Communication Engineering)
Under **Chhattisgarh** and **NTPC Quota,** and also **M. Tech.** (Data Science & Artificial Intelligence with CMIT Fellowship) for Chhattisgarh Domicile. The last date for online application is 06th July 2026 (B.Tech); 08th July 2026 (M.Tech) and 30th June 2026 (CMIT - MTech) Please visit **https://www.iiitnr.ac.in/content/b-tech-admission-2026** (for B.Tech admissions) and **https://www.iiitnr.ac.in/content/mtech-admission-2026** (for M.Tech admissions) or contact 0771-2474182 for details.

भारत की सुरक्षा, समृद्धि और सामरिक ताकत का एक बेहद अहम स्तंभ है पूर्वी क्षेत्र : राजनाथ

अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के पूर्व में वायुसेना की पूर्वी कमांड द्वारा आयोजित एक समारोह में बोले रक्षा मंत्री

हरिभूमि न्यूज ▸▸ नई दिल्ली

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने शनिवार को चीन सीमा से लगे हुए भारत के पूर्वी क्षेत्र को लेकर एक बड़ा बयान दिया है। जिसमें उन्होंने दो टूक अंदाज में कहा कि यह इलाका देश की भौगोलिक सीमाओं का एक हिस्सा मात्र नहीं है। बल्कि यह हमारे देश की सुरक्षा, समृद्धि और सामरिक ताकत का एक बेहद महत्वपूर्ण स्तंभ है। जिसे मैं, भारत की सामरिक नियति का एक सांस्कृतिक हिस्सा मानता हूं। यहां हमारी सीमाएं, नदियां और संस्कृति सब एक-दूसरे के साथ आपस में जुड़ी हुई हैं। जब हम पूर्व की बात करते हैं। तो केवल देश के मानचित्र पर अंकित एक हिस्से की बात नहीं करते हैं। बल्कि हम उस विविधतापूर्ण भाग की चर्चा करते हैं। जहां इतिहास, भूगोल के साथ-साथ सुरक्षा और भविष्य भी मौजूद है। वहीं, इसमें कोई दोराय नहीं है कि इलाके में हमारी सामरिक स्थिति जितनी मजबूत होगी। उतनी हमारी समूची सुरक्षा भी चाक-चौबंद होगी। यह जानकारी रक्षा मंत्री ने 20 जून को शिलांग में वायुसेना की पूर्वी कमांड के मुख्यालय में आयोजित किए गए 'रक्षा सांस्कृतिक संध्या' नामक समारोह को संबोधित करते हुए दी है। बताते चलें कि रक्षा मंत्री का यह बयान एक ऐसे समय पर सामने आया है। जब बीते काफी वक्त से चीन पूर्वी सीमा के कई इलाकों के स्वतः ही नाम परिवर्तित कर एक सूची जारी कर रहा है। चीन की इस पूरी कवायद को हालांकि विदेश मंत्रालय समय-समय पर आधिकारिक रूप से खारिज करता आया है।

आज वायुवीरों संग करेंगे योगासन

रक्षा मंत्री रविवार 21 जून को अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के मौके पर वायुसेना के शिलांग स्थित एडवांस लैंडिंग ग्राउंड (एएलजी) में आयोजित एक कार्यक्रम में योगासन करते हुए नजर आएंगे। जिसे ध्यान में रखते हुए वह 20 से 21 जून तक मेघालय की यात्रा पर हैं। यात्रा की शुरुआत में राजनाथ सिंह ने लेतकोर पीक स्थित वायुसेना 509 सिग्नल यूनिट का दौरा कर वहां वायुवीरों से सीधे संवाद किया। साथ ही यूनिट की परिचालन और सुरक्षा संबंधी तैयारियों की भी समीक्षा की है। रक्षा मंत्री के साथ वायुसेनाप्रमुख एयरचीफ मार्शल ए.पी.सिंह और बल के कई अन्य वरिष्ठ अधिकारी भी मौजूद रहे। योग दिवस के कार्यक्रम में शामिल होने के बाद रक्षा मंत्री मेघालय के मुख्यमंत्री से भी मुलाकात कर सकते हैं।

कार्यालय नगर पंचायत गुरूर, जिला - बालोद (छ.ग.)
Email : nagarpanchayatgurur@gmail.com, Phone No : 07749-299800,

-:: ई-प्रोक्यूरमेंट निविदा आमंत्रण द्वितीय सूचना ::-
Main Portal: http//eproc.cgstate.gov.in

क्रमांक/377/लो.नि.वि./ई-निविदा/2026-27 गुरूर, दिनांक 19/06/2026

नगर पंचायत गुरूर अनुपचारित जल प्रबंधन घटक अंतर्गत निम्नानुसार कार्य के लिये छ.ग. के लोक निर्माण विभाग में एकीकृत पंजीयन प्रणाली अंतर्गत उपयुक्त श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदारों से प्रमुख अभियंता लोक निर्माण विभाग, छत्तीसगढ़ रायपुर द्वारा जारी प्रभावशील दर अनुसूची अनुसार लमसम दर पर कार्य संपादन हेतु दिनांक 06/07/2026 तक ऑनलाईन (Online) निविदा आमंत्रित की जाती है -

क्र.	कार्य का नाम	टेण्डर सिस्टम नम्बर	अनु. लागत (लाख में)	अमानत राशि (लाख में)	ठेकेदार की श्रेणी	कार्य पूर्ण करने की अवधि	प्रभावशील दर अनुसूची
01	02	03	04	05	06	07	08
1	Construction, Testing, Commissioning of all the Components of Interception and Diversion Based Sewage Treatment Plant (STP) work including 05 Years of Operation and Maintenance of the Entire System in NAGAR PANCHAYAT, GURUR under SBM 2.0	193760	388.65	1.94	ब एवं उच्च वर्ग	15 माह	LUM-SUM

उपरोक्त कार्य का निर्धारित अमानत राशि, निविदा की सामान्य शर्ते, निविदा दस्तावेज व कार्य से संबंधित अन्य विस्तृत जानकारी कार्यालयीन अवधि में नगर पंचायत गुरूर कार्यालय के लोक कर्म शाखा से प्राप्त की जा सकती है। साथ ही यह जानकारी ई-प्रोक्योरमेंट वेब पोर्टल Main portal:eproc.cgstate.gov.in से डाउनलोड की जा सकती है।

मुख्य नगर पालिका अधिकारी
नगर पंचायत गुरूर, जिला बालोद (छ.ग.)

राशिफल

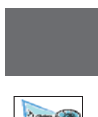
मेष — मन में शान्ति एवं प्रसन्नता रहेगी। नौकरी में कार्यक्षेत्र में परिवर्तन हो सकता है। परिश्रम अधिक रहेगा। जीवनसाथी के स्वास्थ्य का ध्यान रखें।

वृष — अपनी भावनाओं को वश में रखें। परिवार के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। कारोबार में कुछ समस्याएं आ सकती हैं। भाई-बहनों का सहयोग मिल सकता है।

मिथुन — मन परेशान रहेगा। व्यर्थ के क्रोध एवं वाद-विवाद से बचें। परिवार के साथ किसी धार्मिक स्थान की यात्रा पर जा सकते हैं। स्वास्थ्य का ध्यान रखें।

कर्क — आत्मविश्वास तो बहुत रहेगा, परन्तु मन परेशान हो सकता है। परिवार का साथ मिलेगा। किसी मित्र के सहयोग से आय के स्रोत विकसित हो सकते हैं।

सिंह — शैक्षिक कार्यों में कठिनाई हो सकती है। सचेत रहें। किसी मित्र से कारोबार का प्रस्ताव मिल सकता है। कारोबार के लिए विदेश यात्रा लाभप्रद रहेगी।

कन्या — मन प्रसन्न रहेगा, परन्तु नौकरी में अफसरों से व्यर्थ के वाद-विवाद से बचें। कठिनाइयों का सामना करना पड़ सकता है। कोई जिम्मेदारी मिल सकती है।

तुला — आत्मविश्वास में कमी रहेगी। नौकरी के लिए साक्षात्कारादि कार्यों में सफलता मिलेगी। शैक्षिक कार्यों में व्यवधान आ सकते हैं।

वृश्चिक — आत्मविश्वास भरपूर रहेगा। आत्मसंयत भी रहे। पारिवारिक जीवन सुखमय रहेगा। नौकरी में कोई अतिरिक्त जिम्मेदारी मिल सकती है।

धनु — मन में उतार-चढ़ाव रहेंगे। पिता के स्वास्थ्य में सुधार होगा। परन्तु जीवनसाथी के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। रहन-सहन कष्टमय हो सकता है।

मकर — वाणी में मधुरता रहेगी, परन्तु धैर्यशीलता में कमी रहेगी। माता के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। खर्चों में वृद्धि होगी। परिवार का साथ मिलेगा। आय में वृद्धि होगी।

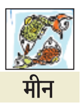
कुंभ — मन प्रसन्न तो रहेगा, परन्तु संयत भी रहें। क्रोध से बचें। सन्तान के स्वास्थ का ध्यान रखें। खर्चों में वृद्धि होगी। कारोबारी कार्यों में व्यस्तता बढ़ेगी।

मीन — शान्ति एवं प्रसन्नता रहेगी। नौकरी में कार्यक्षेत्र में परिवर्तन हो सकता है। परिश्रम अधिक रहेगा। जीवनसाथी के स्वास्थ्य का ध्यान रखें।

शब्द पहेली - 6263

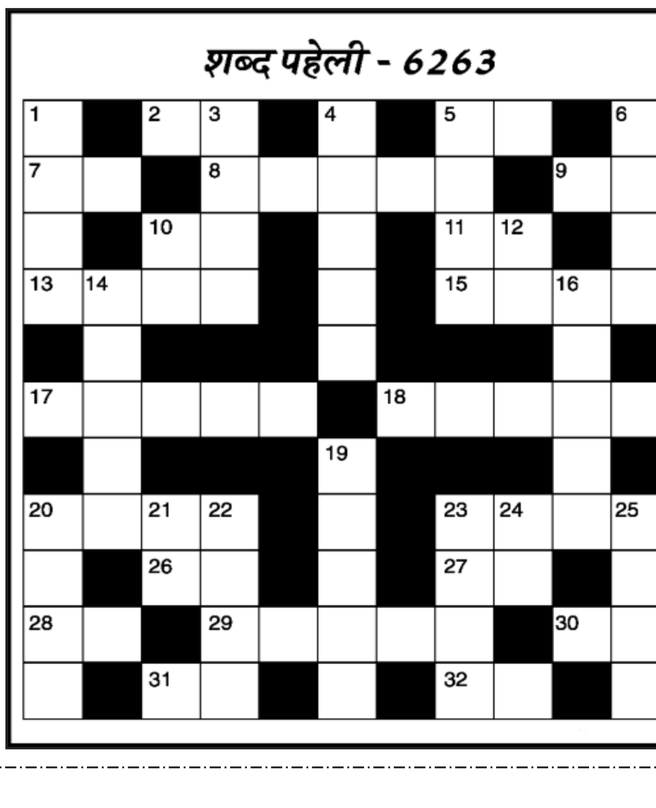

बाएँ से दाए-
2. पिता की बहन-2
5. कठोर-2
7. खून, रुधिर-2
8. मशरूम, फफूंद-3,2
9. इसे मकड़ी बुनती है-2
10. अपशिष्ट पदार्थ-2
11. धैर्य, संयम-2
13. स्फूर्ति, चंचलता-4
15. ओस, निशाजल-4
17. राशि निर्धारण-5
18. हलकापन-5
20. खालीपन, रिक्तता-4
23. स्नान करवाना-4
26. दंड-2
27. कार्य-2
28. कुर्बानी-2
29. कहानी का लेखक-5
30. प्रतिबिंब-2
31. गाना, नगमा-2
32. मां की मां-2

ऊपर से नीचे
1. बंदूक की गोली-4
3. व्याकुलता-4
4. दौरान, मध्य में-5
5. सत्ताधारी-4
6. नरम, अकठोर-4
10. शराब, सुरा-2
12. ईश्वर-2
14. गतिशीलता-5
16. नवीन, नया -2,3
19. उद्योगपति अनिल अंबानी की पत्नी का पूर्व नाम-5
20. प्रतिपूर्त व अनुपुर्त करना (अंग्रेजी-4)
21. मवाद-2
22. नाजुकता-4
23. मना करना-4
24. मैं का बहुवचन -2
25. नाकारा, बेकार-4

शब्द पहेली -6262 का हल

सूडोकू नवताल- 6273

★☆☆☆☆ सरल

2	9			5				4
4			2		7		8	
	1	6		8				3
8		5		9				7
3	6			2			1	9
1				3		5		2
5				7		6	3	
	3		1		8			5
9				6			2	1

MANGAL SENACHA, BANGALORE

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकू नवताल- 6272 का हल

7	8	1	6	9	4	2	5	3
2	6	4	5	3	6	1	7	9
5	3	9	1	2	7	4	6	8
9	5	8	7	4	1	3	2	6
1	2	3	9	5	6	7	8	4
4	7	6	3	8	2	9	1	5
3	9	7	2	6	5	8	4	1
6	4	2	8	1	9	5	3	7
8	1	5	4	7	3	6	9	2

पिता दिवस विशेष

आम लोग हों या सेलिब्रिटी, हर किसी के जीवन में पिता बहुत मायने रखते हैं। भले ही वे संतान से जुड़ी अपनी भावनाओं को व्यक्त ना करते हों, लेकिन उसके जीवन को संवारने के साथ उसे हमेशा सुरक्षा और संबल देते हैं। अलग-अलग क्षेत्र से जुड़ी कुछ नामचीन हस्तियां यहां बता रही हैं कि अपने पिता से उनकी कैसी बॉन्डिंग रही है, उन्होंने किस-किस तरह से उनका हौसला बढ़ाया, उनके जीवन को संवारा।

उदात्त-अद्वितीय पिता का साया

मेरी सफलता का सारा श्रेय पिताजी को जाता है

अनूप जलोटा, गायक

मेरे पिता श्री पुरुषोत्तम दास जलोटा ने मुझे पढ़ाने-लिखाने पर जितना ध्यान दिया, उतना ही गुरु के रूप में संगीत सिखाने के लिए भी हर संभव प्रयास किया। इस तरह वे मेरे पिता व गुरु दोनों थे। मेरे लिए वे ईश्वरतुल्य हैं, मुझे उनकी बहुत कृपा प्राप्त हुई। मेरी सफलता का सारा श्रेय पिताजी को जाता है। संगीत के क्षेत्र में करियर कैसे बनाना है, आगे कैसे बढ़ना है, सब उन्हीं का मार्गदर्शन रहा। उन्होंने जो कहा, मैंने वैसा किया। उन्होंने मुझे जीवन की एक ऐसी सीख दी, जिसे मैं आज भी याद रखता हूं। उन्होंने कहा था, 'बेटा सबसे प्रेम से मिला करो। चाहे कितना भी सफल हो जाना, घमंड कभी मत करना। ये नेम-फेम क्षणिक होता है। इसलिए अगर लोगों से प्रेम से मिलोगे, उनसे मधुर संबंध बनाओगे तो यह जीवन भर बहुत काम आएगा।'

बतौर संगीत गुरु मेरे पिताजी बहुत सख्त और अनुशासनप्रिय थे। मुझे याद है, मैं जब सात-आठ साल का था, तब वे अकसर मुझे एक तानपुरा देकर कमरे में बंद कर देते और कहते थे कि अब दो घंटे बस एक ही सुर लगाओ। उस समय मुझे यह बहुत मुश्किल लगता था, लेकिन उस समय मैंने जो सुर लगाने का अभ्यास किया, वो आज तक बरकरार है। एक बार मुझे एक प्रोग्राम में गाने के लिए बुलाया गया, लेकिन आयोजकों के पास तबला, हारमोनियम वादक नहीं थे। मैंने सोचा कि मैं बिना संगत के कैसे गाऊंगा? मैंने पिताजी को सारी बात बताई। इस पर पिताजी बोले, 'तुम आज से हारमोनियम बजाना सीखो।' मैंने वैसा ही किया। उस समय मैं आठ वर्ष का था। तब से आज तक गाते समय मैंने कभी किसी हारमोनियम वादक को संगत के लिए नहीं बुलाया। मैं गाते वक्त खुद हारमोनियम बजाता हूं। कहने का मतलब है कि उनकी हर सीख ने बतौर गायक मुझे संवारा। उनकी हर सीख मेरे साथ हमेशा रहती है।*

जीवन के हर पड़ाव पर पापा हमेशा मेरे साथ खड़े रहे हैं

स्नेहा चक्रधर, भरतनाट्यम नृत्यांगना

मैं बहुत भाग्यशाली हूं कि एक ऐसे माहौल में पैदा हुई, जहां साहित्य व संगीत दोनों लगातार मौजूद रहे। ऐसा माहौल आम घरों में आसानी से नहीं मिलता, लेकिन मुझे विरासत में मिला। इसी माहौल ने मेरे व्यक्तित्व का निर्माण किया। बचपन से मैं देखती थी कि मेरे पापा, श्री अशोक चक्रधर जो भी काम करते हैं, बेहद परफेक्शनिज्म के साथ करते हैं। कोई कमी न रह जाए, इसलिए पूरा तन-मन-धन लगा देते हैं। बचपन की एक घटना मुझे याद है कि एक बार मैंने अपनी किसी सहेली से बोला, 'अगर मेरे पापा मोची होते तो दुनिया का सबसे सुंदर जूता बनाते।' मतलब, मैं बचपन से जानती थी कि पापा के काम में कमी निकालना बहुत मुश्किल काम है। मैंने समाजशास्त्र और नृत्य दो विषयों को चुना और इन दोनों को एक साथ देखने, समझने की प्रेरणा मुझे पापा से ही मिली। पापा का व्यक्तित्व बहुआयामी रहा है, चाहे फिल्म निर्माण हो, लेखन, कविता, नाटक, साहित्यिक आलोचना, कला, शिक्षण या प्रशासन हर क्षेत्र में उन्होंने अपनी विशिष्ट पहचान बनाई। उनके इसी बहुआयामी दृष्टिकोण से मैंने सीखा कि अलग-अलग रुचियों और ज्ञान क्षेत्रों को जोड़कर ही एक समृद्ध और सार्थक जीवन जिया जा सकता है। जीवन के हर पड़ाव पर पापा हमेशा मेरे साथ खड़े रहे हैं। हर चुनौती या मुश्किल समय में उन्होंने मेरा साथ दिया। उनकी बेटी होने के मुझे बहुत फायदे मिले हैं। चाहे दिल्ली के प्रतिष्ठित सांस्कृतिक और बौद्धिक परिवेश हों या छोटे-छोटे गांव, जहां भी मैं कार्यशालाओं के लिए गई। जब लोगों को पता चलता था कि मैं काका हाथरसी की नातिन और अशोक चक्रधर की बेटी हूं तो जो अपनापन, प्यार, स्वागत, सत्कार मेरा होता रहा है कि उसे शब्दों में व्यक्त करना मुश्किल है। अब मैं अमेरिका में बस गई हूं लेकिन आज भी जब पापा कुछ नया लिखते हैं तो मम्मी के बाद मैं उनकी दूसरी पाठक/श्रोता होती हूं। मैं उनसे रोज बात करती हूं और चाहती हूं कि वे हमेशा स्वस्थ रहें और लिखते रहें।*

प्रस्तुतिः रेणु खंतवाल

अपने पिता को मैं हर सांस में याद करता हूं

चित्तरंजन त्रिपाठी, एनएसडी डायरेक्ट-एक्टर

मेरे पिता श्री विश्वनाथ त्रिपाठी मेरे आदि गुरु हैं। मैंने अपने कला व सामाजिक जीवन में जो कुछ सीखा उसमें उनकी सबसे बड़ी भूमिका रही। पिताजी विद्वान होने के साथ सिंगर व एक्टर भी रहे हैं। वे कहते हैं, 'जीवन में कभी किसी का बुरा न करना, न सोचना। जीवन के हर मोड़ या परिस्थिति में सुकर्म करते रहना।' मूलतः उन्होंने मुझे यही सिखाया।

मुझे याद है, मैं बहुत छोटा था तभी मां का देहांत हो गया। हम तीनों भाई-बहन छोटे थे। उन्होंने हमें अकेले पाला। तमाम घरेलू काम अकेले करना, खाना बनाने से लेकर अपना काम भी करना। वे चाहते तो दूसरी शादी करके अपने जीवन को आसान बना सकते थे, लेकिन उन्होंने पूरा जीवन हम पर लगा दिया। तमाम कठिनाइयों को कठिनाई न मानकर हंसकर करने वाले व्यक्ति मेरे पिता हैं। उनकी परवरिश, देखभाल ऐसी थी कि हमें कभी मां की कमी महसूस ही नहीं हुई। समय पर खाना मिला, साफ धुले कपड़े, बिस्तर। रात को सोने से पहले हमारे पैर के तलवों पर तेल लगाना और रात को हमें दूध का गिलास पिलाना वे कभी नहीं भूलते थे।

संगीत की शुरुआती शिक्षा मैंने उन्हीं से ली। एक बार पिताजी ने मुझे 15 अगस्त पर ब्लॉक स्तर की गायन प्रतियोगिता में भाग लेने के लिए भेजा। उस समय मैं बहुत छोटा था, वहां जाकर डर गया और बिना गाए वापस घर आ गया। घर आकर पिताजी को बताया तो उन्होंने कहा, 'जिसका बाप जिंदा हो वह बच्चा कभी हार या डर नहीं सकता।'

अगले साल मैंने फिर उसी प्रतियोगिता में भाग लिया और मुझे पुरस्कार मिला। उसके बाद मैंने कभी पीछे मुड़कर नहीं देखा। कहने का अर्थ है कि आर्थिक रूप से तंगी के बावजूद पिताजी ने हमें दुनिया के आगे सकारात्मक रूप से कैसे खड़ा होना है, यह सिखाया। यह भी समझाया, 'तुम्हारी सारी जिम्मेदारी मेरी है, तो तुम्हें डर किस बात का!'

मैंने 1998 में जब पहली बार 'ताजमहल का टेंडर' नाटक किया तब उन्हें उड़ीसा से दिल्ली नाटक देखने बुलाया था। नाटक समाप्त होने के बाद जब उन्होंने देखा कि दर्शक लगातार तालियां बजा रहे हैं, मुझे बधाई दे रहे हैं तो उन्हें बहुत गर्व हुआ। रात को खाना खाते वक्त उन्होंने मेरी पीठ थपथपाई और कहा, 'बहुत अच्छा हुआ कि तुमने अपने दिल की आवाज सुनी और किसी नौकरी में खुद को नहीं बांधा।' वे खुद अच्छे कलाकार हैं, इसलिए समझते हैं कि एक कलाकार को जो तालियां और प्रोत्साहन जनता से मिलता है, वह अनमोल होता है। उनसे जुड़ी कई मीठी यादें मेरी स्मृतियों में दर्ज हैं। एक बार मैं स्कॉलरशिप लेकर लंदन पढ़ने गया था। मैंने उन्हें फोन किया और कहा, 'बधाई हो आप लंदन में घूम रहे हैं।' तो बोले, 'मैं लंदन कब चला गया?' तब मैंने कहा, 'मैं आपका अंश हूं, संपूर्ण तो आप हैं। अगर मैं यहां पढ़ रहा हूं, घूम रहा हूं, तो वह आप ही हैं।' इस पर वह मुस्कुरा दिए। आज भी जब मैं अपने घर (ओडिशा) जाता हूं तो पिताजी से खूब देर तक ढेर सारी बातें करता हूं। हालांकि वे 90 वर्ष के हो चुके हैं। लेकिन मेरी बातों को ध्यान से सुनते हैं, अपने मन की बात भी कहते हैं। फादर्स डे के खास मौके पर पर मैं उनसे यही कहना चाहूंगा, 'मैं आपको हर सांस में याद करता हूं। हर पल आप मेरे दिलोदिमाग में रहते हैं। इसलिए मेरे लिए तो रोज फादर्स-डे है।'*

{ आवरण कथा }

मैं उसी तरह का इंसान हूं, जैसे पिताजी थे

वरुण बडोला, अभिनेता-लेखक

मेरे पिता विश्वमोहन बडोला जाने-माने रंगकर्मी और पत्रकार थे। पढ़ने-लिखने के बहुत शौकीन। बचपन में मेरे सामने भी दो विकल्प थे कि मैं भी उनकी तरह पत्रकार बन जाऊं या कलाकार। मैंने अभिनय को चुना। लिखने का शौक भी मेरे अंदर पिताजी से ही आया। चूंकि मैं एक कलाकार के घर में पल रहा था तो उस वातावरण में मैं बहुत सारी थिएटर, अभिनय और स्टेज से जुड़ी शुरुआती बेसिक स्किल्स, जो लोग बाहर जाकर कोर्स करके सीखते हैं, जैसे- कैसे बोलना है, चलना है, भाषा, उच्चारण आदि, यह सब मैंने पिताजी से घर पर ही सीखीं। उन्हें थिएटर और रेडियो में काम करते हुए देखकर, सुनकर सीखा, समझा। एक कलाकार के घर जन्म लेने का यह फायदा मुझे मिला। जब मैं हताशा और निराशा के पलों में होता तो भी वे मुझे बहुत अच्छी तरह से समझाते थे। मुझे लगता है कि हर पिता में यह दूरदर्शिता होती है और जब बात अपने बच्चों पर आ जाती है, तब वे पहले ही भांप लेते हैं कि जो स्थिति है उसका परिणाम क्या हो सकता है? ऐसा कई बार हुआ, मैं किसी परिस्थिति से जूझ रहा होता और वे मुझे कहते थे कि मुझे ऐसा लग रहा है कि आने वाले दिनों में परिस्थितियां ऐसे बदलेंगी और इस तरीके की एक तस्वीर सामने आएगी। इसके अलावा कोई काम करना चाहिए या नहीं करना चाहिए। या एक ही जगह पर रुक जाना चाहिए? इस तरह की बहुत-सी बातों पर वे अपनी राय रखते थे।

आज पापा को गए छह साल हो चुके हैं। मेरा और पापा का रिश्ता बहुत कुछ अनकहे पर आधारित था। हमारी एक-दूसरे को लेकर जो सोच और भावनाएं थीं, वह हम दोनों ने शब्दों में बहुत ज्यादा कभी व्यक्त नहीं की, लेकिन मैं यह मानता हूं कि भावनाओं का आदान-प्रदान बिना कुछ कहे भी हो सकता है। मैं उसी तरह का इंसान हूं, जिस तरह के वे थे। समय के साथ रिश्ते आगे बढ़ते हैं लेकिन ऐसा कभी नहीं हुआ कि हम दोस्त हो गए। मैं चाहता भी नहीं था कि मेरे पिताजी मेरे दोस्त बने। मैं अपने पिताजी को पिता के रूप में ही देखना चाहता था।*

{ कहानी / प्रभा पारीक }

सुरक्षा कवच

पेशे से वकील माथुर साहब के घर में बने ऑफिस वाले कमरे में उनके वृद्ध पिताजी भी बैठे रहते। पिताजी को लगता कि उनकी वजह से बेटे को असुविधा होती होगी। लेकिन एक बार जब उन्होंने अपने पुत्र को पौत्र से उस कमरे और अपने बारे में बात करते सुना तो वे भावविभोर हो गए। पिता-पुत्र के संबंध पर आधारित मार्मिक कहानी।

माथुर साहब के घर का वह कमरा सबसे महत्वपूर्ण था। उनके दादाजी के द्वारा बनवाया गया यह घर आज के जमाने को देखते हुए काफी बड़ा और हवादार था। उसमें भी आंगन वाले इस कमरे की बात अलग ही थी। पूरे दिन सारा कमरा माथुर साहब के पिताजी द्वारा पूजा में चढ़ाए फूलों व अगरबत्ती की खुशबू से सराबोर रहता। इस कमरे की सफाई घर में सबसे पहले होनी चाहिए, यह नियम वर्षों से था। कुछ फालतू सामान कमरे में रखा हो तो माथुर साहब स्वयं बाहर रख आते। प्रतिवर्ष पिताजी की कुर्सी-पलंग, दरवाजे-खिड़कियों पर पॉलिश होती। इसीलिए पूरा कमरा चमकता दिखता।

पेशे से वकील माथुर साहब ने पिताजी के इसी कमरे को अपना ऑफिस बना रखा था। ऑफिस के समय के दौरान घर का कोई भी सदस्य कमरे के अंदर नहीं आता। बच्चे भी दादाजी के पास शाम के बाद ही आते। दिन भर वकील साहब के पास लोगों का आना-जाना लगा रहता। पिताजी को भी इसकी आदत हो गई थी। शुरू-शुरू में एक-दो बार दबी जुबान से बेटे को कमरा बदल लेने की सलाह दी भी थी, पर माथुर साहब ने साफ इनकार कर दिया। फिर पिताजी ने भी इस विषय पर मौन धारण कर लिया था। काफी बड़ा हॉल नुमा कमरा था। माथुर साहब के पिताजी कमरे के एक कोने में बैठ कर किताब या अखबार पढ़ते कभी धीमी आवाज में रेडियो सुनते। कमरे में मौजूद छोटे से मंदिर के पास रैक में रखी धार्मिक पुस्तकें कमरे का अहम हिस्सा थीं। माथुर साहब की ओर से पिताजी के लिए कोई रोक-टोक नहीं थी। वह अपने हिसाब से पूजा-पाठ या मंत्रोच्चार करते रहते। जब उनके लिए चाय आती तब पिताजी को भी देते। पिताजी की खाने-पीने की सीमित आदतों के कारण उन्हें कोई शारीरिक तकलीफ तो नहीं थी, पर उम्र तो थी ही। माथुर साहब के पास वकालत के काम से आने-जाने वाले लोगों को पिताजी भी पहचानते थे, दुआ-सलाम के लिए वो भी अकसर उनके पास आ बैठते।

कुल मिलाकर पिताजी की उपस्थिति से माथुर साहब को कोई तकलीफ नहीं होती। पिता को क्या तकलीफ है इसकी उनको परवाह नहीं थी, ऐसा पिताजी का मानना था। उन्होंने अकसर ऐसा महसूस भी किया था पर पिताजी को इतना संतोष था कि इस बहाने से बेटा पूरे दिन उनकी आंखों के सामने रहता है। उन्हें भी अलग-अलग तरह के लोगों को नजर भर देखते रहने का अवसर मिलता। वर्षों यही सिलसिला चलता रहा। माथुर साहब का बेटा भी अब पढ़-लिखकर वकालत के लिए तैयार हो गया। उनके साथ ही काम करने लगा था। बेटे को भी यह कमरा पसंद था, क्योंकि इस कमरे में सारी सुविधाएं थीं। पर उस कमरे में दादाजी की उपस्थिति पोते को नहीं भाती थी। एक दिन उसने माथुर साहब से कहा, 'दादाजी का कमरा बदल दें या हम अपना ऑफिस किसी दूसरी जगह पर शिफ्ट कर लेते हैं।' वर्षों से माथुर साहब की पत्नी भी यही चाहती थीं, क्योंकि पिताजी की उपस्थिति के कारण वह कभी पति के पास जाकर बैठ नहीं पाती थीं। लेकिन लंबी बहस के बाद भी जब माथुर साहब इस बात के लिए तैयार नहीं हुए तो बेटा दो दिन रूठा रहा। माथुर साहब ने समस्या की गंभीरता को समझते हुए बेटे को दूसरी जगह, जहां वह चाहे, ऑफिस लेने की अनुमति दे दी, और साथ में आशीर्वाद भी। बेटे से माथुर साहब बोले, 'मैं तो यहीं से काम करूंगा। तुम अपने निर्णय के लिए स्वतंत्र हो।'

अंत में ऐसा ही हुआ, जैसा बेटा चाहता था। नई पीढ़ी हमेशा से नई सोच के साथ ही काम करती है। उसके लिए संस्कार, मूल्य कहां मायने रखते हैं। इसीलिए कुछ केस उसने अनुभव न होने के कारण ऐसे स्वीकार कर लिए, जिसमें अपयश की संभावनाएं अधिक थीं पर उसे तो मोटी फीस नजर आ रही थी। माथुर साहब ने भी सोचा परिपक्वता के लिए ठोकर और असफलता भी जरूरी है। इसी सोच के कारण उन्होंने बेटे के काम में दखल नहीं दिया। अब तो उसके पास इसी तरह के ही केस आने लगे और मुंह मांगी रकम के ऑफर भी। पर अनुभवहीन पुत्र तो पहले वाले केस को ही अभी पूरा नहीं कर पाया था। मुवक्किल का सामना करना भी आसान न था। नतीजा हुआ कि वह बहुत तनावग्रस्त रहने लगा। अपने सारे तनाव व चिंता लेकर वह एक दिन माथुर साहब के पास आकर बैठा। उस दिन किसी मुवक्किल के न होने के कारण पिता-पुत्र कमरे में अकेले थे। पुत्र ने उस दिन अपने मन का सारा तनाव पिता को कह सुनाया। कोने में बैठे उसके दादाजी भी सारी बातें सुन रहे थे। सारी बात सुनकर माथुर साहब ने अपने पुत्र से कहा, 'मेरी सफलता, मान-सम्मान के पीछे अगर किसी की सबसे बड़ी भूमिका है तो यह कमरा और इसमें बैठे रहने वाले तुम्हारे दादाजी हैं। जब मैंने काम शुरू किया तभी से यह कमरा मुझे सुरक्षा देता आया है। तुम्हारे दादाजी ने अनेक बार कहा कि मैं दूसरे कमरे में बैठकर आराम से काम करूं। पर उन्हें नहीं पता कि वे मेरे लिए कितने बड़े सुरक्षा कवच रहे हैं। शुरुआत से अपने पिता की नजरों के सामने रहा, इसीलिए किसी के लिए अपशब्द बोलना मेरी आदत में नहीं आया। पिताजी की उपस्थिति के कारण समय की मर्यादा का पालन करना मेरी आदत बन गई। इसी कमरे के कारण आने-जाने वालों ने भी मर्यादा का सदा पालन किया। तुम्हें आश्चर्य होगा कि मुझे आज तक किसी प्रकार के गलत तरह के पैसे का कोई प्रलोभन नहीं दिया गया, क्योंकि पिताजी की उपस्थिति में स्वीकारना तो दूर की बात थी, किसी को मुझसे अनैतिक कुछ कहने की हिम्मत ही नहीं हुई। इसीलिए बेटा इस पवित्र कमरे को, जिसे मैं अपना सुरक्षा कवच समझता हूं, इसके रहते मुझसे कभी कोई गलत काम नहीं होगा। अभी तक का जीवन सिद्धांतों पर चलकर बीता है, आगे भी बीत जाएगा। तुम्हें मैं यही कहूंगा कि अब समय बदल गया है। नई शैली से काम करने में परहेज मत करना, पर नैतिकता का चलन हर युग में रहा है और रहेगा। यही संस्कार मुझे अपने पिताजी से मिले और यही मैं तुमसे कहना चाहता हूं। मेरा आशीर्वाद सदा तुम्हारे साथ है। तुम्हें कभी-भी मेरी आवश्यकता होगी, मैं तुम्हारे साथ रहूंगा।' यह सुनकर उनके युवा पुत्र ने माथुर साहब के हाथों को थामकर, उन्हें आश्वस्त किया।

उधर कमरे के कोने में बैठे पुत्र के मुंह से अपने बारे में ऐसी बातें सुनकर माथुर साहब के पिताजी की बूढ़ी आंखों से झर-झर बहते आंसू बहुत कुछ कह रहे थे। जिसमें असीम खुशी और संतुष्टि घुली हुई थी।*

तरकश

संजय के. दीक्षित

मंत्री और बीपी का एक्स्ट्रा डोज

18 जून की शाम मंत्रियों के लिए ही नहीं, बल्कि मीडिया के सियासी बीट कवर करने वाले पत्रकारों के लिए बड़ा तनाव भरा रहा। दरअसल, मंत्रियों की इमरजेंसी बैठक बुलाई गई थी मगर इससे अधिक अपडेट देने कोई तैयार नहीं था। जिनसे पूछो, वे खुद ही जिज्ञासु बने बैठे थे। उधर, सूचना मिलते ही मंत्री रायपुर के लिए भागे तो मीडियाकर्मियों का भी आधी रात के बाद तक सीएम हाउस के सामने जमावड़ा लगा रहा। बताते हैं, अंबिकापुर के एक मंत्रीजी को रास्ते में डॉक्टर से बात करनी पड़ गई। डॉक्टर के कहने पर उन्होंने बीपी का एक एडिशनल डोज लिया, तब जाकर सीएम हाउस पहुंच पाए। मंत्रियों की बैठक को सनसनीखेज बनाने में हेलिकाप्टर और स्टेट प्लेन का भी बड़ा हाथ रहा। कोई यह यकीन करने के लिए तैयार नहीं था कि बिना किसी गंभीर इश्यू के इस तरह मंत्रियों को बुलाया नहीं जाता। डिप्टी सीएम विजय शर्मा राज्यसभा चुनाव के सिलसिले में रांची में थे, वे स्टेट प्लेन से रायपुर पहुंचे। खैर, मंत्रियों को क्यों बुलाया गया? इसके पीछे के निहितार्थ क्या थे? इस पर अलग-अलग ढंग से बातें की जा रही हैं। मगर बीजेपी के ही लीडरों का मानना है कि सिर्फ मीटिंग बुलाने से ही चीजें नहीं बदलने वाली। बल्कि एक साथ कई मोर्चों पर काम करना होगा। मंत्री रिजल्ट नहीं दे पा रहे और अफसर सुन क्यों नहीं रहे, इसकी जड़ में जाना होगा। मंत्रिमंडल के कुछ बड़े विकेट चटखाने होंगे...छोटी-मोटी बलि लेने से सिस्टम के प्रति परसेप्शन नहीं बदलेगा।

सांप भी मर जाए और...

बेशक, दुनिया की कोई भी राजनीतिक पार्टी बिना पैसे के नहीं चलती। खासतौर पर जब पार्टी सरकार में होती है...चंदे के लिए उसकी अपनी व्यवस्था होती है। खैर...सियासी चंदे की बात आई, तो बीजेपी के पिछली सरकार के दौर का एक वाकया स्मरण हो आया। एक बार सरकार के साथ कुछ चुनिंदा मंत्रियों की बैठक हो रही थी। बैठक में क्षेत्रीय संगठन मंत्री सौदान सिंह भी थे। बातचीत के दौरान एक मंत्री का संदर्भ आया। किसी ने कहा...पार्टी के लिए योगदान देने फलां मंत्री को भी जिम्मेदारी देनी चाहिए। मगर सौदान सिंह ने एकदम से मना कर दिया। बोले...पार्टी के लिए चंदा देने के लिए अथॉराइज्ड करने का मतलब होगा, उन्हें दोनों हाथ से बटोरने के लिए फ्री कर देना। इसके बाद उस मंत्री का पत्ता कट गया। फंडा यह है कि पार्टी के योगदान के लिए उन्हीं मंत्रियों की सेवाएं लेनी चाहिए, जिसका काम और अंदाज गरिमामय हो। इससे सांप भी मार जाता है और लाठी भी नहीं टूटती।

एक एफआईआर और तीन जान

सिस्टम के एक जिम्मेदार अफसर से एफआईआर के संदर्भ में बात हो रही थी। मजमूं था...पुलिस को एफआईआर करने में देरी नहीं करनी चाहिए, भले ही अपराधो के आंकड़े बढ़ जाएं, मगर उसके दूरगामी फायदे होंगे। अफसर भी इससे पूर्णतः सहमत थे। अब इसे एक इतेफाक कहें कि जिस शाम एफआईआर पर इस स्तंभ के लेखक की शीर्ष अफसर से बात हो रही थी, उसी दौरान कोरिया में एक भयावह हमले में बीजेपी नेता समेत तीन लोगों की हत्या हो गई। और एफआईआर ही उसका कारण बना। रेत के माफियागिरी में जब एक पक्ष के खिलाफ सोनहत थाने में मुकदमा दर्ज हो गया तो दूसरा पक्ष भी थाना पहुंचा। मगर थाने का दरोगा ने इसे हल्के में लेते हुए एफआईआर दर्ज करने की बजाए यह कहकर लौटा दिया कि चिंता मत कीजिए, बात कर सब ठीक करा दूंगा। जाहिर है, अगर सेकेंड पार्टी की भी सुनवाई करते हुए अपराध दर्ज कर लिया गया होता तो काफी कुछ भड़ास निकल गया होता। मगर थाने से बैरंग वापसी ने पूर्व जनपद पंचायत अध्यक्ष के लोगों के गुस्से को और भड़का दिया। और आव देखा, न ताव, चार गाड़ियों में शाम के समय निकल गए, हिसाब चुकता करने। उधर, विरोधी पार्टी के गांव में पूरी तैयारी थी। जैसे ही गाड़ियां गांव में रुकी, चौतरफा हमले शुरू हो गए। बाकी गाड़ियों में बैठे लोग वक्त को भांपते हुए भाग निकले। मगर पूर्व जनपद पंचायत अध्यक्ष की गाड़ी फंस गई। उसके बाद जो हुआ, घटनास्थल को देख लोगों के रोंगटे खड़े हो गए। बताते हैं, लाठी-डंडे से पीटकर अधमरा करने के बाद गाड़ी में डाल आग लगा दी गई। इस जघन्य कांड की जड़ एक अदद एफआईआर रहा। बता दें, पुलिस द्वारा कार्रवाई की बजाए समझौता कराने के चलते सूबे में कई बड़ी घटनाएं हो चुकी है। फिर उसके बाद वही होता है...दो-चार पुलिस वालों का निलंबन, दिखावटी जांच और फिर वहीं ढर्रा। जिम्मेदार लोगों को इस बारे में सोचना चाहिए कि जब सक्षम लोगों की थाने में एफआईआर दर्ज नहीं की जा रही तो आम आदमी के साथ क्या सलूक होता होगा? वही भड़ास फिर चुनाव में निकलता है।

गंगा नहान

छत्तीसगढ़ में जमीन, जायदाद या ठगी, घोखाधड़ी तो दूर की बात गुंडे-मवालियों के खिलाफ आप थाने जाएं और तुरंत अपराध दर्ज हो गया तो समझिए गंगा नहा लिए। दो-चार जिले या थाने अपवाद हो सकते हैं। बाकी पूरे छत्तीसगढ़ में कमोवेश यही स्थिति है। बिना उपर के अफसरों से सिफारिश कराए थाने में मुकदमा दर्ज नहीं करा सकते आप। छत्तीसगढ़ के पुलिस सिस्टम को यूपी से प्रेरणा लेनी चाहिए। यूपी में जब से योगी आदित्यनाथ की सरकार आई है, थानों को निर्देश है...भले ही जांच के बाद खात्मा डाल दें, मगर एफआईआर करना होगा। कोरिया में भी अदद एक एफआईआर दर्ज कर लिया गया होता तो तीन लोगों की जान बच गई होती, बल्कि सूबे का नाम भी खराब नहीं होता कि यहां इस तरह की घटनाएं भी होती हैं।

कलेक्टर से रिटायर

कलेक्टर से रिटायर होने वाले अधिकारियों की बात करें तो अभी तक सिर्फ एक ही नाम है। छतर सिंह देहरे। पिछली कांग्रेस सरकार में वे गरियाबंद जिले से रिटायर हुए थे। रमन सिंह के दौर में रायपुर कलेक्टर ठाकुर राम सिंह चूकि सिकेट्री प्रमोट हो गए थे, लिहाजा रिटायरमेंट से महीना भर पहले उन्हें कमिश्नर बनाया गया था। बहरहाल, बात कलेक्टर से रिटायरमेंट की, तो इस समय गरियाबंद जिले में भगवान सिंह उइके कलेक्टर हैं। नवंबर में उनका रिटायरमेंट है। जाहिर है, वे हिट विकेट नहीं हुए तो भगवान सिंह उइके छतर सिंह के रिकार्ड की बराबरी कर लेंगे।

आईपीएस, पोस्टिंग और रिकार्ड

आईपीएस सुंदरराज एनआईए में आईजी बनकर जा रहे हैं। बस्तर में उनकी पोस्टिंग बेमिसाल रही। सिर्फ इस मायने में नहीं कि देश के इस सर्वाधित हिंसाग्रस्त इलाके से माओवादियों के पैर उखड़ गए, बल्कि रिकार्ड लंबी पोस्टिंग के लिहाज से भी। जाहिर है, बस्तर की पोस्टिंग के नाम पर आईपीएस अधिकारियों की सांसें उखड़ने लगती थी, उस पुलिस रेंज में सुंदरराज पूरे 14 साल पोस्टेड रहे। याने 23 साल की आईपीएस की सर्विस में आधे से अधिक वक्त उनका बस्तर में गुजरा। एएसपी से लेकर एसपी, डीआईजी और आईजी तक रहे। उन्होंने लांग कुमेर के बस्तर पोस्टिंग का रिकार्ड तोड़ा नहीं, बल्कि उनसे काफी आगे निकल गए। सुंदरराज ने कभी किसी नेता या अफसर से सिफारिश नहीं की, न गिडगिड़ाए, उन्हें वहां से हटाया जाए। जबकि, बस्तर से कई एसपी और आईजी जोर-जुगाड़ लगा साल भर से कम समय में ही भाग निकले।

तोते की जान...

बात आईपीएस सुंदरराज की बस्तर में 14 साल पोस्टिंग की हो रही तो यह भी जानना जरूरी है कि आईएएस, आईपीस की जान कहां अटकी रहती है। तोते की तरह आईएएस, आईपीएस की जान पोस्टिंग में अटकी रहती है। देश के लिए ये एक विडंबना है कि सबसे कठिन एग्जाम क्लियर कर सर्वोच्च सर्विस में आने वाले ये अफसर देवपूत से कम नहीं होते। मगर अदद पोस्टिंग के लिए पॉलिटिशियन के आगे अपनी जमीर से समझौता कर डालते हैं। छत्तीसगढ़ में ईडी द्वारा सीज किए गए व्हाट्सएप चौट को कोई देख लेगा तो उसे विश्वास नहीं होगा कि इतने टॉप के अफसर ऐसा भी कर सकते हैं। जबकि, आईएएस, आईपीएस सिर्फ पोस्टिंग का मोह त्याग दे तो मजाल नहीं कि सिस्टम में बैठे लोग उनसे कोई गलत काम करा लें। मगर अफसरों को पोस्टिंग और पईसा का ऐसा चार्म...लगातार अफसर जेल जा रहे, तब भी स्थितियां नहीं बदल रही।

2004 बैच के आईजी

बस्तर आईजी सुंदरराज के सेंट्रल डेपुटेशन पर जाने के बाद जिन आईपीएस अधिकारियों को नया आईजी बनाए जाने की चर्चाएं चल रही हैं, उनमें 2004 बैच के आईपीएस अजय यादव और बद्री नारायण मीणा का नाम सबसे प्रमुख है। दोनों के पास पर्याप्त तजुर्बा है। अजय सात जिलों के एसपी और तीन रेंज के आईजी रह चुके हैं, तो बद्री नौ जिले के एसपी और तीन रेंज के आईजी रह चुके हैं। हालांकि, बस्तर आईजी की पोस्टिंग अभी भी चुनौतीपूर्ण है। नक्सलियों का खात्मा हो गया है मगर बड़ी तादात में फोर्स अब भी वहां तैनात है। बस्तर के डेवलपमेंट पर भी सरकार का भरपूर फोकस है। जाहिर है, डेवलपमेंट के साथ सिविल क्राइम में भी इजाफा होता है। लिहाजा, सरकार ठोक बजाकर ही आईजी का फैसला करेगी।

मामा से गुहार

छत्तीसगढ़ के 12 हजार मनरेगा मजदूरों को पिछले तीन महीने से पगार नहीं मिला है। मनरेगा के अफसरों को अब काम लेना मुश्किल होता जा रहा। दरअसल, केंद्रीय पंचायत मंत्री शिवराज सिंह ने कई बार आश्वासन दिया मगर अभी तक पैसे रिलीज नहीं किए हैं। सूबे के पंचायत मिनिस्टर विजय शर्मा को मामा से बात करनी चाहिए वरना डबल इंजन सरकार के खिलाफ मजदूरों का परसेप्शन बिगड़ेगा।

मंत्रालय का कॉफी हाउस

2012 में नवा रायपुर में मंत्रालय शिफ्ट हुआ था, तब से वहां की केटरिंग कॉफी हाउस के हाथ में रहा। कॉफी हाउस वे अधिकारियों, कर्मचारियों को जायकेदार व्यंजन वाजिब रेट पर तो मिलते ही थे, उसकी सर्विस भी कमाल की थी। सचिवालय के अफसरों का फरमान होता नहीं था कि गरमागरम चाय-कॉफी, स्नेक्स पहुंच जाता था। मगर पता नहीं क्या हुआ, कॉफी हाउस को वहां से चलता कर किसी प्रायवेट पार्टी को केटरिंग का काम सौंप दिया गया और अब हालत यह है कि सिकेट्री साब लोग दुखी हैं। कई बार तो ऐसा हुआ कि गेस्ट के जाने के बाद कॉफी या सूप पहुंचता है। कई अफसर अब अपने फ्रीज में छांछ, लस्सी और कोकोनॉट वॉटर रखने लगे हैं। ताकि, कुछ तो आवभगत कर सकें।

कलेक्टर का डेपुटेशन

बस्तर और बलौदा बाजार कलेक्टर के डेपुटेशन के बाद कांकेर कलेक्टर नीलेश श्रीरसागर ने सेंट्रल डेपुटेशन के लिए अर्जी लगाई थी। सरकार ने उन्हें एनओसी भी दे दिया था। मगर अभी तक उन्हें क्लियरेंस मिला नहीं। पहले वे मसूरी एकेडमी जाना चाहते थे। मगर अब सुना है, अब वे दिल्ली के लिए ट्रॉय कर रहे हैं। अब देखते हैं, भारत सरकार से उनकी पोस्टिंग कब आती है, तब तक कांकेर कलेक्टर बनने की बाट जोह रहे दावेदारों को वेट करना होगा। और यदि, नीलेश का कहीं डेपुटेशन नहीं हुआ तो फिर उनके किसी और बड़े जिले में कलेक्टर बनने की दावेदारी प्रबल रहेगी। कांकेर में वैसे भी उनका दो साल कंप्लीट हो गया है। लोकसभा चुनाव 2024 के जस्ट बाद वे कांकेर कलेक्टर बन गए थे। जाहिर है, वे प्रतिभाशाली आईएएस तो हैं।

मंत्री की चार धाम यात्रा

मंत्री राजेश अग्रवाल का पिछले हफ्ते जन्मदिन था। उन्होंने परिवार के साथ चार धाम यात्रा कर अपना जन्मदिन मनाया। इस दौरान बाबा केदारनाथ और बद्री विशाल के समक्ष मत्था टेका। यद्यपि, मंत्रिमंडल की सर्जरी में राजेश अग्रवाल के उपर कोई खतरा तो नहीं दिखता। मंत्री बने उन्हें साल भर भी नहीं हुआ है। हो सकता है, बाबा केदारनाथ के दरबार में कमजोर विभागों को लेकर उन्होंने गुहार लगाई हो। पता ही है, राजेश मंत्री तो बन गए लेकिन, उन्हें पर्यटन में निबटा दिया गया। सरकार और संगठन ने ये भी ध्यान नहीं रखा...टीएस सिंहदेव को हराने में उनका कितना पेटी, खोखा निकल गया। लखनपुर की फर्नीचर दुकान तक खाली हो गई। वोटर्स बिना पैसा दिए, कुर्सी, टेबल, सोफा उठाकर ले गए। चलिये, बाबा केदारनाथ की कृपा रही, तो ब्याजमय सब वापिस हो जाएगा।

एसपी की बड़ी लिस्ट

छिटपुट तबादलों को छोड़ दें तो आईपीएस में जनवरी 2024 के बाद कोई बड़ी लिस्ट नहीं निकली है। जबकि, आईएएस और कलेक्टरों में हर साल दो-एक बड़ी लिस्ट निकल जाती है। 6 मई को ही सात कलेक्टरों समेत 42 आईएएस अधिकारियों का तबादला किया गया। बहरहाल, इस समय स्थिति यह है कि कई पुलिस अधीक्षक छोटे-छोटे जिलों में प्रमोट होकर डीआईजी हो गए हैं। पहले डीआईजी को संभागीय मुख्यालयों जैसे बड़े जिलों में ही पोस्ट किया जाता था। मगर पिछले पांच-सात सालों से अब तो दो-तीन ब्लॉक वाले जिलों में भी डीआईजी हैं। खैर, ढाई साल बाद आईपीएस की एक बड़ी लिस्ट निकलने वाली है। इसमें बस्तर में नए आईजी की पोस्टिंग होगी। जिले की बात करें तो 10 से 12 जिलों के एसपी चेंज होंगे। अधिकांश बड़े जिलों में नए एसपी पोस्ट होंगे। जाहिर है, एसपी की पोस्टिंग अगले विधानसभा चुनाव को दृष्टिगत रखते हुए की जाएगी...नए एसपी 2028 में चुनाव कराएंगे।

अंत में दो सवाल आपसे?

1. सीएम हाउस में मंत्रियों की बैठक हुई, उसमें प्रदेश अध्यक्ष किरण सिंहदेव क्यों नहीं पहुंच पाए?
2. मंत्रियों और विधायकों की इमेज खराब करने में उनके स्टॉफ और चंगु-मंगू की कितनी भूमिका होगी?

अलनीनो से निबटने टाइगर रिजर्व में 8 सौ से ज्यादा झिरिया

हरिभूमि न्यूज ⏭ धमतरी

सीतानदी उदंती टाइगर रिजर्व में हाथियों का आकर्षक वीडियो सामने आया है जहां पर वन विभाग द्वारा खोदे गए झिरिया के पानी में हाथी के शावक अटखेलियां कर रहे हैं। हाथी भी मजे से झिरिया के पानी से प्यास बुझाने के साथ स्नान कर रहे हैं। टाइगर रिजर्व क्षेत्र में ऐसे ही 800 से ज्यादा झिरिया खोदे गए हैं।

मौसम वैज्ञानिकों ने आशंका व्यक्त की है कि विश्व एक सुपर एल-नीनो अथवा गॉडज़िला एल-नीनो की स्थिति में प्रवेश कर सकता है, जो असामान्य रूप से उच्च तापमान, अनियमित वर्षा, दीर्घकालीन सूखे और भीषण गर्मी की परिस्थितियां उत्पन्न कर सकता है। ऐसी परिस्थितियों में जल एवं चारे की उपलब्धता कम होने से वन्यजीवों के मानव बस्तियों की ओर आने की संभावना बढ़ जाती है, जिससे मानव-वन्यजीव संघर्ष की घटनाएं बढ़ सकती हैं। उदंती-सीतानदी टाइगर रिजर्व की विशेषता यह है कि यह केवल हाथी, बाघ, तेंदुआ, वनभैंसा तथा अन्य वन्यजीवों के ही आश्रय होने के साथ यहां पर 100 से अधिक गांव भी हैं इसलिए यहां पर वन्यजीवों के साथ लोगों के संरक्षण का भी दबाव बना हुआ है। वन विभाग ने दोनों के संरक्षण में सामंजस्य बनाते हुए जंगल में कई स्ट्रक्चर तैयार किए हैं, ताकि वन्य जीवों को पानी और चारा की कमी न हो और वे मानव बस्ती की ओर न आएं।

वीडियो में हाथियों का झुंड नजर आ रहा

उदंती-सीतानदी टाइगर रिजर्व (यूएसटीआर) के कुल्हाड़ीघाट परिक्षेत्र से प्राप्त एक हृदयस्पर्शी ट्रैप कैमरा वीडियो में हाथियों का एक झुंड अपने नन्हे शावकों के साथ लगभग 3,000 फीट की ऊंचाई पर स्थित एक छोटे से झिरिया में पानी पीते और आनंदपूर्वक स्नान करते हुए दिखाई दे रहा है। रिजर्व फारेस्ट के उपनिदेशक वरूण जैन ने बताया कि झिरिया रेतीली परतों को खोदकर प्राप्त होने वाला भूमिगत जल प्रवाह का एक पारंपरिक जल स्रोत है।

10 किमी पैदल चलकर पहुंचे कलेक्टर कार्यालय

आवासीय विद्यालय और हॉस्टल की कई समस्याओं के खिलाफ फूटा छात्रों का गुस्सा

हरिभूमि न्यूज ⏭ अंबिकापुर

किया जाएगा समस्याओं का निराकरण

स्कूल और हॉस्टल में समस्याओं को लेकर छात्र कलेक्टर कार्यालय आए थे। उनकी समस्याओं को सुनकर निराकरण करने का आश्वासन दिया गया है। मै स्वयं विद्यालय के निरीक्षण पर जाता हूं। शिक्षकों की व्यवस्था की जाएगी। इसके साथ ही जांच के बाद दोषियों पर कार्रवाई भी की जाएगी।

ललित शुक्ला, सहायक आयुक्त आदिवासी विकास विभाग

शनिवार को प्रयास आवासीय विद्यालय घंघरी के छात्रों ने मोर्चा खोल दिया। लगभग 10 किमी पैदल चलकर छात्र कलेक्टर कार्यालय पहुंचे और विद्यालय प्रबंधन के खिलाफ नाराजगी जाहिर की। उन्होंने शिक्षकों की कमी, गुणवत्ताहीन भोजन, शुद्ध पेयजल की कमी सहित अन्य मूलभूत सुविधाओं को लेकर अपनी शिकायत दर्ज कराई। छात्रों ने विद्यालय प्रबन्धन एक खिलाफ जमकर आक्रोश व्यक्त किया।

इस दौरान मौके पर मौजूद अधिकारियों ने छात्रों की समस्याएं सुनकर उनके निराकरण का आश्वासन दिया जिसके बाद छात्रों को सुरक्षित उनके आवासीय विद्यालय हॉस्टल भेजा गया। बता दें कि शनिवार को आदिवासी विकास विभाग द्वारा संचालित प्रयास आवासीय विद्यालय से 60-70 छात्र पैदल लगभग 10 किलोमीटर का सफर तय कर कलेक्टर कार्यालय पहुंचे थे। इस दौरान छात्रों ने स्कूल प्रबंधन के खिलाफ जमकर नाराजगी जाहिर की और प्राचार्य पर गंभीर आरोप लगाए। घटना की जानकारी मिलने के बाद आदिवासी विकास विभाग के सहायक आयुक्त ललित शुक्ला, डीईओ दिनेश झा के साथ ही आला अधिकारी मौके पर पहुंचे और छात्रों से चर्चा की। इस दौरान छात्रों का कहना था कि स्कूल के पुराने अनुभवी शिक्षकों को हटा दिया गया और अब जेईई, नीट की पढ़ाई कराने वाले शिक्षकों से पढ़ने के लिए बोला जा रहा है ऐसे में उनकी बोर्ड की पढ़ाई प्रभावित हो रही है।

20 दिनों में कोई भी पढ़ाई नहीं हुई। इसके साथ ही छात्रों का कहना है कि स्कूल में बड़े अधिकारियों के आने पर उन्हें स्वादिष्ट भोजन दिया जाता है लेकिन सामान्य दिनों में गुणवत्ताहीन भोजन दिया जाता है, कीड़े लगे चावल दिए जाते है। स्कूल में फ्लोराइड युक्त पानी आ रहा है इसके साथ ही वाटर कूलर खराब है जिससे शुद्ध पेयजल नहीं मिल पा रहा है। स्कूल में बच्चों की बाल कटिंग भी नियमित रूप से नहीं कराई जाती है। छात्रों का कहना है कि शिकायत करने पर प्राचार्य द्वारा टीसी काटने की धमकी दी जाती है। अधिकारियों ने आने वाले दिनों में सभी समस्याओं का निराकरण करने का आश्वासन दिया जिसके बाद छात्र वापस लौटे।

खड़े ट्रक से टकराई तेज रफ्तार बाइक, तीन युवकों की मौत

प्रतापपुर (हरिभूमि न्यूज)। बीती रात खजुरी-शिवपुर रोड पर तेज रफ्तार बाइक सड़क किनारे खड़े ट्रक से जा टकराई। टक्कर इतनी जोरदार थी कि बाइक सवार तीन युवकों रूपचंद पैकरा, रवि पैकरा और ओमप्रकाश पैकरा की मौके पर ही मौत हो गई जबकि अरमान पैकरा गंभीर रूप से घायल हो गया। एक ही बाइक पर सवार होकर चारों युवक शादी समारोह में शामिल होने के लिए जा रहे थे। एक साथ तीन युवकों की मौत के बाद लोगों का आक्रोश भड़क उठा। आक्रोशित लोगों ने ट्रक को आग के हवाले कर दिया। इस दौरान ट्रक चालक और क्लीनर ने भागकर अपनी जान बचाई। इस घटना के बाद क्षेत्र में शोक का माहौल है। मामले में पुलिस द्वारा मर्ग कायम कर शवों को पीएम उपरान्त परिजन के सुपुर्द कर दिया गया है इसके साथ ही घटना की जांच चल रही है। शनिवार की सुबह तीनों युवकों के शव पीएम उपरान्त परिजन के सुपुर्द किए गए। मामले में पुलिस द्वारा वाहनों को जब्त कर घटना की जांच की जा रही है।

अवैध संबंध के शक में पत्नी व चाचा पर टांगी से हमला

हरिभूमि न्यूज ⏭ कांकेर

अवैध संबंध के शक ने एक परिवार को हिंसा की आग में झोंक दिया। पत्नी के चरित्र पर संदेह और शराब के नशे में बेकाबू हुए एक व्यक्ति ने अपनी पत्नी और उसके चाचा पर टांगी से जानलेवा हमला कर दिया। गंभीर रूप से घायल दोनों पीड़ितों को उपचार के लिए अस्पताल पहुंचाया गया, वहीं पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपी को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है।

पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार थाना सिकसोड़ क्षेत्र के ग्राम कस्तूरा निवासी 45 वर्षीय सूरज लाल पोटाई अपनी पत्नी पर अवैध संबंध होने का संदेह करता था। इसी बात को लेकर वह अक्सर शराब के नशे में पत्नी के साथ मारपीट करता था। 17 जून को पीड़िता अपने चाचा के घर पहुंची और परिजनों को पति द्वारा किए जा रहे उत्पीड़न की जानकारी दी। परिवार के लोगों ने अगले दिन बैठक कर मामले का समाधान निकालने का निर्णय लिया था। इसी बीच 17 और 18 जून की दरमियानी रात करीब 12:15 बजे आरोपी गाली-गलौज करते हुए पीड़िता के चाचा के घर पहुंच गया।

एमबीबीएस छात्रों को हाईकोर्ट से बड़ी राहत

बिलासपुर। छत्तीसगढ़ के मेडिकल ग्रेजुएट स्टूडेंट्स को हाईकोर्ट से बड़ी राहत मिली है। हाईकोर्ट ने अपने आदेश में कहा है, यदि राज्य सरकार छत्तीसगढ़ मेडिकल, डेंटल एवं फिजियोथैरेपी अंडर ग्रेजुएट प्रवेश नियम 2025 के तहत, निर्धारित समय-सीमा के भीतर नियुक्ति आदेश जारी नहीं करती है तो एमबीबीएस छात्रों द्वारा निष्पादित अनिवार्य सेवा बांड स्वतः निरस्त माना जाएगा।

- 6 महीने में नियुक्ति नहीं तो सेवा बॉन्ड माना जाएगा समाप्त

बता दें कि वर्ष 2025 में सिम्स। बिलासपुर से एमबीबीएस की पढ़ाई तथा अनिवार्य रोटेटिंग इंटर्नशिप पूर्ण करने वाले नितीन कुमार सिंह, साहिल करी, चंद्र प्रकाश रवि एवं साक्षी कंवर ने छत्तीसगढ़ बिलासपुर हाईकोर्ट में रिट याचिका दायर की थी। याचिका की सुनवाई जस्टिस एके प्रसाद के सिंगल बेंच में हुई।

याचिकाकर्ताओं ने राज्य सरकार द्वारा छह माह की वैधानिक अवधि के भीतर नियुक्ति आदेश जारी न करने के बावजूद उन्हें अनापत्ति प्रमाण पत्र देने से इनकार किए जाने को चुनौती दी थी। उनका तर्क था कि नियम 10(6) के अनुसार यदि निर्धारित अवधि में नियुक्ति आदेश जारी नहीं किया जाता है तो सेवा बांड स्वतः समाप्त हो जाता है।

बांड से बंधे हुए हैं याचिकाकर्ता चिकित्सक

राज्य सरकार ने याचिका का विरोध करते हुए कहा कि याचिकाकर्ता प्रवेश के समय निष्पादित सेवा बांड से बंधे हुए हैं तथा उन्हें सरकारी स्वास्थ्य संस्थानों में सेवा देना अनिवार्य है। राज्य ने यह भी तर्क दिया कि याचिकाकर्ताओं ने काउंसलिंग प्रक्रिया में भाग लिया था और बाद में नियुक्ति आदेश भी जारी किए गए थे।

बुजुर्ग दंपत्ति पर आधी रात हमला, महिला के गले से 50 हजार के चांदी के जेवर लूटे

हरिभूमि न्यूज ⏭ थान खम्हरिया

थाना खम्हरिया क्षेत्र में लगातार बढ़ रही चोरी, ठगी और लूट की घटनाओं के बीच शुक्रवार की देर रात अज्ञात नकाबपोश बदमाशों ने ग्राम करमू में एक बुजुर्ग दंपत्ति को निशाना बनाते हुए घर में घुसकर लूट की वारदात को अंजाम दिया। बदमाशों ने सो रही बुजुर्ग महिला के गले से करीब 50 हजार रुपये मूल्य के चांदी के जेवर झपट लिए तथा विरोध करने पर महिला और उसके पति के साथ मारपीट कर मौके से फरार हो गए। घटना के बाद क्षेत्र में दहशत का माहौल है, वहीं पुलिस ने मामला दर्ज कर आरोपियों की तलाश शुरू कर दी है। प्राप्त जानकारी के अनुसार ग्राम करमू निवासी लखनलाल एवं उनकी पत्नी शांति बाई शुक्रवार रात अपने घर में सो रहे थे। रात लगभग एक बजे दो अज्ञात बदमाश घर के पीछे की खिड़की तोड़कर अंदर घुसे। आंगन में सो रही शांति बाई के गले में पहने चांदी के जेवर पर उनकी नजर पड़ी। बदमाशों ने अचानक झपट्टा मारकर जेवर खींच लिया। इस दौरान महिला के विरोध करने पर आरोपियों ने उसके साथ मारपीट की, जिससे उसके गले में खरोंच और सूजन आ गई।

हमले के बाद बढ़ी चौकसी, मानव-वन्यजीव संघर्ष रोकने पर फोकस

तेंदुए का आतंक, वन विभाग हाईअलर्ट ट्रैप कैमरों और ड्रोन से पैनी निगरानी

हरिभूमि न्यूज ⏭ कांकेर

गट्टागुड़म और देवडोंगर क्षेत्र में तेंदुए की मौजूदगी से ग्रामीणों में फैली दहशत के बीच वन विभाग ने हालात पर कड़ी नजर रखते हुए व्यापक निगरानी अभियान शुरू कर दिया है। हाल ही में तेंदुए द्वारा किए गए हमले के बाद विभाग पूरी तरह सतर्क हो गया है और वन्यजीव की गतिविधियों पर नजर रखने के लिए आधुनिक तकनीकों का सहारा लिया जा रहा है। ट्रैप कैमरों की स्थापना से लेकर ड्रोन सर्विलांस

और रात्रिकालीन गश्त तक, वन विभाग का अमला लगातार क्षेत्र में सक्रिय है, ताकि किसी भी संभावित खतरे को समय रहते रोका जा सके। जानकारी के अनुसार छः दिन पहले तेंदुए के हमले की घटना के बाद वन विभाग ने गट्टागुड्म और देवडोगर के आसपास के संवेदनशील क्षेत्रों में कई ट्रैप कैमरे लगाए हैं। इन कैमरों के माध्यम से तेंदुए की आवाजाही, गतिविधियों और संभावित ठिकानों का पता लगाने का प्रयास किया जा रहा है। कैमरों से प्राप्त होने वाले चित्रों और वीडियो फुटेज का विशेषज्ञों द्वारा लगातार अध्ययन किया जा रहा है, ताकि तेंदुए की सही लोकेशन और उसके मूवमेंट की जानकारी मिल सके।

मुनादी करके किया जा रहा जागरूक

ग्रामीण क्षेत्रों में मुनादी कर लोगों को जागरूक किया जा रहा है। विशेष रूप से बच्चों और महिलाओं को अकेले बाहर नहीं निकलने, रात के समय समूह में रहने तथा किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना तत्काल वन विभाग को देने की अपील की गई है। ग्रामीणों से यह भी कहा गया है कि यदि कहीं तेंदुए के पदचिह्न या उसकी मौजूदगी के संकेत दिखाई दें तो स्वयं उसके करीब जाने का प्रयास न करें। वन विभाग के इस सतर्कता अभियान से क्षेत्र के लोगों को राहत की उम्मीद है। आधुनिक तकनीक और लगातार निगरानी के जरिए विभाग तेंदुए की गतिविधियों पर नजर बनाए हुए है।

क्या स्टार्टअप फंड्स दिला सकते हैं 10 गुणा रिटर्न?

स्टार्टअप फंड्स उच्च जोखिम और संभावित रूप से असाधारण रिटर्न का देने में सक्षम

● अब हाई-रिस्क, हाई-रिवॉर्ड निवेश का बढ़ रहा आकर्षण ● स्टार्टअप निवेश और एसआईपी दो बिल्कुल अलग निवेश श्रेणियां ● एसआईपी स्थिरता और अनुशासित निवेश का माध्यम

निवेश मंत्रा

बिजनेस डेस्क

शेयर बाजार और म्यूचुअल फंड में निवेश करने वाले अधिकांश निवेशकों का लक्ष्य अपनी पूंजी को धीरे-धीरे बढ़ाना होता है। इसके लिए एसआईपी (सिस्टेमैटिक इन्वेस्टमेंट प्लान) लंबे समय से सबसे लोकप्रिय और भरोसेमंद विकल्प माना जाता रहा है, लेकिन हाल के वर्षों में स्टार्टअप्स की सफलता की कहानियों ने निवेशकों का ध्यान एक नए एसेट क्लास की ओर खींचा है। कई लोगों के मन में यह सवाल उठ रहा है कि क्या स्टार्टअप फंड्स या एंजेल इन्वेस्टिंग वास्तव में 10 गुना या उससे अधिक रिटर्न दे सकते हैं? इसका जवाब है—हां, लेकिन इसके साथ जोखिम भी उतना ही बड़ा होता है। स्टार्टअप निवेश और एसआईपी दो बिल्कुल अलग निवेश श्रेणियां हैं। जहां एसआईपी स्थिरता और अनुशासित निवेश का माध्यम है, वहीं स्टार्टअप फंड्स उच्च जोखिम और संभावित रूप से असाधारण रिटर्न का अवसर प्रदान करते हैं।

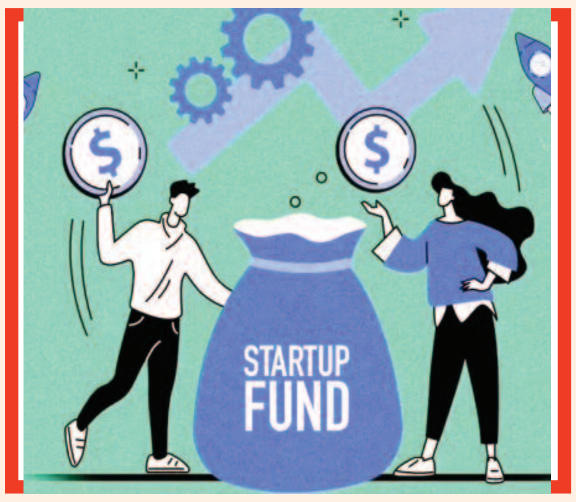

एसआईपी-स्टार्टअप फंड्स में अंतर

- एसआईपी के माध्यम से निवेशक म्यूचुअल फंड में नियमित अंतराल पर छोटी-छोटी राशि निवेश करते हैं। यह पैसा विभिन्न कंपनियों और सेक्टरों में फैला होता है, जिससे जोखिम कम हो जाता है। लंबी अवधि में कंपाउंडिंग का लाभ मिलने से निवेशक अच्छी संपत्ति बना सकते हैं।
- स्टार्टअप फंड्स या एंजेल निवेश में पैसा सीधे उन कंपनियों में लगाया जाता है जो अपने शुरुआती विकास चरण में होती हैं। इन कंपनियों का भविष्य अनिश्चित होता है। यदि बिजनेस मॉडल सफल हो गया तो निवेशकों को कई गुना रिटर्न मिल सकता है, लेकिन यदि स्टार्टअप असफल हुआ तो पूरी पूंजी डूबने का खतरा भी रहता है।

एक्सपोनेंशियल ग्रोथ की ताकत

स्टार्टअप्स की सबसे बड़ी विशेषता उनकी तेज विकास क्षमता होती है। पारंपरिक कंपनियों की तुलना में स्टार्टअप्स नई तकनीक, नए बिजनेस मॉडल और बड़े बाजार अवसरों के कारण बहुत तेजी से बढ़ सकते हैं। यदि किसी निवेशक ने शुरुआती दौर में किसी सफल स्टार्टअप में निवेश किया हो और वह कंपनी बाद में बड़ी बन जाए, तो निवेश की गई राशि कई गुना बढ़ सकती है। दुनिया भर में कई उदाहरण हैं जहां शुरुआती निवेशकों ने 10, 50 और यहां तक कि 100 गुणा तक का रिटर्न हासिल किया है।

तुरंत नहीं मिलता एग्जिट

स्टार्टअप निवेश में धैर्य सबसे महत्वपूर्ण गुण माना जाता है। यहां निवेशक को अपने पैसे पर रिटर्न पाने के लिए कई वर्षों तक इंतजार करना पड़ सकता है। आमतौर पर किसी स्टार्टअप से लाभ कमाने के लिए कंपनी का अधिग्रहण, शेयर बाजार में सूचीबद्ध होना या किसी बड़े निवेशक द्वारा हिस्सेदारी खरीदना आवश्यक होता है। यह प्रक्रिया अक्सर 5 से 10 वर्ष या उससे अधिक समय ले सकती है।

कम लिक्विडिटी

एसआईपी या शेयर बाजार में निवेश को जरूरत पड़ने पर अपेक्षाकृत आसानी से भुनाया जा सकता है, जबकि स्टार्टअप निवेश में ऐसा संभव नहीं होता। इसलिए इस श्रेणी में वही पैसा लगाना चाहिए जिसकी तत्काल आवश्यकता न हो।

निवेश के नए अवसर

पहले स्टार्टअप निवेश केवल बड़े निवेशकों और वेंचर कैपिटल फंड्स तक सीमित था। लेकिन अब भारत में एंजेल नेटवर्क, स्टार्टअप निवेश प्लेटफॉर्म और वैकल्पिक निवेश साधनों के जरिए छोटे निवेशकों के लिए भी अवसर बढ़ रहे हैं। कई प्लेटफॉर्म निवेशकों को चुनिंदा स्टार्टअप्स में भागीदारी का मौका देते हैं।

सीमित समय में बड़ी वैल्यूएशन

जब कोई स्टार्टअप लगातार फंडिंग जुटाता है और उसका कारोबार बढ़ता है, तो उसकी वैल्यूएशन भी तेजी से बढ़ती है। शुरुआती निवेशक कम वैल्यूएशन पर हिस्सेदारी खरीदते हैं, इसलिए कंपनी की कीमत बढ़ने पर उनके निवेश का मूल्य भी कई गुना बढ़ जाता है।

अधिकांश स्टार्टअप्स हो जाते हैं असफल

स्टार्टअप निवेश का सबसे महत्वपूर्ण पहलू यह है कि इसमें असफलता की दर बहुत अधिक होती है। उद्योग विशेषज्ञों के अनुसार, अधिकांश शुरुआती स्टार्टअप्स लंबे समय तक टिक नहीं पाते। कई कंपनियां फंडिंग की कमी, कमजोर बिजनेस मॉडल या प्रतिस्पर्धा के कारण बंद हो जाती हैं। यही कारण है कि अनुभवी निवेशक केवल एक या दो स्टार्टअप्स पर दांव नहीं लगाते, बल्कि कई कंपनियों में निवेश करके जोखिम को फैलाने की कोशिश करते हैं।

पूंजी डूबने की संभावना

म्यूचुअल फंड या सूचीबद्ध शेयरों की तरह स्टार्टअप निवेश में निवेशक को रोजाना बाजार मूल्य देखने या आसानी से पैसा निकालने की सुविधा नहीं मिलती। यदि स्टार्टअप बंद हो जाए तो निवेश की गई पूरी राशि खोने की संभावना रहती है।

रिसर्च सबसे महत्वपूर्ण

स्टार्टअप में निवेश करते समय केवल आकर्षक प्रेजेंटेशन या बड़े दावों से प्रभावित नहीं होना चाहिए। निवेश से पहले फाउंडर्स की क्षमता, बिजनेस मॉडल, कंपनी की आय संभावनाएं, प्रतिस्पर्धा, बाजार का आकार और स्केलेबिलिटी जैसे पहलुओं का गहराई से विश्लेषण करना आवश्यक है।

पोर्टफोलियो का छोटा हिस्सा ही लगाएं

वित्तीय सलाहकार आमतौर पर सुझाव देते हैं कि स्टार्टअप निवेश को कुल पोर्टफोलियो का सीमित हिस्सा ही रखा जाए। अधिकांश निवेशकों के लिए यह अनुपात 5% से 10% के बीच उपयुक्त माना जाता है। मुख्य निवेश, आपातकालीन फंड और रिटायरमेंट की तैयारी जैसी महत्वपूर्ण वित्तीय जरूरतें अभी भी एसआईपी, म्यूचुअल फंड, पीपीएफ और अन्य अपेक्षाकृत स्थिर निवेश साधनों पर आधारित होनी चाहिए।

विविधीकरण बनाए रखें

एक ही स्टार्टअप में बड़ी राशि लगाने की बजाय अलग-अलग क्षेत्रों और कंपनियों में निवेश करना जोखिम कम करने का बेहतर तरीका हो सकता है। इससे किसी एक असफल निवेश का प्रभाव पूरे पोर्टफोलियो पर कम पड़ता है।

डेट फंड्सः टैक्स लाभ खत्म क्या एफडी बेहतर विकल्प?

जानकारी

बिजनेस डेस्क

एक समय था जब डेट म्यूचुअल फंड्स को फिक्स्ड डिपॉजिट (एफडी) का बेहतर विकल्प माना जाता था। इसकी सबसे बड़ी वजह थी इंडेक्सेशन का टैक्स लाभ, जिससे निवेशकों का वास्तविक टैक्स बोझ काफी कम हो जाता था। लेकिन 2023 में सरकार द्वारा इंडेक्सेशन बेनिफिट हटाने के बाद निवेशकों के सामने नया सवाल खड़ा हो गया है—क्या अब डेट फंड्स की उपयोगिता खत्म हो गई है और एफडी बेहतर विकल्प बन गए हैं? विशेषज्ञों का मानना है कि केवल टैक्स के आधार पर यह फैसला लेना सही नहीं होगा। निवेश का चुनाव करते समय लिक्विडिटी, रिटर्न, कंपाउंडिंग, ब्याज दरों का रुझान, महंगाई और निवेश अवधि जैसे कई अन्य पहलुओं पर भी विचार करना जरूरी है।

टैक्स बराबर, लेकिन दोनों उत्पाद समान नहीं

इंडेक्सेशन हटने के बाद डेट फंड्स से होने वाला लाभ अब निवेशक की आयकर स्लैब के अनुसार टैक्स के दायरे में आता है। यही नियम अधिकांश एफडी निवेशकों पर भी लागू होता है। इसलिए पहली नजर में दोनों उत्पाद टैक्स के मामले में समान दिखाई देते हैं। हालांकि एक महत्वपूर्ण अंतर अब भी मौजूद है। एफडी में अर्जित ब्याज पर हर वर्ष टैक्स देना पड़ता है, चाहे निवेशक पैसा निकाले या नहीं। इसके विपरीत डेट फंड्स में टैक्स तभी लगता है जब निवेशक यूनिट्स को रिडीम करता है। इसका फायदा यह होता है कि पूरा निवेश बिना टैक्स कटौती के लंबे समय तक कंपाउंड होता रहता है।

रिटर्न के मामले में अभी भी प्रतिस्पर्धी हैं डेट फंड्स

इंडेक्सेशन हटने के बावजूद डेट फंड्स ने अपनी प्रतिस्पर्धात्मक स्थिति बरकरार रखी है। पिछले कुछ वर्षों के आंकड़े बताते हैं कि लिक्विड फंड और लो-ड्यूरेशन फंड जैसी श्रेणियों ने कई मामलों में आकर्षक रिटर्न दिए हैं। हालांकि डेट फंड्स का रिटर्न बाजार आधारित होता है और इसमें कुछ उतार-चढ़ाव संभव है, लेकिन उचित अवधि के लिए निवेश करने पर ये एफडी के मुकाबले बेहतर प्रदर्शन भी कर सकते हैं।

जरूरत पड़ने पर आसानी से निकाले जा सकते हैं पैसे

एफडी और डेट फंड्स के बीच सबसे बड़ा अंतर लिक्विडिटी का है। यदि निवेशक एफडी को समय से पहले तोड़ता है तो उसे पेनाल्टी या कम ब्याज दर का सामना करना पड़ सकता है। दूसरी ओर अधिकांश डेट फंड्स में कोई लॉक-इन नहीं होता। निवेशक जरूरत पड़ने पर आसानी से अपना पैसा निकाल सकता है। यही कारण है कि कई वित्तीय विशेषज्ञ डेट फंड्स को अल्प और मध्यम अवधि की वित्तीय जरूरतों के लिए बेहतर विकल्प मानते हैं। कई मामलों में दोनों का संयोजन ही सबसे प्रभावी रणनीति साबित हो सकता है।

● इंडेक्सेशन हटने के बाद निवेशकों के सामने बड़ा सवाल

गिरती ब्याज दरों में बढ़ सकता है फायदा

एफडी निवेशकों को पहले से तय रिटर्न मिलता है। इसमें बाजार परिस्थितियों का कोई असर नहीं पड़ता।लेकिन डेट फंड्स बॉन्ड और अन्य फिक्स्ड-इनकम सिक्योरिटीज में निवेश करते हैं। जब ब्याज दरें घटती हैं, तो पुराने उच्च ब्याज वाले बॉन्ड की कीमत बढ़ जाती है, जिससे डेट फंड्स को अतिरिक्त लाभ मिल सकता है। यानी यदि भविष्य में ब्याज दरों में कटौती का दौर जारी रहता है, तो डेट फंड्स FD की तुलना में बेहतर प्री-टैक्स रिटर्न दे सकते हैं।

एफडी में सुरक्षा, डेट फंड्स में सीमित उतार-चढ़ाव

एफडी का सबसे बड़ा आकर्षण उसकी निश्चितता है। निवेशक को पहले दिन ही पता होता है कि मैच्योरिटी पर कितनी राशि मिलेगी। वहीं डेट फंड्स में नेट एसेट वैल्यू (एनएवी) में हल्का उतार-चढ़ाव संभव है। हालांकि यह उतार-चढ़ाव इक्विटी फंड्स की तुलना में काफी कम होता है। जो निवेशक बाजार आधारित मामूली जोखिम स्वीकार कर सकते हैं, उनके लिए डेट फंड्स अतिरिक्त लाभ का अवसर प्रदान कर सकते हैं।

महंगाई को नजरअंदाज करना नुकसानदायक

कई निवेशक केवल ब्याज दर देखकर एफडी चुन लेते हैं, लेकिन वास्तविक रिटर्न का आकलन महंगाई और टैक्स को घटाने के बाद ही किया जाना चाहिए। यदि कोई निवेश 7% रिटर्न दे रहा है और महंगाई 5% के आसपास है, तो वास्तविक संपत्ति निर्माण सीमित रह सकता है। इसलिए निवेशकों को नाममात्र रिटर्न की बजाय वास्तविक रिटर्न पर ध्यान दें।

एफडी किसके लिए उपयुक्त?

- सेवानिवृत्त निवेशक
- आपातकालीन फंड रखने वाले
- पूंजी सुरक्षा को प्राथमिकता देने वाले निवेशक
- एक से दो साल के निश्चित लक्ष्य वाले निवेशक

डेट फंड्स किसके लिए उपयुक्त?

- 1 से 5 वर्ष की निवेश अवधि वाले
- बेहतर लिक्विडिटी चाहने वाले
- सीमित जोखिम लेकर अतिरिक्त रिटर्न की संभावना तलाशने वाले
- टैक्स-डिफर्ड कंपाउंडिंग का लाभ चाहने वाले निवेशक
- दोनों का संयोजन भी बेहतर
- वित्तीय विशेषज्ञों का मानना है कि एफडी और डेट फंड्स को प्रतिस्पर्धी उत्पाद मानने की बजाय पूरक निवेश साधन के रूप में देखना चाहिए।
- उदाहरण के लिए, आपातकालीन फंड और निकट भविष्य की जरूरतों के लिए एफडी उपयुक्त हो सकती है, जबकि 2 से 5 वर्षों के वित्तीय लक्ष्यों के लिए डेट फंड्स बेहतर लचीलापन और संभावित रूप से बेहतर रिटर्न प्रदान कर सकते हैं।

लार्ज कैप फंड्स पिछड़ रहे हैं क्या अब निकल जाना बेहतर

आंकड़ों के अनुसार, इस वर्ष लार्ज कैप फंड्स का औसत रिटर्न नकारात्मक रहा है, जबकि मिड और स्मॉल कैप श्रेणियों ने सकारात्मक रिटर्न दिया है। इसलिए अब निवेशक इनका रुख कर सकते हैं। हालांकि यह ध्यान रखने योग्य है कि हर साल हर सेगमेंट रिटर्न अलग-अलग रहता है। इसलिए सोच समझकर ही कदम उठाएं

अलर्ट

बिजनेस डेस्क

पिछले कुछ महीनों में मिड कैप और स्मॉल कैप फंड्स ने निवेशकों को बेहतर रिटर्न दिए हैं, जबकि लार्ज कैप फंड्स अपेक्षाकृत कमजोर प्रदर्शन करते नजर आए हैं। यही वजह है कि कई निवेशकों के मन में सवाल उठ रहा है कि क्या अब लार्ज कैप फंड्स से पैसा निकालकर मिड और स्मॉल कैप फंड्स में शिफ्ट कर देना चाहिए? वर्तमान आंकड़ों के अनुसार, इस वर्ष लार्ज कैप फंड्स का औसत रिटर्न नकारात्मक रहा है, जबकि मिड और स्मॉल कैप श्रेणियों ने सकारात्मक रिटर्न दिया है। हालांकि केवल कुछ महीनों के प्रदर्शन के आधार पर निवेश रणनीति बदलना हमेशा सही निर्णय नहीं होता। विशेषज्ञों का मानना है कि लार्ज कैप फंड्स अभी भी किसी भी संतुलित निवेश पोर्टफोलियो की मजबूत नींव बने हुए हैं। हाल के महीनों में विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) ने भारतीय बाजार में बड़े पैमाने पर बिकवाली की है। इसका सबसे ज्यादा असर बैंकिंग, आईटी और ऑयल एंड गैस जैसे सेक्टरों पर पड़ा, जिनका लार्ज कैप इंडेक्स में बड़ा हिस्सा होता है। आईटी सेक्टर पर आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) से जुड़ी अनिश्चितताओं का दबाव रहा, जबकि बैंकिंग और ऊर्जा क्षेत्र वैश्विक भू-राजनीतिक तनाव और महंगाई संबंधी चिंताओं से प्रभावित हुए। इन परिस्थितियों ने लार्ज कैप शेयरों की बढ़त को सीमित कर दिया।

हर दौर का अपना विजेता

निवेश की दुनिया में कोई भी श्रेणी हमेशा नंबर-1 नहीं रहती। कभी लार्ज कैप आगे रहते हैं तो कभी मिड और स्मॉल कैप निवेशकों को बेहतर रिटर्न देते हैं। इतिहास बताता है कि बाजार का नेतृत्व समय-समय पर बदलता रहता है। जब मिड और स्मॉल कैप शेयरों की वैल्यूएशन बहुत अधिक हो जाती है या उनकी कमाई की रफ्तार धीमी पड़ती है, तब निवेशकों का रुझान फिर से लार्ज कैप कंपनियों की ओर बढ़ता है। इसलिए केवल वर्तमान प्रदर्शन देखकर निवेश निर्णय लेना नुकसानदायक साबित हो सकता है।

क्यों अब भी महत्वपूर्ण लार्ज कैप फंड्स?

1. **मजबूत और स्थापित कंपनियों में निवेश**
   लार्ज कैप फंड्स देश की सबसे बड़ी और स्थापित कंपनियों में निवेश करते हैं। इन कंपनियों के पास मजबूत बैलेंस शीट, स्थिर कारोबार और बेहतर कॉरपोरेट गवर्नेंस होती है। बाजार में उतार-चढ़ाव के दौरान ये कंपनियां अपेक्षाकृत बेहतर स्थिरता प्रदान करती हैं।
2. **विदेशी और संस्थागत निवेशकों की पहली पसंद**
   जब बाजार में जोखिम लेने की क्षमता बढ़ती है, तो सबसे पहले बड़े निवेशक लार्ज कैप शेयरों में पैसा लगाते हैं। उनकी बेहतर लिक्विडिटी और मजबूत व्यवसायिक स्थिति उन्हें निवेशकों के लिए आकर्षक बनाती है। यही कारण है कि बाजार में सकारात्मक माहौल बनने पर लार्ज कैप शेयर तेजी से वापसी कर सकते हैं।
3. **कम जोखिम के साथ संतुलित रिटर्न**
   लार्ज कैप कंपनियां पहले से ही बड़े बाजार हिस्से पर कब्जा रखती हैं, इसलिए उनकी वृद्धि दर मिड और स्मॉल कैप कंपनियों की तुलना में धीमी हो सकती है। फिर भी उन्होंने लंबे समय में अपेक्षाकृत कम जोखिम के साथ अच्छा रिटर्न देने का रिकॉर्ड बनाया है। जो निवेशक स्थिर और दीर्घकालिक संपत्ति निर्माण चाहते हैं, उनके लिए यह श्रेणी आज भी महत्वपूर्ण है।

क्या अभी वैल्यूएशन का अवसर बन रहा

सस्ते होते लार्ज कैप शेयर

कई बार लंबे समय तक कमजोर प्रदर्शन किसी निवेश श्रेणी को आकर्षक बना देता है। जब निवेशकों का ध्यान मिड और स्मॉल कैप शेयरों की ओर चला जाता है, तब कई अच्छी लार्ज कैप कंपनियां उचित या कम वैल्यूएशन पर उपलब्ध हो जाती हैं। ऐसी स्थिति भविष्य में बेहतर रिटर्न का आधार बन सकती है। निवेशक जब फिर से सुरक्षित और स्थिर कंपनियों की ओर लौटते हैं, तब लार्ज कैप शेयर अच्छा प्रदर्शन कर सकते हैं।

विविधीकरण और स्थिरता

किसी भी संतुलित इक्विटी पोर्टफोलियो में लार्ज कैप फंड्स की भूमिका सिर्फ हर साल सबसे ज्यादा रिटर्न देना नहीं होती। उनका मुख्य उद्देश्य निवेशकों को बाजार की अग्रणी कंपनियों में भागीदारी, बेहतर लिक्विडिटी और अपेक्षाकृत कम उतार-चढ़ाव प्रदान करना है। यही कारण है कि अधिकांश वित्तीय सलाहकार लार्ज कैप फंड्स को पोर्टफोलियो का ₹कोर₹ हिस्सा मानते हैं।

नए निवेशकों के लिए बेहतर विकल्प

जो निवेशक पहली बार इक्विटी बाजार में प्रवेश कर रहे हैं, उनके लिए लार्ज कैप फंड्स अपेक्षाकृत सुरक्षित शुरुआत माने जाते हैं। इनमें जोखिम कम होने के कारण निवेशक बाजार की प्रकृति को बेहतर ढंग से समझ सकते हैं।

मिड और स्मॉल कैप फंड्स में निवेश किसे करना चाहिए?

मिड और स्मॉल कैप फंड्स में लंबी अवधि में अधिक रिटर्न की संभावना होती है, लेकिन इनके साथ उतार-चढ़ाव भी काफी अधिक होता है। कई बार ये फंड्स कुछ ही महीनों में 20-30 प्रतिशत तक गिर सकते हैं। इसलिए इनमें वही निवेशक अधिक निवेश करें जो लंबी अवधि का निवेश दृष्टिकोण रखते हों। बाजार की बड़ी गिरावट सहन कर सकते हों। उच्च जोखिम लेने के लिए तैयार हों। अपने पोर्टफोलियो में पहले से स्थिर निवेश बनाए हुए हों।

यह भी रखें ध्यान

- लार्ज कैप फंड्स का हालिया कमजोर प्रदर्शन निवेश से बाहर निकलने का पर्याप्त कारण नहीं है। बाजार चक्रों में अलग-अलग समय पर अलग-अलग श्रेणियां बेहतर प्रदर्शन करती हैं। लार्ज कैप फंड्स आज भी स्थिरता, लिक्विडिटी, विविधीकरण और मजबूत कंपनियों में निवेश का अवसर प्रदान करते हैं।
- निवेशकों को हाल के विजेताओं का पीछा करने की बजाय अपनी एसेट एलोकेशन रणनीति पर कायम रहना चाहिए। यदि आपका लक्ष्य लंबी अवधि में संपत्ति निर्माण है, तो लार्ज कैप फंड्स को पूरी तरह छोड़ने की बजाय उन्हें पोर्टफोलियो के मजबूत आधार के रूप में बनाए रखना अधिक समझदारी भरा कदम हो सकता है।

कमाई के साथ सुरक्षा भी, निवेशकों का बदल रहा नजरिया

भारतीय निवेशकों की सोच में बड़ा बदलाव देखने को मिल रहा है। पहले जहां अधिकांश लोग केवल अधिक रिटर्न और संपत्ति निर्माण पर ध्यान देते थे, वहीं अब वे अपनी पूंजी की सुरक्षा और भविष्य की आय सुनिश्चित करने पर भी जोर दे रहे हैं। यही कारण है कि रिटायरमेंट-केंद्रित निवेश उत्पादों और गारंटीड रिटर्न योजनाओं की मांग तेजी से बढ़ रही है। हालिया आंकड़े बताते हैं कि निवेशक अब ऐसे विकल्प तलाश रहे हैं जो बाजार आधारित वृद्धि के साथ-साथ वित्तीय सुरक्षा भी प्रदान करें। इस बदलती सोच का सबसे बड़ा लाभ पेंशन यूलिप (यूएलआईपी) और गारंटीड रिटर्न प्लान्स को मिल रहा है।

पेंशन यूलिप की मांग में 10 गुना वृद्धि

बीते वित्त वर्ष की तुलना में पेंशन यूलिप योजनाओं की मांग में लगभग 10 गुना की बढ़ोतरी दर्ज की गई है। यह संकेत है कि लोग अब रिटायरमेंट की तैयारी को गंभीरता से लेने लगे हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि बढ़ती जीवन प्रत्याशा, महंगाई और पारंपरिक पारिवारिक सुरक्षा ढांचे में बदलाव के कारण लोग अपनी वृद्धावस्था की वित्तीय जरूरतों के लिए पहले से योजना बना रहे हैं। पेंशन यूलिप की लोकप्रियता का एक बड़ा कारण यह भी है कि इसमें निवेशकों को बाजार आधारित वृद्धि के साथ दीर्घकालिक रिटायरमेंट फंड बनाने का अवसर मिलता है।

बदल रही है निवेश की परिभाषा

पहले निवेशक अक्सर अधिक रिटर्न और सुरक्षा में से किसी एक को चुनते थे, लेकिन अब वे दोनों का संतुलन चाहते हैं। इसी वजह से कई निवेशक पेंशन यूलिप के साथ ₹वेवर ऑफ प्रीमियम₹ जैसी अतिरिक्त सुविधाएं भी चुन रहे हैं। यह सुविधा किसी अप्रत्याशित स्थिति में भी निवेश योजना को जारी रखने में मदद करती है। वित्तीय विशेषज्ञों के अनुसार आज का निवेशक केवल संपत्ति बनाना नहीं चाहता, बल्कि यह भी सुनिश्चित करना चाहता है कि उसका परिवार और भविष्य वित्तीय रूप से सुरक्षित रहे।

रिटायरमेंट प्लानिंग की बढ़ती जागरूकता

पेंशन यूलिप खरीदने वालों में सबसे बड़ा हिस्सा 45 वर्ष से अधिक आयु वर्ग का है। इस वर्ग की भागीदारी लगभग 40 प्रतिशत है। वहीं 36 से 45 वर्ष आयु वर्ग के निवेशकों की हिस्सेदारी करीब 35 प्रतिशत है। इस प्रकार कुल मिलाकर 36 वर्ष से अधिक आयु के निवेशक पेंशन यूलिप निवेश का लगभग 75 प्रतिशत हिस्सा बना रहे हैं। यह दर्शाता है कि मध्यम आयु वर्ग रिटायरमेंट प्लानिंग को लेकर पहले से अधिक जागरूक हो रहा है।

स्थिरता की ओर बढ़ रहा झुकाव

दिलचस्प बात यह है कि 26 से 35 वर्ष आयु वर्ग के निवेशक गारंटीड रिटर्न प्लान्स को अधिक प्राथमिकता दे रहे हैं। इस आयु वर्ग का इन योजनाओं में लगभग 50 प्रतिशत योगदान है। विशेषज्ञों का मानना है कि नौकरीपेशा युवाओं में वित्तीय अनुशासन और भविष्य की सुरक्षा के प्रति जागरूकता बढ़ रही है। बाजार में उतार-चढ़ाव के दौर में निश्चित आय और पूंजी सुरक्षा वाले उत्पाद उन्हें अधिक भरोसेमंद लग रहे हैं।

हर आय वर्ग के लिए विकल्प

पेंशन यूलिप और गारंटीड रिटर्न प्लान्स की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि इनमें छोटे निवेशक भी आसानी से शुरुआत कर सकते हैं। पेंशन यूलिप में निवेश कुछ हजार रुपये से शुरू होकर लाखों रुपये तक पहुंच सकता है। वहीं गारंटीड रिटर्न प्लान्स में भी कम मासिक प्रीमियम से निवेश शुरू करने की सुविधा उपलब्ध है।

बिजनेस साइट

अल्ट्रा-लग्जरी प्रोजेक्ट 'रहेजा अवाना' के एक्सपीरियंस सेंटर का हुआ शुभारंभ, मिला शानदार रिस्पांस

रायपुर। प्रदेश के प्रतिष्ठित रियल एस्टेट समूह रहेजा ग्रुप ने अपने अल्ट्रा-लग्जरी प्रोजेक्ट 'रहेजा अवाना' के भव्य एक्सपीरियंस सेंटर का शुभारंभ किया। इस सेंटर में ग्राहकों ने अंतरराष्ट्रीय स्तर की आधुनिक जीवनशैली और वास्तुकला का प्रत्यक्ष अनुभव किया। इसके साथ ही ग्राहकों ने साइट विजिट कर प्लाट की बुकिंग की।

23 एकड़ में विकसित लिमिटेड एडिशन प्रोजेक्ट

कचना मेन रोड पर विकसित हो रहा 'रहेजा अवाना' 23 एकड़ क्षेत्र में फैला एक लिमिटेड एडिशन अल्ट्रा-लक्जरी प्रोजेक्ट है। इसकी सबसे बड़ी विशेषता यह है कि पूरे प्रोजेक्ट में केवल 74 यूनिट्स ही विकसित की जा रही हैं। यहां 4,000 वर्गफुट से लेकर 12,000 वर्गफुट तक के प्लॉट्स उपलब्ध हैं, वहीं लक्जरी विला का विकल्प भी ग्राहकों को मिलेगा।

अंतरराष्ट्रीय डिजाइन और प्रीमियम सुविधाएं

सिंगापुर के प्रसिद्ध आर्किटेक्ट एंडी फिशर के डिजाइन किए इस प्रोजेक्ट में आधुनिक वास्तुकला और अंतरराष्ट्रीय स्तर की सुविधाओं का समावेश किया गया है। प्रोजेक्ट की एक अनूठी विशेषता यह है कि इसमें स्पोर्ट्स क्लब और सोशल क्लब को अलग-अलग बिल्डिंग में विकसित किया जा रहा है। स्पोर्ट्स क्लब में विभिन्न खेल गतिविधियों की सुविधाएं होंगी, जबकि सोशल क्लब निवासियों को आराम, मेलजोल और प्रीमियम लाइफस्टाइल का अनुभव प्रदान करेगा।

लक्जरी लाइफस्टाइल के लिए विशेष इंफ्रास्ट्रक्चर

प्रोजेक्ट में टेम्परेचर कंट्रोल्ड स्विमिंग पूल, अत्याधुनिक फिटनेस स्टूडियो, बैडमिंटन कोर्ट, लैंडस्केप्ड गार्डन्स, प्राइवेट कोर्टयार्ड और भव्य क्लब हाउस जैसी सुविधाएं भी उपलब्ध होंगी। कचना की प्रीमियम लोकेशन पर स्थित यह परियोजना शहर के प्रमुख स्कूलों, अस्पतालों, मॉल और एयरपोर्ट से बेहतर कनेक्टिविटी प्रदान करती है।

अमेरिका ने किया राउंड ऑफ 32 के लिए क्वालिफाई

अमेरिका ने ऑस्ट्रेलिया को 2-0 से हराया

एजेंसी ▶▶| सिएटल

अपने स्टार स्ट्राइकर क्रिश्चियन पुलिसिच के बिना खेल रही अमेरिका की टीम ने शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए ऑस्ट्रेलिया को 2-0 से हराकर विश्व कप फुटबॉल के नॉकआउट दौर में प्रवेश कर लिया। यह पहला अवसर है जबकि अमेरिकी टीम ने पहले दो मैचों के बाद ही नॉकआउट राउंड में जगह बना ली। पिछली बार जब अमेरिका ने 1994 में विश्व कप की मेजबानी की थी, तब वह तीसरे स्थान की सर्वश्रेष्ठ टीमों में से एक होने के कारण क्वालीफाई कर गया था। तब वह अंतिम 16 में ब्राजील से हार गया था। एसी मिलान के लिए खेलने वाले और 87 अंतरराष्ट्रीय मैचों में 33 गोल कर चुके पुलिसिच पिंडली की चोट के कारण मैच में नहीं खेल पाए।

96 साल बाद जीते दो शुरुआती मैच

अमेरिका के लिए इस जीत का महत्व सिर्फ क्वालिफिकेशन तक ही सीमित नहीं था। 1930 में हुए पहले वर्ल्ड कप के बाद यह पहली बार था जब अमेरिकी टीम ने पुरुषों के वर्ल्ड कप में अपने शुरुआती दो मैच जीते। उस समय अमेरिकियों ने बेल्जियम को 3-0 और पैराग्वे को 3-0 से हराया था और आखरि में तीसरे स्थान पर रहे थे, जो उनका अब तक का सबसे अच्छा वर्ल्ड कप नतीजा है।

आत्मघाती गोल के जरिए बढ़त

अमेरिका ने आत्मघाती गोल के जरिए बढ़त बनाई। बालोगुन ने 11वें मिनट में स्ट्राइकर रिकार्डो पेपी की ओर एक सटीक पास दिया। गेंद पेपी तक नहीं पहुंची और ऑस्ट्रेलिया के डिफेंडर कैमरुन बर्गेस से टकराकर गोल में चली गई, जिससे आत्मघाती गोल हो गया। टीम के सबसे युवा खिलाड़ी 21 वर्षीय एलेक्स फ्रीमैन ने 43वें मिनट में अमेरिका को 2-0 से आगे कर दिया।

ब्राजील से हारकर हैती बाहर होने वाली पहली टीम

फिलाडेल्फिया। विनीसियस जूनियर ने एक गोल किया और मैथियस कुन्हा के दोनों गोल में मदद की, जिससे पांच बार के चैंपियन ब्राजील ने हैती को 3-0 से पराजित करके उसे विश्व कप फुटबॉल टूर्नामेंट से बाहर कर दिया। हैती 1974 के बाद पहली बार विश्व कप में खेल रहा है।

वह मौजूदा विश्व कप में नॉकआउट राउंड की दौड़ से बाहर होने वाली पहली टीम बन गई है। दूसरी तरफ ब्राजील ने अपनी लय हासिल करके अगले दौर में पहुंचने की तरफ मजबूत कदम बढ़ाए। मैनचेस्टर यूनाइटेड की तरफ से खेलने वाले

मैथियस कुन्हा ने दागे दो गोल

स्टार खिलाड़ी कुन्हा को शुरुआती लाइनअप में जगह मिली। लिंकन फाइनेंशियल फील्ड में मौजूद 68,324 दर्शकों में से अधिकतर ब्राज़ील के प्रशंसक थे, जिन्हें कुन्हा ने 23वें मिनट में अपने करियर का पहला विश्व कप गोल करके रोमांचित कर दिया। इसके बाद उन्होंने 36वें मिनट में बाएं पैर से जोरदार शॉट लगाकर ब्राजील को हैती की कमजोर टीम पर 2-0 की बढ़त दिला दी। विनीसियस ने पहले हाफ के इंजरी टाइम में तीसरा गोल किया। ब्राजील के फॉरवर्ड राफिन्हा के शुरुआती गोल को ऑफसाइड के कारण अमान्य कर दिया गया था।

टूर्नामेंट का सबसे तेज गोल

माटियास ने 65 सेकंड में बॉल को नेट में पहुंचाया, पराग्वे ने तुर्किए को हराया

एजेंसी ▶▶| सांता क्लारा

माटियास गलार्जा ने खेल शुरू होने के 65 सेकंड के अंदर गेंद को नेट में पहुंचाकर मौजूदा विश्व कप का सबसे तेज गोल किया, जिससे पराग्वे ने अधिकतर समय 10 खिलाड़ियों के साथ खेलने के बावजूद तुर्किए को 1-0 से हराया। पराग्वे की इस जीत से यह सुनिश्चित हो गया कि अमेरिका ग्रुप डी में शीर्षक पर रहेगा। इससे तुर्किए की नॉकआउट में पहुंचने की उम्मीदें भी लगभग समाप्त हो गई। पराग्वे अगले गुरुवार को ग्रुप चरण के आखिरी मैच में ऑस्ट्रेलिया से भिड़ेगा, जिसमें ग्रुप में दूसरे स्थान का फैसला होगा। पराग्वे को दूसरा स्थान हासिल करने के लिए यह मैच जीतना जरूरी है। इस मैच में पराग्वे की जीत में गुस्तावो अल्फारो के किए लाइनअप में बदलाव का भी अहम योगदान रहा। माटियास को पहले मैच में नहीं खिलाया गया था, लेकिन तुर्किए के खिलाफ उन्हें शुरुआती लाइनअप में शामिल किया गया।

सैबारी ने दूसरे मिनट में किया गोल मोरक्को ने स्कॉटलैंड को दी मात

एजेंसी ▶▶| फॉक्सबोरो

इस्माइल सैबारी ने गोल करने की अपनी काबिलियत का एक बार फिर से शानदार नमूना पेश करते हुए दूसरे मिनट में ही स्कोरशीट पर अपना नाम लिखवाया, जिससे मोरक्को ने विश्व कप फुटबॉल के ग्रुप सी के मैच में स्कॉटलैंड को 1-0 से हराया। सैबारी को ब्राजील के खिलाफ विश्व कप में अपने पदार्पण मैच में गोल करने में केवल 21 मिनट लगे थे। लेकिन स्कॉटलैंड के खिलाफ जिलेट स्टेडियम में उन्होंने केवल 72 सेकंड में ही गोल कर दिया, जो निर्णायक साबित हुआ। इससे मोरक्को के लगातार दूसरी बार विश्व कप के नॉकआउट दौर में पहुंचने की उम्मीदें जीवंत रहीं। मोरक्को ने मैच की शुरुआत में ही अपनी शानदार पासिंग से स्कॉटलैंड को हैरान कर दिया। सैबारी स्कॉटलैंड के दो डिफेंडरों को पीछे छोड़ते हुए आगे बढ़े और ब्राहिम डियाज़ ने उन्हें गेंद पास की।

बहस के दौरान अलमिरोन ने ढका मुंह, मिला लाल कार्ड

सांता क्लारा। पराग्वे के मिडफील्डर मिगुएल अलमिरोन विश्व कप में मुंह ढकने के लिए लाल कार्ड पाने वाले पहले खिलाड़ी बन गए हैं। यह घटना पराग्वे और तुर्किए के बीच खेले गए ग्रुप डी के मैच के पहले हाफ के इंजरी टाइम के दौरान घटी, जब मिडफील्ड के पास फाउल के बाद अलमिरोन और मर्ट मुल्डर के बीच कहा-सुनी हो गई। अलमिरोन ने मुल्डर से कुछ कहते हुए अपना मुंह ढक लिया। इस पर मुल्डर ने तुरंत रेफरी इवान बार्टन से सजा देने की अपील की। बार्टन ने वीडियो समीक्षा का सहारा लिया और इस साल विश्व कप में लागू किए गए एक नए नियम के तहत अलमिरोन को लाल कार्ड दिखाकर बाहर भेज दिया।

खबर संक्षेप

एशियाई चैंपियनशिप: जूनियर टीम ने जीता कांस्य पदक

नई दिल्ली। भारत की जूनियर पुरुष कलात्मक जिम्नास्टिक टीम ने चीन के जुनी में खेली जा रही एशियाई चैंपियनशिप में कांस्य पदक जीतकर इतिहास रचा। हर्षित दामोदरन, निषाद नरवाने, एसके नबीघ अली, अक्षत बजाज और मोहम्मद जैद अंसारी की युवा भारतीय टीम ने महाद्वीप की कुछ मजबूत टीमों के सामने शानदार प्रदर्शन किया। भारतीय टीम ने 224.493 अंकों के साथ तीसरा स्थान हासिल किया और पहली बार अपने नाम पर पदक दर्ज कराया। चीन ने 241.458 अंकों के साथ स्वर्ण पदक जीता, जबकि जापान ने 239.461 अंकों के साथ रजत पदक हासिल किया।

ऑस्ट्रेलिया की तीसरी जीत नीदरलैंड को दी शिकस्त

साउथम्प्टन। ऑस्ट्रेलिया ने विकेटकीपर बल्लेबाज बेथ मूनी (74 रन) और एशले गार्डनर (58 रन) के अर्धशतकों की मदद से शनिवार को आईसीसी महिला टी20 विश्व कप मैच में नीदरलैंड को 98 रन से शिकस्त देकर तीसरी जीत दर्ज की। ऑस्ट्रेलिया 3 मैच में 3 जीत से 6 अंक लेकर ग्रुप एक में शीर्ष पर है। भारत दो मैच में दो जीत से दूसरे स्थान पर है। ऑस्ट्रेलिया ने बल्लेबाजी का न्योता मिलने के बाद 'प्लेयर ऑफ द मैच' मूनी और गार्डनर के अर्धशतक तथा दोनों के बीच बीच तीसरे विकेट के लिए 55 गेंद में 101 रन की भागीदारी से 6 विकेट पर 219 रन का विशाल स्कोर खड़ा किया।जवाब में नीदरलैंड की टीम 20 ओवर में 3 विकेट पर 121 रन ही बना सकीं, जिसमें कप्तान बैबेट डि लीडे ने नाबाद 56 रन (57 गेंद, पांच चौके) बनाए जबकि स्टेरे कैलिस ने 44 रन का योगदान दिया।

टीम इंडिया ने जीती वनडे सीरीज

अफगानिस्तान को 3-0 से किया क्लीन स्वीप

एजेंसी ▶▶| चेन्नई

प्रसिद्ध कृष्णा के करियर की सर्वश्रेष्ठ गेंदबाजी के बाद सलामी बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल के दूसरे शतक से भारत ने तीसरे और अंतिम एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मैच में कप्तान हशमतुल्लाह शाहिदी के करियर के पहले शतक के बावजूद अफगानिस्तान को 9 विकेट से हराकर श्रृंखला में 3-0 से सूपड़ा साफ किया।

अफगानिस्तान के 219 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए भारत ने अफगानिस्तान के बेहद खराब क्षेत्ररक्षण का फायदा उठाते हुए जायसवाल और रोहित शर्मा के बीच पहले विकेट की 170 रन की साझदोरी से सिर्फ 28.4 ओवर में एक विकेट पर 224 रन बनाकर आसान जीत दर्ज की। अफगानिस्तान ने इससे पहले प्रसिद्ध की तूफानी गेंदबाजी के सामने 10वें ओवर में 36 रन तक 4 विकेट गंवा दिए थे। शाहिदी ने हालांकि अंतिम बल्लेबाज के तौर पर आउट होने से पहले 131 गेंद में 13 चौकों और एक छक्के से 102 रन की पारी खेलने के अलावा अजमतुल्लाह उमरजई (50) के साथ पांचवें विकेट के लिए 117 गेंद में 105 रन की साझेदारी करके टीम को 218 रन के सम्माजनक स्कोर तक पहुंचाया। शाहिदी ने मोहम्मद नबी (21) के साथ भी छठे विकेट के लिए 53 गेंद में 57 रन की साझेदारी की। मेहमान टीम हालांकि अंत में 44.2 ओवर में सिमट गई।

स्कोर बोर्ड

अफगानिस्तान	रन	गेंद	4	6
गुरबाज का रोहित बो प्रसिद्ध	05	7	1	0
जादरान का रोहित बो प्रसिद्ध	11	18	2	0
रहमत का रोहित बो प्रसिद्ध	05	15	1	0
शाहिदी का अय्यर बो प्रसिद्ध बो	102	131	13	1
रसूली का अय्यर बो प्रसिद्ध	01	5	0	0
उमरजई का प्रसिद्ध बो प्रिंस	50	56	5	2
मोहम्मद नबी बो गुरनूर	21	23	1	1
राशिद खान का प्रिंस बो दुबे	05	2	0	0
गजनफर रन आउट	01	1	0	0
फरीद अहमद रन आउट	00	0	0	0
जिया उर रहमान नाबाद	01	7	0	0

अतिरिक्त:16, कुल:44.2 ओवर में 218/10
गेंदबाजी: गुरनूर 8-0-49-1, प्रसिद्ध 8.2-2-23-5, प्रिंस 7-0-38-1, रेड्डी 6-0-42-0, दुबे 7-0-38-1, वाशिंगटन 8-2-23-0

भारत	रन	गेंद	4	6
जायसवाल नाबाद	110	86	14	3
रोहित का स्थानापन्न बो नबी	79	69	9	3
श्रेयस अय्यर नाबाद	20	19	0	2

अतिरिक्त: 15, कुल: 28.4 ओवर में 224/1 रन
गेंदबाजी: उमरजाई 2-0-26-0, रहमान 4-0-21-0, फरीद 5-0-55-0, गजनफर 3-0-15-0, राशिद 7-0-53-0, नबी 7.4-1-47-1

जायसवाल ने धवन को छोड़ा पीछे

अफगानिस्तान के खिलाफ यशस्वी जायसवाल ने लाजवाब पारी खेली। उन्होंने अपने वनडे करियर का दूसरा शतक जड़ा और बड़ा कीर्तिमान अपने नाम किया। जायसवाल ने वनडे में अब तक 6 पारी खेली हैं और दो शतक जड़ दिए है। वह सबसे कम पारी में दो शतक जड़ने वाले भारतीय बल्लेबाज बन गए हैं। जायसवाल ने पूर्व ओपनर शिखर धवन का रिकॉर्ड तोड़ा। धवन ने सातवीं पारी में वनडे करियर का दूसरा शतक जड़ा था। इससे पहले जायसवाल ने साउथ अफ्रीका के खिलाफ 6 दिसंबर 2025 को शतक जड़ा था।

लगातार दो जीत, अब द.अफ्रीका से भिड़ंत

महिला टी20 विश्वकप : आज शाम 7 बजे से हरमनप्रीत और वोल्वार्ट की टीमों में मुकाबला

एजेंसी ▶▶| मैनचेस्टर

भारतीय महिला टीम टी20 विश्व कप में शानदार शुरुआत के बाद अब रविवार को यहां ग्रुप वन के कठिन मुकाबले में दक्षिण अफ्रीका जैसी खतरनाक टीम के सामने उस लय को कायम रखने की कोशिश करेगी।

हरमनप्रीत कौर की अगुवाई वाली टीम ने पाकिस्तान पर 64 रन से जीत के साथ अपने अभियान की शुरुआत की । सलामी बल्लेबाज स्मृति मंधाना और विकेटकीपर बल्लेबाज रिचा घोष ने बल्ले से योगदान दिया जबकि दीप्ति शर्मा ने पांच विकेट चटकाए। नीदरलैंड को दूसरे मैच में भारत ने 95 रन से हराया।

अब तक टी20 विश्व कप नहीं जीत सकी टीम इंडिया

पांच बार सेमीफाइनल में पहुंच चुकी भारतीय टीम अभी तक टी20 विश्व कप नहीं जीत सकी है। अब उसे अपनी आक्रामक बल्लेबाजी और बेहतरीन गेंदबाजी के लिए विख्यात दक्षिण अफ्रीका की चुनौती से पार पाना है। यह मुकाबला दक्षिण अफ्रीका की गेंदबाजी और भारत की बल्लेबाजी के बीच हो सकता है। पावरप्ले में तेजी से रन बनाने की मंधाना की काबिलियत और हरमनप्रीत के अनुभव के साथ शेफाली वर्मा और रिचा की आक्रामक बल्लेबाजी अहम होगी।

द.अफ्रीका के पास दबाव से निपटने का अनुभव

वहीं दक्षिण अफ्रीका की उम्मीदें कप्तान लौरा वोल्वार्ट और मध्यक्रम के बल्लेबाजों पर टिकी होंगी। दक्षिण अफ्रीका ने आस्ट्रेलिया से मिली पराजय के बाद पाकिस्तान को दो विकेट से हराकर वापसी की। दक्षिण अफ्रीका महिला क्रिकेट की सबसे प्रतिस्पर्धी टीमों में से है। पिछली बार टी20 विश्व कप फाइनल खेल चुकी इस टीम के पास दबाव से निपटने का काफी अनुभव है।

आज भारत-ए और श्रीलंका-ए में फाइनल मुकाबला

दांबुला। भारत ए की टीम त्रिकोणीय एक दिवसीय श्रृंखला के फाइनल में रविवार को जब श्रीलंका ए का सामना करेगी तो सभी की निगाह वैभव सूर्यवंशी पर टिकी रहेंगी। भारतीय टीम लीग मैच में श्रीलंका ए से सुपर ओवर में हार गई थी और वह इसका बदला चुकता करने के लिए प्रतिबद्ध होगी। श्रीलंका के दौरे पर आए सूर्यवंशी को दांबुला की धीमी पिचों पर संघर्ष करना पड़ा है। उन्होंने अब तक चार मैचों में 14, 44, 21 और 38 रन बनाए हैं। अफगानिस्तान ए के खिलाफ भारत के करो या मरो वाले मैच में उनसे बड़ी पारी की उम्मीद की जा रही थी लेकिन वह केवल 38 रन ही बना पाए और अब उन पर वापसी करने का दबाव होगा। भारतीय टीम हालांकि अफगानिस्तान के खिलाफ मिली जीत से उत्साहित होगी। उसने इस मैच में पहले बल्लेबाजी करते हुए नौ विकेट पर 319 रन बनाए थे।

दोहा डायमंड लीग

चोट के बाद वापसी, चौथे स्थान पर रहे नीरज

एजेंसी ▶▶| दोहा

चोट के कारण अपने सत्र की शुरुआत देर से करने वाले भाला फेंक के दिग्गज भारतीय खिलाड़ी नीरज चोपड़ा दोहा डायमंड लीग प्रतियोगिता में चौथे स्थान पर रहे। ओलंपिक में दो पदक जीतने वाले 28 वर्षीय चोपड़ा ने अपने तीसरे प्रयास में 85.69 मीटर का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया, जो पदक जीतने के लिए पर्याप्त नहीं था। चो प ड़ा पिछले कुछ समय से पीठ दर्द से परेशान रहे हैं। उन्हें यह चोट सितंबर 2025 में तोक्यो विश्व चैंपियनशिप के दौरान लगी थी। विश्व चैंपियनशिप में आठवें स्थान पर रहने के बाद वह पहली बार किसी प्रतियोगिता में में प्रतिस्पर्धा कर रहे थे। तुर्किए में 'रिहैबिलिटेशन' के बाद वह 25 मई से स्विट्जरलैंड में अभ्यास कर रहे थे।

मैं आने वाले सत्र के लिए तैयार हूं : चोपड़ा

चोपड़ा ने ट्वीट किया, 'वापसी करके खुशी हुई। 85.69 मीटर का थ्रो अच्छा लगा और मैं आने वाले सत्र के लिए तैयार हूं।' चोपड़ा ने फाउल के साथ शुरुआत की और 82.77 मीटर के अपने दूसरे दौर के थ्रो के बाद चौथे स्थान पर पहुंच गए, जिससे 2026 राष्ट्रमंडल खेलों में उनकी जगह पक्की हो गई। उन्होंने अपने तीसरे प्रयास में और भी बेहतर प्रदर्शन किया और भाले को 85.69 मीटर तक फेंका और एक स्थान ऊपर तीसरे स्थान पर पहुंच गए। लेकिन जैसे ही 23 वर्षीय पथिरागे ने चौथे प्रयास में 88.68 मीटर का थ्रो करके बढ़त हासिल की, चोपड़ा चौथे स्थान पर खिसक गए।

हॉकी महिला नेशंस कप : कप्तान सलीमा चुनी गई 'प्लेयर आफ द मैच'

भारत ने दी चिली को 6-0 से शिकस्त, फाइनल में एंट्री

एजेंसी ▶▶| आकलैंड

भारतीय महिला हॉकी टीम ने शानदार फॉर्म बरकरार रखते हुए चिली को 6-0 से हराकर एफआईएच हॉकी महिला नेशंस कप के फाइनल में प्रवेश कर लिया। भारत के लिए नवनीत कौर (छठा और 13वां मिनट) और दीपिका (14वां और 18वां) ने दो-दो गोल किए जबकि नेहा (32वां) और रुतुजा पिसाल (39वां) ने एक-एक गोल दागा।

टूर्नामेंट में भारत की यह लगातार चौथी जीत है। 'प्लेयर आफ द मैच' चुनी गई कप्तान सलीमा टेटे ने बेहतरीन प्रदर्शन किया। भारत का सामना फाइनल में अमेरिका और न्यूजीलैंड के बीच होने वाले मैच के विजेता से होगा।

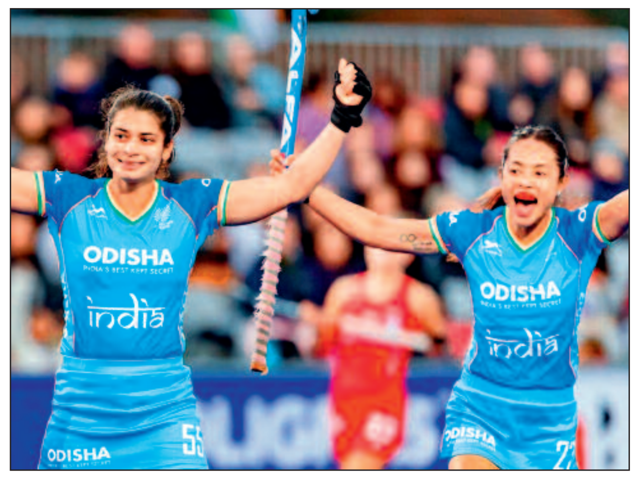

टीम इंडिया ने बनाया रखा गेंद पर नियंत्रण

भारत ने शुरू ही से गेंद पर नियंत्रण बनाए रखा और पहले पेनल्टी कॉर्नर पर नवनीत के गोल की मदद से बढत बना ली। भारत की बढत जल्दी ही दुगुनी हो गई जब बाएं फ्लैंक से सलीमा ने दौड़कर नवनीत को गेंद सौंपी, जिसने गोल कर दिया। ड्रैग फ्लिकर दीपिका ने 18वें मिनट में पेनल्टी कॉर्नर तब्दील करके भारत की बढत 3-0 की कर दी। दीपिका के नाम अब टूर्नामेंट में सर्वाधिक छह गोल हो गए हैं।

भारत का ब्रेक के बाद भी दबदबा

हाफ टाइम तक 4-0 से आगे भारत ने ब्रेक के बाद भी दबदबा जारी रखा। नेहा ने पेनल्टी कॉर्नर पर गोल करके स्कोर 5-0 कर दिया। रुतुजा ने रिवर्स हिट पर भारत का छठा गोल दागा। चिली ने आखिरी क्वार्टर में कुछ मौके बनाए लेकिन भारत की अनुभवी गोलकीपर सविता ने जबर्दस्त बचाव करते हुए उसे एक भी गोल नहीं करने दिया।

टेलर स्विफ्ट ने जिस कुर्सी पर बैठकर देखा मैच, उसकी लाखों में हो रही नीलामी

न्यूयार्क। टेलर स्विफ्ट एक अमेरिकी गायिका हैं, जो किसी भी परिचय की मोहताज नहीं हैं। उनके प्रशंसक पूरी दुनिया में फैले हुए हैं, जो उनकी एक झलक के लिए करोड़ों खर्च करने से भी नहीं कतराते हैं। ऐसे में उनसे जुड़ी वस्तुओं का करोड़ों में बिकना हैरानी ही बात नहीं। इसी कड़ी में एक कुर्सी की नीलामी की घोषणा की गई है। यह कुर्सी करोड़ों में बिक सकती हैं, सिर्फ इसलिए क्यूंकि इस पर बैठकर स्विफ्ट ने बास्केटबॉल मैच देखा था।

क्या है इस कुर्सी की खासियत?

क्लीवलैंड कैवेलियर्स और न्यूयॉर्क निक्स के बीच हुई प्लेऑफ सीरीज के तीसरे मैच के दौरान स्विफ्ट नीलाम होने वाली कोर्टसाइड कुर्सी पर बैठी थीं। नीलामी का आयोजन खुद क्लीवलैंड कैवेलियर्स की अनुमति से 'द रियलिस्ट' ने करवाया है और इसकी आधिकारिक घोषणा 7 जून, 2026 को की गई थी। इतने कम समय में ही इसकी बोली 4.76 लाख रुपये जा पहुंची है। नीलामी में अभी काफी समय बाकी है, जिससे साफ है कि इसकी कीमत करोड़ों तक जा सकती है।

काशी का रहस्यमयी मंदिर, जिसकी तुलना होती है पीसा की मीनार से

वाराणसी, जिसे काशी के नाम से भी जाना जाता है, अपने प्राचीन मंदिरों और आध्यात्मिक विरासत के लिए पूरी दुनिया में मशहूर है। यहां हर गली, हर घाट और हर मंदिर के पीछे एक कहानी छिपी है। इन्हीं कहानियों में एक अनोखा नाम है—रत्नेश्वर महादेव मंदिर। यह मंदिर अपनी खूबसूरती के साथ-साथ अपने झुकाव के लिए भी जाना जाता है। कहा जाता है कि यह मंदिर लगभग 9 डिग्री झुका हुआ है, जो इसे इटली की मशहूर पीसा की मीनार से भी ज्यादा झुका हुआ बनाता है। अगर आप काशी जाएं, तो इस कम चर्चित लेकिन बेहद खास मंदिर को जरूर देखें।

पीसा की मीनार से तुलना क्यों

जब भी झुकी हुई इमारतों की बात होती है, तो सबसे पहले इटली की पीसा की मीनार का नाम आता है। लेकिन बहुत कम लोग जानते हैं कि काशी का यह मंदिर उससे भी ज्यादा झुका हुआ है। जहां पीसा की मीनार लगभग 4 डिग्री झुकी है, वहीं रत्नेश्वर महादेव मंदिर का झुकाव लगभग 9 डिग्री बताया जाता है। यही कारण है कि इसे भारत का 'लीनिंग टेंपल' भी कहा जाता है।

9 डिग्री झुकाव का अनसुलझा रहस्य

इस मंदिर की सबसे बड़ी खासियत इसका झुकाव है। माना जाता है कि यह लगभग 9 डिग्री तक एक तरफ झुका हुआ है। यह झुकाव कैसे हुआ, इसके पीछे कई कहानियां प्रचलित हैं। कुछ लोग इसे निर्माण की गलती मानते हैं, तो कुछ इसे किसी दैवीय घटना से जोड़ते हैं। हालांकि, आज तक इसका सटीक कारण स्पष्ट नहीं हो पाया है।

गंगा किनारे बसा अनोखा मंदिर : रत्नेश्वर महादेव मंदिर वाराणसी के मणिकर्णिका घाट के पास स्थित है। यह मंदिर गंगा नदी के बिल्कुल किनारे बना हुआ है, जिससे इसका नजारा बेहद आकर्षक लगता है। खास बात यह है कि नदी का जलस्तर बढ़ने पर यह मंदिर कई बार आधा या पूरा पानी में डूब जाता है।

आध्यात्मिकता और आकर्षण का केंद्र

अपने झुकाव के बावजूद यह मंदिर श्रद्धालुओं के लिए आस्था का केंद्र बना हुआ है। यहां लोग भगवान शिव के दर्शन करने आते हैं और इस अनोखी संरचना को करीब से देखने की इच्छा रखते हैं। मंदिर की बनावट, उसकी स्थिति और गंगा के साथ उसका रिश्ता इसे और भी खास बना देता है।

दुनिया का सबसे छोटा पार्क

नैरोबी। आपने अपने जीवन में कई खूबसूरत पार्क की सैर की होगी, जो हरे-भरे पेड़ों और पौधों से भरे होते हैं। आम तौर पर पार्क 4,000 से 40,000 वर्ग मीटर तक फैले होते हैं। हालांकि, क्या हो अगर हम आप से कहें कि दुनिया में एक वर्ग मीटर से भी छोटा पार्क मौजूद है? दरअसल, जापान में दुनिया का सबसे छोटा पार्क स्थित है, जिसका नाम अब गिनीज बुक में भी शामिल हो गया है।

दो ए-3 कागज जितना है इस पार्क का आकार : यह अनोखा पार्क शिजुओका के नागाइजुमी टाउन में स्थित है, जो टोक्यो से महज 1 घंटा दूर है। जब आप इस जगह की सैर पर निकलेंगे तो आपको सड़क के किनारे एक छोटी-सी वस्तु दिखाई देगी, जो असल में एक पार्क है। इस पार्क में एक प्रवेश द्वार, एक छोटी बेंच और हरी-भरी घास भी मौजूद है। यह पार्क केवल 0.24 वर्ग मीटर का है, जो कि A3 पेपर की 2 शीट के बराबर है।

THE BEST TREATMENT FOR
KIDNEY STONES WITH LITHOTRIPSY
• No incisions
• No pain
• No bleeding
• No hospital stay
Get back to your normal life
Get the best treatment for kidney stones
Care With Confidence
(NABH से मान्यता प्राप्त)
सुयश हॉस्पिटल
24 Hours Helpline
9926386660
कोटा–गुढ़ियारी रोड़, होटल पिकाडली के पीछे, रायपुर
Ajay 9827144371

PRP/GFC
तकनीक द्वारा
गंजेपन का ईलाज

कालड़ा प्लास्टिक कॉस्मेटिक सर्जरी एवं बर्न सेंटर
आर.के.सी. के सामने, चौबे कालोनी एवं पचपेढ़ी नाका, धमतरी रोड, कलर्स माल के पास, रायपुर (छ.ग.)
9827143060/8871003060
छ.ग. शासन से मान्यता प्राप्त
Ajay Advt.

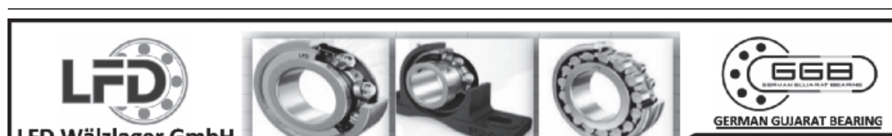

LOOKING FOR DISTRIBUTORS IN CHHATTISGARH
LFD GERMANY, A Globally Recognized Manufacturer Of PREMIUM INDUSTRIAL BEARINGS is Expanding Its Network ACROSS CHHATTISGARH
WE INVITE :
- Bearing Distributors
- Industrial Suppliers
- Trading Companies
- Entrepreneurs
WHY PARTNER WITH LFD?
- German Engineering
- Premium Quality Products
- Attractive Business Margins
- Wide Product Range
- Long Term Growth Opportunity
To become part of a fast growing and trusted global brand
CALL NOW FOR DISTRIBUTORSHIP +91 99131 67993 +91 72030 28126
Website www.lfd.eu

संजीवनी सुपरस्पेशयलटी हॉस्पिटल
मिनिमल इनवेसिव, लैप्रोस्कोपिक व रोबोटिक कैंसर सर्जरी हेतु कुशल टीम

डॉ. युसूफ मेमन – डायरेक्टर, कैंसर सर्जन, MS, FSOG, FIAGES, FMAS
डॉ. अर्पण चतुरमोहता – MS, MCH, FIAGES HOD, सर्जिकल डायरेक्टर, कैंसर सर्जन
डॉ. विवेक पटेल – MBBS, MS, MCh कैंसर सर्जन
डॉ. कल्याण पांडेय – MBBS, MS, MCh, कैंसर सर्जन
डॉ. विकास अग्रवाल – MBBS, DINBN, PDF, FMAS, FISCP, MNAMS, कैंसर सर्जन
डॉ. घनश्याम हटवार – MBBS, MS, MCh मूत्र रोग एवं पुरुष रोग विशेषज्ञ
दावड़ा कॉलोनी, पचपेड़ी नाका, रायपुर, छ.ग., +91 7389905010, 04010

एक्स-शोरूम कीमत# ₹89,611
INDIA'S FIRST 5 YEAR WARRANTY *Conditions apply
Hero GoodLife पाएं जीतने का मौका चाँदी का सिक्का* और कई अन्य सुनिश्चित लाभ*
इंस्टेंट डिस्काउंट ₹10 000^ तक
HDFC BANK | SBI card क्रेडिट कार्ड Powered by pine labs
Hero MotoCorp Ltd. Regd. Office: The Grand Plaza, Plot No.2, Nelson Mandela Road, Vasant Kunj Phase - II, New Delhi - 110070, India. | CIN: L35911DL1984PLC017354 | For further information, contact your nearest Hero MotoCorp authorised outlet or visit us on www.HeroMotoCorp.com. World's no 1 disclaimer - Highest sales for any 2 Wheeler Corporate Entity in the world for Calendar Year 2025 Data source: DNA Consult & Advisory's report Assessment of Global Two Wheelers Market(CY25). Accessories and features shown may not be a part of standard fitment. Always wear a helmet while riding a two-wheeler. Available at selectdealerships. *Limited period offer, T&C Apply. #Ex-showroom price of Glamour X Drum variant in Chhattisgarh.^T&C Apply.
TOLL FREE NO. 1800 266 0018

अधिकृत डीलरः रायपुरः छत्तीसगढ़ हीरो, 9289922351, आरसन हीरो, 9289922864, राजधानी हीरो, 9289922414, राजनांदगांवः जय हीरो, 9289922357, धमतरीः सत्योम हीरो, 9289922525, कांकेरः राहुल हीरो, 9289922834, महासमुंदः वत्स हीरो, 9289922623, बलौदाबाजारः अग्रवाल हीरो, 9289922959, आरंगः श्री राम हीरो, 9289922968, बेमेतराः श्री सांई हीरो, 9289922835, कवर्धाः सरस्वती हीरो, 9289922958, जगदलपुरः विजयपाल हीरो, 9289923064, दंतेवाड़ाः जय विजय हीरो, 9289922990, दल्लीराजहराः लक्ष्मी हीरो, 9289922983, भाटापाराः कुशल हीरो, 9289923052, भिलाईः इंडियन हीरो, 9289922355, चौहान मोटर्स, 9289233817, दुर्गः उत्सव हीरो, 9289923114, उत्सव हीरो (स्टेशन रोड), 7000595300, एसोशिएट डीलरः रायपुरः संजय ऑटोव्हील, 9289924245, 0771-4266555, पंडरियाः ललित सर्विसेज़, 8770383767, भनपुरीः ओम ऑटो एजेंसी, 6261535855, दोमुहानीः किरण मोटर्स, 9754069392, लवनः गणपति ऑटो, 9926601111/9340379300, भिंभौरीः श्री राम मोटर्स, 8462900028/9340005833, गुरूरः श्री गुरुनानक ऑटो, 8349484458/7224880123, बोड़लाः विक्की मोटर्स, 9755583102, पांडातराईः शक्ति ऑटोमोबाइल्स, 9179035073, अभनपुरः राजधानी ऑटोमोबाइल्स, 9325529033, छुरियाः अंकित ऑटो, 9425240565, नवागढ़ः श्री मोटर्स, 9165525555/9009866899, राजिमः गुरुदेव ऑटोमोबाईल्स, 9977280000, खरोराः अग्रवाल मोटर्स, 9424212141, सरायपालीः बंसल ऑटो, 9425513611, डोंगरगढ़ः युवराज मोटर्स, 8085160380, तिल्दाः आरसन मोटर्स, 9340335266, नगरीः हर्ष ऑटो, 8109502100, पाटनः दिव्या ऑटो, 9893492107, बागबाहराः प्रियंका ऑटोकेयर, 9131058752, कोण्डागांवः आहूजा ऑटोमोबाईल्स, 9131794017/9993861888, नारायणपुरः गुरुनानक ऑटो, 9425596290, केशकालः साहिल ऑटो सेल्स, 9893199247, डुगरंडीः किरन ऑटोकेयर, 9754069392, फरसगांवः राजा ऑटोमोबाईल्स, 9425594144, बैरलाः कोन्हा मोटर्स, 98931058752/6260472025, कसडोलः बजरंग मोटर्स, 9425511973, बालोदः नैन ऑटोकेयर, 9425563502, लिमतराः माँ सरवेश्वरी ऑटोमोबाईल्स, 9301361155, गरियाबंदः छत्तीगढ़ ऑटो केयर, 8319358443, चटोदः सत्यम ऑटोमोबाईल्स, 9977155055, गुंडरदेहीः एम.एम. ऑटो, 9893542300/ 8720051135, जामुलः जय अम्बे ऑटो एजेंसी, 9826386346, रिसालीः भारत मोटर्स, 9993417123, फिंगेश्वरः अभिषेक ऑटो, 9977737000/9300093200, भिलाई-3: महावीर मोटर्स, 8109100019, कुरूदः शिव ऑटो, 8305711110/ 9993454103, इरपिनार- कांकेरः अंशू ऑटो, 9406054292, पखांजूरः रिशान सर्विसेज, 6267323235, गोहरा पादरः गोविंद ऑटो केयर, 9303664769, कुटकुदुरः दिलीप मोटर्स, 7869151152, सुकमाः आशुतोष ऑटोमोबाइल, 9425260291, भानुप्रतापपुरः संस्कार मोटर्स, 9406203600, मानपुरः दिलीप ऑटो केयर, 7999054324, लाखोलीः शुभम ऑटो केयर, 9754000069, अम्बागढ़ चौकीः अमर मोटर्स, 9827969901, तालेवाड़ाः साई मोटर्स, 9754329434, राजिमः राजीव लोचन ऑटोमोबाइल्स, 7000186678, सारागांवः जी वी मोटर्स, 7566666243, सरसीवाः श्रीराम ऑटो, 6260060443, बीजापुरः माँ भवानी ऑटोमोबाइल्स, 9301683268/7987037477, चारामाः श्री करणी ऑटोमोबाइल, 9827894444, गुड़िहाटीः श्री राम मोटर्स, 7697966999/9425502611, भखाराः प्रेम ऑटो, 8770027422, डीलर एक्सटेंशन काउंटरः रायपुरः आरसन हीरो (फाफाडीह), 7428587575, 0771-4000233, भिलाई (सुपेला): इंडियन हीरो, 0788-4911301, 8305597651, ऐडिशनल वर्कशॉपः रायपुरः आरसन मोटर्स (फाफाडीह), 7697868545/0771-4000233, आरसन मोटर्स (टिकरपारा), 2274333/666, राजधानी ऑटो केयर, (रिंग रोड नं.1, तेलीबांधा चौक) 0771-2420037, जेन्युइन स्पेअर पार्ट्स के लिए संपर्क करें: अधिकृत स्टॉकिस्टः संजय ऑटोमोबाईल्स, 2226732/7474, Hero Sure (Buy, Sell, Exchange Any Used Two Wheeler) रायपुरः आरसन हीरो, 9285052266, भिलाईः इंडियन हीरो, 9289922355, दल्लीराजहराः लक्ष्मी हीरो, 9289922983

हरिभूमि कम्यूनिकेशन्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक अनिल कुमार द्वारा हरिभूमि पब्लिकेशन्स, टिकरापारा, धमतरी रोड, रायपुर (छत्तीसगढ़)-492001 से मुद्रित एवं हरिभूमि काम्पलेक्स, टिकरापारा, धमतरी रोड, रायपुर (छत्तीसगढ़)-492001 से प्रकाशित। प्रधान संपादक : डॉ. हिमांशु द्विवेदी, स्थानीय संपादक धनंजय वर्मा, संपादक (समन्वय) ब्रह्मवीर सिंह। RNI No. CHHHIN/2002/07457, फोन : 0771-4242222, e-mail:raipur@haribhoomi.com